THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 93 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ शु.3 2080 बुधवार, 21 जून 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

बंगाल पंचायत चुनाव में ममता को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दिया निर्देश
पंचायत चुनाव में सेंट्रल फोर्सेस की तैनाती होगी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव में सेंट्रल फोर्सेस की तैनाती का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग की याचिका भी खारिज कर दी।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस मनोज मिश्रा की वेकेशन बेंच ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए कहा, बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। हिंसा के साथ चुनाव नहीं हो सकते। राज्य सरकार और चुनाव आयोग को सेंट्रल फोर्स की तैनाती पर क्या एतराज है। कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से कहा, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना आपकी जिम्मेदारी है। फोर्स कहां से आएगी, इसकी चिंता आपको नहीं करनी है। ऐसे में आपकी याचिका तो सुनने लायक ही नहीं है। कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी।

बंगाल सरकार की ओर से एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल, राज्य चुनाव आयोग की ओर से मीनाक्षी अरोड़ा और भाजपा की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने दलीलें पेश कीं।

जस्टिस नागरत्ना : अभी ग्राउंड सिचुएशन क्या है

सिद्धार्थ अग्रवाल : 8 जुलाई को चुनाव होना है। आज नाम वापस लेने की आखिरी तारीख है। राज्य भर में 189 मतदान केंद्र संवेदनशील हैं। हम सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं।

जस्टिस नागरत्ना : चुनाव कराना हिंसा का लाइसेंस नहीं हो सकता। चुनाव हिंसा के साथ नहीं हो सकते। लोग नामांकन नहीं भर पा रहे हैं, गुटबाजी हो रही है, कुछ लोगों ने नामांकन दाखिल किया है, वह खत्म हो गया है। राज्य चुनाव आयोग ने क्या होमवर्क किया है?

मीनाक्षी अरोड़ा : संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान की जा चुकी है। मतदान की अधिसूचना 8 जून को जारी की गई थी। 9 जून को सुबह हाईकोर्ट में यह देखे बिना याचिका दायर की जाती है कि क्या हो रहा है।

जस्टिस नागरत्ना : इसके बाद आपने क्या कदम उठाए... :

मीनाक्षी अरोड़ा : राज्य चुनाव आयोग फोर्स की मांग नहीं कर सकता है। वह केवल राज्य से अनुरोध कर सकता है। हाईकोर्ट का आदेश इसके विपरीत है। हाईकोर्ट का कहना है कि चुनाव आयोग फोर्स की तैनाती की मांग करेगा, लेकिन यह राज्य द्वारा किया जाता है न कि एसईसी द्वारा।

हाईकोर्ट का कहना है कि चुनाव आयोग को सभी क्षेत्रों और जिलों में फोर्स प्रदान करना होगा।

>14

नकली दवाओं पर भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

मंडाविया बोले- 71 फर्मों को जारी किया गया नोटिस

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि भारत नकली दवाओं पर जीरो-टॉलरेंस की नीति का पालन करता है और भारत में बने दूषित कफ सिरप के कारण होने वाली मौतों के बारे में चिंता जताने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को अपनी कंपनी बंद करने के लिए कहा गया है। न्यूज एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं के उत्पादन को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक जोखिम-आधारित विश्लेषण लगातार किया जाता है। साथ ही सरकार और नियामक हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहते हैं कि नकली दवाओं से किसी की मृत्यु न हो। उन्होंने कहा कि हम दुनिया की फार्मेसी हैं और हम सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम दुनिया की गुणवत्ता वाली फार्मेसी हैं। इस साल फरवरी में तमिलनाडु स्थित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने अपनी आई ड्रॉप्स की पूरी खेप को वापस मंगा लिया था। इससे पहले पिछले साल गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में क्रमश: 66 और 18 बच्चों की मौत की वजह कथित रूप से भारत में निर्मित कफ सिरप को बताया गया था।

भारत ने 2022-23 में 17.6 अरब अमेरिकी डॉलर के कफ सिरप का निर्यात किया था, जबकि 2021-22 में यह 17 अरब अमेरिकी डॉलर था। कुल मिलाकर, भारत विश्व स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा सप्लायर है, जो विभिन्न टीकों के लिए वैश्विक मांग के 50 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करता है।

>14

राजनीतिक पार्टियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

अपने उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को छिपाने का आरोप

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। चुनाव सुधार समर्थक समूह ने चुनाव आयोग से पिछले कुछ वर्षों में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने में विफल रहने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

चुनाव आयोग को लिखे पत्र में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने उल्लेख किया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के बाद केंद्रीय और राज्य चुनाव स्तर पर राजनीतिक दलों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी वेबसाइटों पर अपराधों की प्रकृति सहित लंबित आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों के बारे में विस्तृत जानकारी अपलोड करें। राजनीतिक दलों को ऐसे उम्मीदवारों के चयन के कारण भी बताने होंगे और यह भी बताना होगा कि बिना आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अन्य व्यक्तियों को उम्मीदवारों के रूप में क्यों नहीं चुना जा सकता।

एडीआर द्वारा 19 जून को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि सबसे पहले यह आवेदन आयोग के समक्ष 25 सितंबर, 2018 और 13 फरवरी, 2020 के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के कार्यान्वयन में जारी इस आयोग (ईसी) के अनिवार्य निर्देशों के जानबूझकर अवज्ञा और उल्लंघन के खिलाफ दायर किया जा रहा है।

एडीआर ने बताया कि शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों को ऐसे व्यक्तियों के चयन के कारणों के साथ उनके द्वारा चुने गए उम्मीदवारों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का विवरण प्रकाशित करने में विफल रहने के लिए फटकार लगाई थी। बाद में, शीर्ष अदालत ने अपने आदेशों का पालन नहीं करने के लिए 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 10 राजनीतिक दलों पर जुर्माना लगाया था। पत्र में कहा गया है, इस पृष्ठभूमि में एडीआर चूक करने वाले राजनीतिक दलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने की मांग कर रहा है। जिन्होंने त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड और कर्नाटक में हुए 2023 के विधानसभा चुनावों, 2022 में हुए गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों और 2021 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में भाग लिया था।

चुनाव सुधार समर्थक समूह ने कहा कि मतदान पैनल को प्रत्येक चुनाव के दौरान तुरंत सुप्रीम कोर्ट को इस तरह की चूक की रिपोर्ट करनी चाहिए। पत्र में कहा गया है, आयोग को उक्त उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाने पर भी विचार करना चाहिए।

अहमदाबाद में मकान की बालकनी गिरी रथयात्रा देख रहे 3 बच्चों समेत 8 घायल

अहमदाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद के दरियापुर काडियानाका रास्ते में एक इमारत की दूसरी मंजिल की बालकनी का हिस्सा गिर गया। इसी के नीचे कई लोग रथयात्रा के दर्शन के लिए खड़े थे, जो घायल हो गए। हादसे में 3 बच्चों समेत 8 लोग घायल हो गए। उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अहमदाबाद में देश की दूसरी सबसे बड़ी जगन्नाथ रथ यात्राभगवान जगन्नाथ की रथयात्रा मंगलवार को देशभर में निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में होने वाली रथयात्रा के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी रथयात्रा अहमदाबाद के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में होती है। गृहमंत्री अमित शाह ने सुबह जमालपुर जगन्नाथ मंदिर में परिवार समेत मंगला आरती की।

अहमदाबाद में रथयात्रा सुबह 7 बजे शुरू हो गई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल पाहिंद विधि कर रथ यात्रा की शुरूआत की। इससे पहले सुबह 4.30 बजे भगवान को खिचड़ा हुआ। 6.30 बजे भगवान की तीनों मूर्तियों को रथ में विराजमान किया गया।

अहमदाबाद में देश की दूसरी सबसे बड़ी जगन्नाथ रथ यात्रा

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा मंगलवार को देशभर में निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में होने वाली रथयात्रा के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी रथयात्रा अहमदाबाद के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में होती है।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़

महिलाओं-बच्चों समेत 25 लोग रथ के नीचे दबे, चीख-पुकार मची, रस्सी खींचने के दौरान हुआ हादसा

आगरा, 20 जून (एजेंसियां)। आगरा से बड़ी खबर है। यहां जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान अचानक भगदड़ मच गई। महिलाओं और बच्चों समेत करीब 25 लोग रथ के नीचे दब गए। चीख-पुकार मच गई। बड़ी मुश्किल से सभी को बाहर निकाला गया। लोगों को हल्की चोटें आई हैं।

मंगलवार को बल्केश्वर महादेव मंदिर से जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जा रही है। रथ यात्रा में शामिल होने के लिए महादेव मंदिर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। मंदिर के मुख्य गेट पर रथ खड़ा था। रथ के बिल्कुल पास एक छोटा मंच बना था। जिस पर ढोल ताशे बज रहे थे।

सैकड़ों भक्त रथ को खींचने के लिए रस्सा हाथ में लेकर खड़े थे। अचानक रस्सा खींचने से रथ आगे बढ़ गया, जिससे रथ और मंच के बीच में खड़ी महिलाएं, बच्चे और अन्य लोग नीचे दब गए। चीख-पुकार मच गई। वहां मौजूद लोग रथ को रोकने के लिए दौड़े।

रथ को पीछे की ओर धकेला। तब जाकर नीचे दबे लोगों को बाहर निकला जा सका। रेस्क्यू की गई महिला श्रद्धालु ने कहा कि वो नीचे आ गई थीं। वो तो अंतिम समय पर रथ रुक गया, नहीं तो गंभीर चोट आती।

गनीमत रही नहीं हुआ बड़ा हादसा

लोगों के दबने से वहां मौजूद कार्यकर्ताओं के हाथ पांव फूल गए। गनीमत रही कि समय रहते रथ को और आगे बढ़ने से रोक लिया गया। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हैं।

केदारनाथ के गर्भगृह में महिला ने उड़ाए नोट, वीडियो वायरल होने पर मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। एक तरफ भगवान केदारनाथ की यात्रा में लाखों श्रद्धालु आ रहे हैं तो दूसरी तरफ उसी केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक महिला केदारनाथ के शिवलिंग पर नोट उड़ाते दिख रही है। हैरानी की बात ये भी है कि इस दौरान वहां मौजूद पंडित पूजा भी संपन्न करा रहा है और बैकग्राउंड में गाना बज रहा है- क्या कभी अम्बर से सूर्य बिछड़ता है।

पूरे मामल का वीडियो वायरल होने पर हड़कंप मच गया है। जिसके बाद रुद्रप्रयाग पुलिस की ओर से मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे के मुताबिक श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की ओर से मिली तहरीर के आधार पर श्रद्धालुओं की कथित रूप से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ कोतवाली सोनप्रयाग अलग-अलग धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दूसरी तरफ बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने गर्भगृह में पंडितों की मौजूदगी में हुई इस घटना पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों से सफाई भी मांगी। उन्होंने रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से भी बात की और दोषियों के विरूद्ध तुरंत कार्रवाई करने को कहा।

बता दें कि केदारनाथ धाम एक दूसरी वजह से भी इन दिनों चर्चा में है। दरअसल आरोप लगाया गया है कि गर्भगृह की अंदर की दीवारों में सोने की जगह पीतल की परतों का उपयोग किया गया है। इसमें करीब सवा अरब रुपये के घोटाले का दावा किया जा रहा है। हालांकि श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति इन आरोपों को निराधार बताया है और आरोप लगाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात भी कही है।

मणिपुर में कुकी जनजाति ने आर्मी प्रोटेक्शन की मांग की

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कानून-व्यवस्था का मामला, 3 जुलाई को सुनवाई होगी

इंफाल, 20 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर हिंसा जारी है। इस बीच कुकी जनजाति को आर्मी प्रोटेक्शन देने की मांग वाली याचिका पर जल्द सुनवाई से कोर्ट ने इनकार कर दिया।

जस्टिस सूर्यकांत और एम एम सुंदरेश की वैकेशनल बेंच ने कहा, राज्य में हिंसा कानून-व्यवस्था का मामला है। कुकी जनजाति को आर्मी प्रोटेक्शन देने वाली याचिका पर हम 3 जुलाई को सुनवाई करेंगे। यह याचिका एनजीओ मणिपुर ट्राइबल फोरम ने लगाई है।

इस बीच मणिपुर हाई कोर्ट ने 27 मार्च को दिए गए अपने फैसले पर रिव्यू पिटीशन स्वीकार कर ली है। उस आदेश में कोर्ट ने राज्य सरकार से मेइती समुदाय को एसटी में शामिल करने की सिफारिश का निर्देश दिया था।

उधर केंद्र का कहना है कि सुरक्षा एजेंसियां जमीन पर हैं और स्थिति को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश कर रही हैं। राज्य में 49 दिनों से जारी हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 300 से ज्यादा लोग घायल हैं। 50 हजार से ज्यादा लोग सेल्टर होम में रह रहे हैं।

सीएम की चेतावनी- हिंसा रोकें, वर्ना परिणाम भुगतने तैयार रहें

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राहत कैम्पों का दौरा किया। वे बिरहारी कॉलेज, खुंद्राकपम और हिंगांग में पहुंचे। इस दौरान बीरेन सिंह ने कहा, हिंसा रोकें, वरना परिणाम भुगतने तैयार रहें। मैं हथियारों से लैस मैतेई लोगों से भी अपील करता हूं कि वे किसी पर हमला न करें और शांति बनाए रखें ताकि हम राज्य में सामान्य स्थिति बहाल कर सकें।

सीएम बीरेन सिंह ने ये बात 18-19 जून की रात कांटो सबल से चिंगमांग गांव की तरफ की गई गोलीबारी में घायल भारतीय सेना के जवान को लेकर कही। उन्होंने यह भी कहा कि वे सुरक्षा की समीक्षा करेंगे कि ये घटना कैसे हुई।

हिंसा प्रभावितों के लिए बनाए जाएंगे 4000 अस्थायी घर :

राहत शिविरों में पीड़ितों से मिलने के बाद मणिपुर सीएम ने कहा, मैंने कुछ राहत शिविरों का दौरा किया, लेकिन अभी और लोग भी पीड़ित हैं। राज्य सरकार उनके लिए प्री-फैब्रिकेटेड घरों का निर्माण करने जा रही है। लगभग 3000-4000 घर बनाए जाएंगे। हम उस जगह की तलाश कर रहे हैं जहां निर्माण किया जा सके।

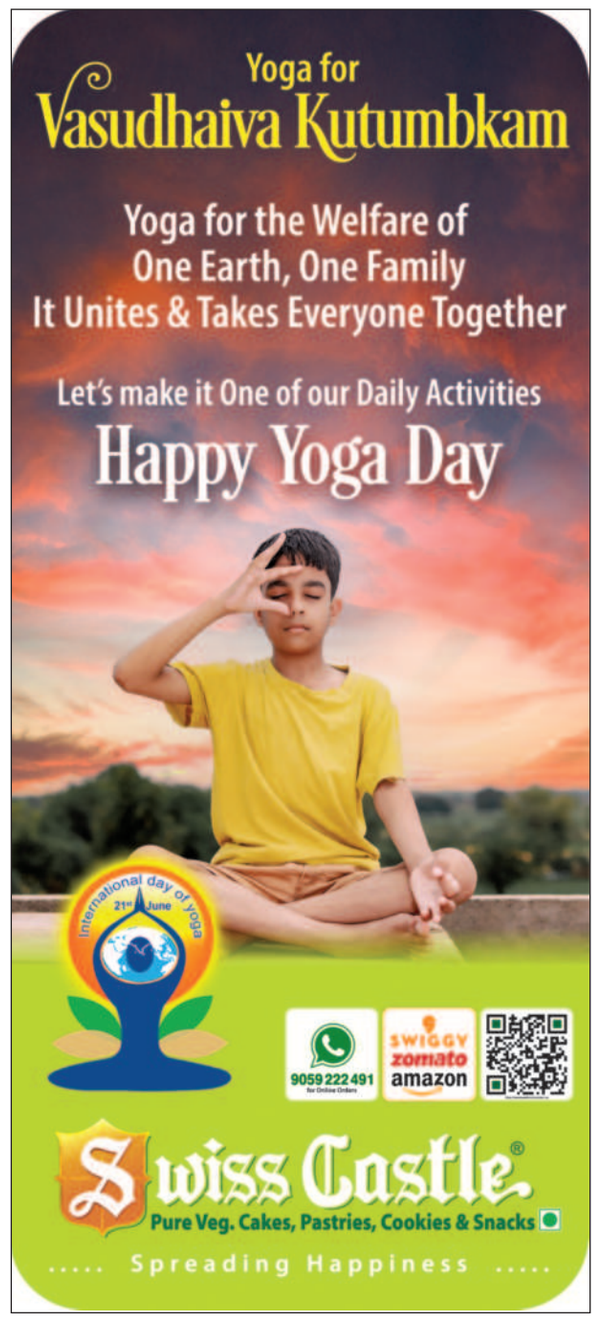

बिहार में दुनिया के सबसे बड़े मंदिर का निर्माण शुरू

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। विश्व के सबसे बड़े रामायण मंदिर का निर्माण आज शुरू हो गया है। साल 2025 के आखिर तक मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। मंदिर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना सावन तक की जाएगी। मंदिर के कुल 12 शिखरों की साज-सज्जा में और 2 साल लगेंगे।

मंदिर निर्माण के लिए मशीन से जमीन की खुदाई शुरू की गई। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के मौके पर कैथवलिया-बहुआरा में विराट रामायण मंदिर का निर्माण शुरू हुआ है।

ये मंदिर पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया-चकिया मार्ग पर बन रहा है। पटना महावीर मंदिर न्यास समिति के प्रमुख आचार्य किशोर कुणाल ने विधि विधान के साथ पूजा कर निर्माण कार्य को शुरू किया।

>14

पंजाब विधानसभा में आरडीएफ पर केंद्र के खिलाफ प्रस्ताव पास

मान बोले- गुरबाणी फ्री प्रसारित होगी, यूनिवर्सिटीज में गवर्नर की जगह सीएम चांसलर होंगे

अमृतसर, 20 जून (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा के स्पेशल सेशन के दूसरे दिन की कार्यवाही 3 प्रस्तावों की मंजूरी के साथ खत्म हुई। इस दौरान रूरल डेवलपमेंट फंड (आरडीएफ) जारी न करने पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। गुरुद्वारा एक्ट 1925 संशोधन बिल भी विपक्षियों के विरोध के बाद पास हो गया। वहीं पंजाब यूनिवर्सिटीज लॉ एमेंडमेंट बिल पास किया गया, जिसमें गवर्नर की जगह सीएम चांसलर होंगे।

दूसरे दिन की शुरूआत में ही कांग्रेस ने वॉकआउट कर दिया। सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने ऐतराज जताते हुए कहा कि पहले ये मकसद बताया जाए कि सेशन क्यों बुलाया है। ऑपरेशन लोटस की बात रखने के बाद कांग्रेस विधायकों ने सेशन का बायकॉट कर दिया। वहीं, भाजपा ने भी इस सत्र को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को खुश करने के लिए बुलाए जाने की बात कह कर विरोध जताया।

आरडीएफ न देने पर सीएम की केंद्र को चेतावनी

सदन में राज्य के कृषि मंत्री गुरमीत खुड्डियां ने कहा कि केंद्र सरकार के पास पंजाब सरकार का आरडीएफ फंड पेंडिंग हैं। इससे पंजाब के ग्रामीण विकास कार्य ठप हो रहे हैं। उन्होंने 3622.40 करोड़ का आरडीएफ फंड रिलीज करने के लिए केंद्र सरकार तक पहुंच करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि पिछले 4 सीजन से ये फंड पंजाब सरकार को नहीं मिला है।

सीएम भगवंत मान ने इशारों में केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि जल्द ही 3622 करोड़ रुपये का आरडीएफ जारी कर दो वर्ना 1 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट खुल रही है।

21 जुलाई के बाद फ्री प्रसारित होगी गुरबाणी

सीएम भगवंत मान ने इस दौरान गुरुद्वारा एक्ट 1925 संशोधन बिल भी पास कर दिया गया। अकाली दल ने इसका विरोध किया। बसपा के विधायक डॉ. नछत्तर सिंह ने भी सिख संशोधन बिल का विरोध किया। उन्होंने एसजीपीसी के साथ बैठकर बातचीत करने की बात कहा। लेकिन बहुमत का फायदा मिलने के बाद विधानसभा में इस बिल को भी मंजूरी मिल गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जुलाई तक एक चैनल के पास एकाधिकार है। उसके बाद सभी चैनलों पर अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल से गुरबाणी सभी चैनलों पर चलेगी। इसकी फीड फ्री होगी, जो भी चलाना चाहे, वह इसे चला सकता है।

डीयू छात्र की हत्या पर भड़की स्वाति मालीवाल बोलीं

केंद्र, दिल्ली और पुलिस का मिलकर काम न करना शर्मनाक

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। दिल्ली यूनिवर्सिटी साउथ कैंपस के आर्यभट्ट कॉलेज के गेट पर छात्र निखिल चौहान की हत्या मामले में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर हमला बोला है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। दिल्ली में महिला सुरक्षित नहीं ही हैं। इसके अलावा, अब आम लोग भी खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से ये पूरी घटना हुई है, उसे लेकर दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारी तय किए जाने और पुलिस के संसाधन बढाने कि जरूरत है। उनका कहना है कि दिल्ली में आये दिन आपरधिक घटनाएं हो रही हैं। बावजूद इसके केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस आप सरकार के साथ मिल कर काम नहीं कर रहे हैं, जो कि काफी शर्मनाक है। बता दें कि देश की राजधानी दिल्ली के छात्र की दिनदहाड़े चाकू से गोद कर हत्या करने का ससनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में आरोपियों ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैम्पस स्थित आर्यभट्ट कॉलेज के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के छात्र निखिल चौहान की 18 जून को उस वक्त हत्या कर दी जब वो कॉलेज से क्लास कर बाहर निकला था। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान, बिंदापुर के रहने वाले राहुल और चाणक्य प्लेस के हारून के तौर पर हुई है। दोनों आरोपियों की उम्र 19 वर्ष है। आरोपियों ने पहले तो निखिल से झगड़ा किया और फिर उसके सीने पर चाकू से हमला कर दिया। निखिल को घायल अवस्था मे हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली-यूपी सहित इन राज्यों में अगले 5 दिनों तक झमाझम बारिश

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में मंगलवार की सुबह की शुरुआत झीनी-झीनी बारिश से हुई है, जिसकी वजह से लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को भी तेज बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ीं। मौसम विभाग ने आज भी दिनभर रुक-रुककर बारिश होने की संभावना जताई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि चक्रवात बिपरजॉय के कारण अत्यधिक नमी होने की वजह से बारिश हो रही है।

दिल्लीवासियों को गर्मी से मिलती रहेगी राहत

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि "दिल्ली में मंगलवार को बहुत हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है क्योंकि नमी से भरी मौसम प्रणाली दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ेगी। अगले कुछ दिनों तक तापमान में तेज वृद्धि नहीं होगी।"श्रीवास्तव ने कहा, बिपरजॉय रविवार तक डिप्रेशन में था और अब यह दक्षिण हरियाणा और पूर्वोत्तर राजस्थान के पास है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बहुत करीब है। यह अब कम दबाव प्रणाली में कमजोर हो गया है, जो इस क्षेत्र में अत्यधिक नमी ला रहा है और इसी वजह से बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और बुधवार को 38 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। गुरुवार से शुक्रवार तक, शहर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जबकि शनिवार और रविवार को बारिश की भविष्यवाणी की गई है।

अगले पांच दिनों तक इन राज्यों में होगी बारिश

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 20 जून को पूर्वी राजस्थान में भारी से बहुत भारी बारिश और अगले दिन भारी बारिश होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश के उत्तरी भागों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की उम्मीद है, साथ ही आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश और उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश हो सकती है। 21-22 जून को बिहार और झारखंड में, 21-22 जून को गंगीय पश्चिम बंगाल में, और 21-23 जून को ओडिशा में भारी बारिश की उम्मीद है। विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहने की उम्मीद है। 20 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज और बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम छिटपुट वर्षा होगी, जबकि उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अगले पांच दिनों के दौरान छिटपुट से छिटपुट वर्षा होगी। उत्तराखंड में 22-23 जून को भारी वर्षा की संभावना है।

अगले पांच दिनों में दक्षिण भारत क्षेत्र में गरज और बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। 20 जून को तमिलनाडु और अगले दो दिनों के लिए तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने चेन्नई, तिरुवल्लुर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों के लिए अगले तीन घंटों के लिए भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार, तीन घंटे के दौरान थिरवल्लुर, क्लैनई, कांचीपुरानी और चेंगलपट्टू जिलों में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम बारिश और हल्की बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी ने कहा, चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और थिटुवल्लुर जिलों में पिछले दो घंटों के दौरान संवहन कोशिकाओं ने इन जिलों के किसी भी क्षेत्र में मध्यम बारिश के साथ तेज आंधी का कारण बना है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने हिमाचल प्रदेश में 20 और 21 जून को अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली गिरने और 22 और 23 जून को अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट किया है।

बिहार-यूपी-ओडिशा-झारखंड में हीटवेव का अलर्ट

वहीं उत्तर प्रदेश-बिहार और ओडिशा सहित कई राज्यों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। बिहार में मौसम विभाग ने कई जिलों में बारिश के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई है। विभाग ने लोगों को अलर्ट रहने का भी निर्देश दिया है। यूपी के भी कुछ जिलों में सोमवार की रात में हल्की बारिश हुई है। उधर ओडिशा, झारखंड में अभी भी भीषण गर्मी पड़ रही है, कहीं-कहीं बारिश भी हुई है। ओडिशा में सोमवार 19 जून को कई जिलों का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। वहीं झारखंड में सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और इससे ज्यादा रहा। आईएमडी ने दोनों राज्यों में हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मात्र 2500 रुपये बचाने के लिए हाईकोर्ट पहुंची सरकार लगी 10 हजार की कॉस्ट

शिमला, 20 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने सरकार की ओर से आधारहीन अपील दायर करने पर 10 हजार रुपये की कॉस्ट लगाई है। अदालत ने अपने निर्णय में कहा कि राज्य सरकार को एक आदर्शवादी के रूप में कार्य करना चाहिए। सरकार को आधारहीन, तंग करने वाले, तकनीकी और अन्यायपूर्ण विवादों से न्याय के मार्ग में बाधा नहीं डालनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और न्यायाधीश अजय मोहन गोयल की खंडपीठ ने यह निर्णय सुनाया। अदालत ने कहा कि राज्य ने एक कर्मचारी को 2,500 रुपये के एक छोटे से मूल्य की वेतन वृद्धि को चुनौती दी है। इस वृद्धि से सरकार पर बहुत ही कम वित्तीय बोझ पड़ा है। अदालत ने आश्चर्य जताया कि राज्य सरकार की ओर से छोटे से मूल्य के लिए भी लगातार मुकदमेबाजी कर नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। प्रतिवादी राजेंद्र फिस्टा 31 मई 2013 को तहसीलदार के पद से सेवानिवृत्त हुआ था। 1 जून 2013 से उसे एक वर्ष की अवधि के लिए सेवा विस्तार दिया गया। सेवा विस्तार की अधिसूचना में स्पष्ट किया गया था कि प्रतिवादी अंतिम वेतन को छोड़कर कोई अतिरिक्त वेतन वृद्धि का हकदार नहीं होगा। प्रतिवादी ने विभाग को प्रतिवेदन के माध्यम से गुहार लगाई थी कि वह जुलाई 2013 से एक नियमित वेतन वृद्धि पाने का हकदार है। विभाग ने इस आवेदन को खारिज कर दिया था, जिसके खिलाफ प्रतिवादी ने याचिका दायर की। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने प्रतिवादी को जुलाई 2013 से एक नियमित वेतन वृद्धि पाने का हकदार ठहराया था। राज्य सरकार ने इस निर्णय के खिलाफ खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी थी। खंडपीठ ने पाया कि एकलपीठ के निर्णय के मुताबिक कर्मचारी को सिर्फ 2,500 रुपये का वित्तीय लाभ होगा, जिससे सरकार को मुश्किल से बोझ पड़ेगा। सरकार की इस अपील को आधारहीन बताते हुए अदालत ने इसे खारिज कर दिया।

कश्मीर में छह जगहों पर एसआईए का छापा

सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामले में कार्रवाई

श्रीनगरर, 20 जून (एजेंसियां)। ज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मंगलवार को कश्मीर घाटी के चार जिलों में छह अलग-अलग जगहों पर छापा मारा है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामले में इन जगहों पर कार्रवाई की गई है। मंगलवार सुबह दल-बल के साथ एसआईए की टीमों ने श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा और कुपवाड़ा में छह स्थानों पर तलाशी ली। एसआईए प्रवक्ता ने बताया कि गैरकानूनी और अलगाववादी गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसी मामले में जांच के तहत तलाशी ली गई है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान डिजिटल और भौतिक साक्ष्य के तौर पर मौके पर से कुछ मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि देश में सोशल मीडिया यूजर्स और संस्थाओं द्वारा भारत के खिलाफ नफरत फैलाने और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए और अपने विदेशी सहयोगियों के साथ सहयोग करने के संबंध में एसआईए कश्मीर द्वारा मामला दर्ज किया गया है। चिन्हित संस्थाओं पर अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विदेशी सहयोगियों के साथ मिलीभगत करने का संदेह है, जिसमें आतंकवाद को उकसाना और उसका समर्थन करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, ये संस्थाएं सरकारी कर्मचारियों को लक्षित कर रही हैं,

दिल्ली की कानून-व्यवस्था चिंताजनक

एलजी-गृह मंत्री हैं जिम्मेदार, केजरीवाल ने उपराज्यपाल को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली की कानून-व्यवस्था की हालत बहुत ही चिंताजनक है। इसके लिए एलजी और गृह मंत्रालय जिम्मेदार है। केजरीवाल ने अपने खत में लिखा है कि दिल्ली की कानून व्यवस्था की हालत बहुत ही चिंतजानक हो गई है। दिल्ली का हर नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है। केजरीवाल ने आगे लिखा, दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए सीधे उपराज्यपाल और गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। नागरिकों, विधायकों और आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर कानून व्यवस्था सुधारी जाए। इसके साथ ही थाना लेवल कमेटी फिर से शुरू की जाए। आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ रहे अपराध को लेकर सोमवार को भी एलजी वीके सक्सेना की भूमिका पर सवाल उठाया। पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने प्रेसवार्ता कर आरोप लगाया कि एलजी से दिल्ली की कानून-व्यवस्था नहीं संभल रही है, इसलिए अपराध लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आरके पुरम इलाके में दो सगी बहनों की हत्या की घटना के बाद रविवार शाम को डीयू के साउथ कैंपस में छात्र की हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि एलजी बताएं कि उन्होंने कितनी पीसीआर वैन बढ़ाईं, किन थानों का दौरा किया और कितनी बार पुलिस आयुक्त को बुलाकर उनकी जवाबदेही तय की गई।

पत्नी से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार 'हिंदू मैरिज एक्ट' में 'क्रूरता आईपीसी के तहत 'अपराध' नहीं: कर्नाटक हाई कोर्ट

बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। एक पति द्वारा शारीरिक संबंध से इनकार करना हिंदू विवाह अधिनियम -1955 के तहत क्रूरता है, लेकिन आईपीसी की धारा 498ए के तहत नहीं। कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक हालिया फैसले में यह बात कही है। कोर्ट ने यह कहते हुए एक व्यक्ति और उसके माता-पिता के खिलाफ 2020 में उसकी पत्नी द्वारा दर्ज आपराधिक मामले में कार्रवाई को रद्द कर दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित खबर के मुताबकि पति ने अपने और अपने माता-पिता के खिलाफ आईपीसी की धारा 498ए और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धारा 4 के तहत दायर चार्जशीट को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था। जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ एकमात्र आरोप यह था कि वह एक निश्चित आध्यात्मिक आदेश का अनुयायी था। उसका मानना था, "प्रेम कभी भी भौतिक नहीं होता, यह आत्मा से आत्मा का होना चाहिए।" कोर्ट ने कहा कि उसका "अपनी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाने का कभी इरादा नहीं था", जो "निस्संदेह हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12 (1) (ए) के तहत विवाह करने के कारण क्रूरता होगी। लेकिन यह आईपीसी की धारा 498ए के तहत परिभाषित क्रूरता के दायरे में नहीं आता है। इस कपल ने 18 दिसंबर 2019 को शादी की थी, लेकिन पत्नी सिर्फ 28 दिन ससुराल में ही रही थी। उसने 5 फरवरी, 2020 को धारा 498ए और दहेज अधिनियम के तहत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12 (1) (ए) के तहत पारिवारिक अदालत के समक्ष एक मामला भी दायर किया, जिसमें क्रूरता के आधार पर विवाह को रद्द करने की मांग की गई, जिसमें कहा गया कि विवाह संपन्न नहीं हुआ था। जस्टिस एम नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने पति और उसके माता-पिता द्वारा दायर याचिका स्वीकार कर ली और शादी के 28 दिन बाद पत्नी द्वारा उनके खिलाफ दर्ज की गई शिकायत रद्द कर दी। 16 नवंबर, 2022 को दोनों की शादी रद्द कर दी गई थी। पत्नी ने आपराधिक मामले को आगे बढ़ाने का फैसला किया। हाई कोर्ट ने कहा कि आपराधिक कार्रवाई को जारी रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती है अन्यथा यह "कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग और न्याय का गर्भपात होगा।"

सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे पर कंटेनर और यात्री बस की भिड़ंत, तीन की मौत

दमोह, 20 जून (एजेंसियां)। दमोह में सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे पर मंगलवार सुबह सात बजे यात्री बस और कंटेनर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पांच लोग घायल हो गए, जिसमें दो गंभीर घायलों को जबलपुर रेफर किया गया है। हादसा मंगलवार सुबह तेंदूखेड़ा ब्लॉक में आने वाले झालोन गांव के पास सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे पर हुआ। मृतकों में बस ड्राइवर, क्लीनर और एक महिला यात्री शामिल है। जानकारी के अनुसार सागर से जबलपुर चलने वाली बरकोटी कंपनी की बस झलोन से तेंदूखेड़ा की ओर आ रही थी। वहीं, दूसरी ओर जबलपुर से सागर जा रहे कंटेनर के चालक को नींद का झोंका आ गया और कंटेनर सीधा बस को टक्कर मारते हुए अंदर घुस गया। घटना में बस और कंटेनर के चालाक क्षतिग्रस्त वाहनों में तीन घंटे फंसे रहे,

भोपाल धर्मांतरण विवाद पर बीजेपी बोली पीड़ित हिंदू है इसलिए चुप हैं चचाजान दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक शख्स के गले में कुत्ते का पट्टा बांधकर उसकी बुरी तरह पिटाई की गई है। मामले के तूल पकड़ने के बाद पुलिस ने इस पर कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही आरोपियों के घरों पर बुलडोजर भी चला है। वहीं, अब राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दिल्ली से लेकर भोपाल तक और भोपाल से लेकर गांव की चौपाल तक। कांग्रेस के एक भी नेता ने इस घटना की निंदा नहीं की। चचाजान दिग्विजय सिंह के छोटी-छोटी घटनाओं पर ट्वीट आते थे। अब इनसे एक भी शब्द नहीं बोला गया। गृह मंत्री ने ये भी कहा कि कमलनाथ ने भी इस घटना पर चुप्पी साध रखी है। इससे कांग्रेस का छिपा एजेंडा समझ में आ रहा है। पीड़ित हिंदू शख्स था इसलिए कुछ नहीं बोला। दूसरे वर्ग का होता तो बहुत कुछ बोलते। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) भी लगाई गई है। उनके घरों को चिन्हित कर उसे तोड़ने की कार्रवाई भी की गई है। ऐसी मानसिकता को हम मध्य प्रदेश में नहीं चलने देंगे, इसे हम कुचल देंगे। वो कार्रवाई करेंगे, जो प्रदेश में नजीर बनेगी।

क्या है मामला?

बता दें कि भोपाल में एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में कुछ लोगों एक युवक को बंधक बनाया हुआ था। युवक के गले में कुत्ते का पट्टा डाला गया था और उसके साथ मारपीट की जा रही थी। आरोप है कि युवक पर धर्मांतरण का दबाव बनाया जा रहा था। वीडियो में तीन आरोपी युवक को धमकी देते दिखे थे कि अगर वो इनकी बातें नहीं मानेगा, तो उसकी बहन और मां के साथ दुष्कर्म करेंगे।

हाथियों के अधिग्रहण मामले में मद्रास हाईकोर्ट का फैसला एकल पीठ द्वारा पारित आदेश पर लगाई अंतरिम रोक

चेन्नई, 20 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु, तमिलनाडु में निजी व्यक्ति और धार्मिक संस्थान में हाथियों का अधिग्रहण नहीं करने वाले मामले पर मद्रास हाई कोर्ट का आदेश आया है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने एकल पीठ द्वारा पारित आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इससे पहले कोर्ट ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग के सचिव को निर्देश दिया था कि वे तमिलनाडु के सभी मंदिरों को निर्देश जारी करें कि वे और कोई हाथी का अधिग्रहण न करें।

पीठ ने अंतरिम आदेश पारित किया एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली एचआर और सीई विभाग के प्रधान सचिव की याचिका पर सुनवाई करते हुए एक खंडपीठ ने अंतरिम आदेश पारित किया है। अपील में कहा गया कि विभाग उस मामले में प्रतिवादी नहीं था जहां आदेश पारित किया गया था।

हाथियों के साथ होता था दुर्व्यवहार

इसी साल फरवरी में, एकल पीठ ने एचआर और सीई विभाग के सचिव को निर्देश दिया था कि वे राज्य के सभी मंदिरों को निर्देश जारी करें कि वे अब और हाथियों का अधिग्रहण न करें। ऐसा देखा जा रहा था कि कई मंदिरों में, हाथियों को बिल्कुल अस्वीकार्य परिस्थितियों में रखा जा रहा है। पहली बेंच ने निर्देश दिया था कि निजी व्यक्तियों या धार्मिक संस्थानों में हाथियों का और अधिक अधिग्रहण नहीं किया जाना चाहिए। इसे पूरी तरह से सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

सरकारी पुनर्वास शिविरों में स्थानांतरित किया जाए

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि अब समय आ गया है कि यह निर्णय लिया जाए कि ऐसे सभी हाथी जो मंदिर और निजी स्वामित्व वाले दोनों स्थानों में कैद में हैं, सरकारी पुनर्वास शिविरों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। एकल पीठ ने कहा कि पर्यावरण और वन विभाग के सचिव इस संबंध में मानव संसाधन और सीई विभाग के सचिव के साथ समन्वय कर सकते हैं।

बागेश्वर धाम में कट्टे के साथ घुसा मुस्लिम युवक परिक्रमा पथ पर लगा रहा था चक्कर, मचा हड़कंप

छतरपुर, 20 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। जिले में स्थित प्रसिद्ध बागेश्वर धाम में एक युवक तमंचा लेकर घुस गया। देसी कट्टे के साथ यह युवक परिक्रमा पथ पर घूम रहा था। हथियारबंद युवक को देखकर लोगों के होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही तुरंत सक्रिय हुई पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को गिरफ्तार कर लिया। बागेश्वर धाम में मुसलमान युवक के तमंचे के साथ अंदर घुसकर बेखौफ घूमने की घटना से धर्मस्थल की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल उठने लगा है। आखिर हथियार लेकर कोई शख्स बागेश्वर धाम के अंदर कैसे घुस गया? बागेश्वर धाम में मुस्लिम युवक को कट्टे के साथ घूमते हुए देखकर वहां मौजूद श्रद्धालुओं के होश उड़ गए। आनन-फानन में इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद थाने में भी खलबली मच गई। तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हथियारबंद युवक को हिरासत में ले लिया।

अपने पिता बालासाहब के विचारों की भी परवाह नहीं की उद्धव ठाकरे ने: ठाकुर

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर मुंबई के दौरे पर गए हुए हैं, इस दौरान उन्होंने दक्षिण मुंबई में बाबा साहेब आंबेडकर के बन रहे स्मारक का दौरा किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए ठाकुर ने कहा, नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए बाबासाहेब आंबेडकर के नाम का स्मारक बनाने का फैसला किया है। इस दौरान उन्होंने उद्धव ठाकरे पर भी जमकर निशाना साधा। अनुराग ठाकुर ने उद्धव ठाकरे को लेकर पूछे गए एक सवाल में कहा, जो व्यक्ति ढाई साल अपने घर के कमरे में ही बंद रहा हो, अपने ही कार्यकर्ताओं से नहीं मिला हो उसको सत्ता से निकालने का काम उसी की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मिलकर किया। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, उद्धव ठाकरे ने तो सत्ता के लिए अपनी विचारधारा तक से समझौता कर लिया। उन्होंने कहा, बालासाहब ठाकरे अपनी पूरी उम्र भर जिस विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ी उद्धव ठाकरे उनकी ही गोद में जाकर बैठ गए। ठाकुर ने आगे कहा कि अब पछताए होत का जब चिडिया चुग गई खेत, ये बात पूरी दुनिया जानती है कि भारत ने अपनी मुफ्त की वैक्सीन पूरी दुनिया के उन देशों को भेजी है जहां पर उनको सख्त जरूरत थी। उन्होंने कहा कि उद्धव साहब आप तो मुंबई और मुंबई की जनता को भूल चुके थे। मोदी जी ने देश को भुखमरी और महामारी दोनों से बचाया है। मोदी जी एक ऐसा नेता है जिन्होंने समय पर देश को मजबूत नेतृत्व दिया है। उद्धव जी ने उन पार्टियों से हाथ मिलाया जो मुंबई हमले के बाद मूक दर्शक बनी हुईं थी।

अचानक बदल गया सीएम नीतीश का प्लान तमिलनाडु का दौरा रद्द किया

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का तमिलनाडु दौरा अचानक रद्द हो गया है। आज ही सीएम नीतीश कुमार को तमिलनाडु जाना था। वहां के सीएम एमके स्टालिन से मिलते। अब डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और मंत्री संजय झा चेन्नई के लिए पटना से रवाना हुए हैं। सीएम नीतीश कुमार के प्लान में बदलाव के पीछे की वजह भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्य कारणों से दौरा रद्द किया है।

तेजस्वी और संजय झा करेंगे मुलाकात

पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार सीएम नीतीश कुमार के साथ डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को चेन्नई जाना था। अब अचानक बदलाव के बाद नीतीश कुमार की ओर से जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री संजय झा को चेन्नई भेजा गया है। अब एमके स्टालिन से तेजस्वी यादव और संजय झा मुलाकात करेंगे।

सीएम नीतीश करते मनाने की कोशिश?

बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कांग्रेस से खुश नहीं हैं। ऐसे में विपक्षी दलों की बैठक भी होनी है। इसलिए नीतीश कुमार अगर चेन्नाई जाते तो खुद उन्हें मनाने की कोशिश करते। नीतीश कुमार खुद जाते तो बात कुछ और होती। दरअसल, तमिलनाडु में एम करुणानिधि की स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसी में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को जाना था। इस कार्यक्रम के बहाने नीतीश कुमार वहां के सीएम एमके स्टालिन से मिलने वाले थे जो अब कैंसिल हो गया है। बता दें कि इससे पहले एक मार्च को मुख्यमंत्री स्टालिन के 70वें जन्मदिन के मौके पर तेजस्वी यादव चेन्नई पहुंचे थे। तेजस्वी यादव ने वहां पहुंचकर बधाई दी थी। करीब तीन महीने के अंदर तेजस्वी के लिए मिलने का यह दूसरा मौका है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: न ही किसी को "कमज़ोर' समझें आप शक्तिशाली हो सकते हैं, लेकिन "समय' सबसे ज्यादा शक्तिशाली होता है

तेलंगाना के दक्षिणी जिलों में मध्यम वर्षा हुई

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भले ही उत्तरी और पूर्वी जिलों में गर्मी की लहर की स्थिति

बनी हुई है, राज्य ने मंगलवार को अपने दक्षिणी जिलों में मध्यम वर्षा के साथ दक्षिण-पश्चिम मानसून का स्वागत किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग - हैदराबाद (आईएमडी-एच) ने अगले पांच दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है क्योंकि राज्य के कुछ जिलों में बिजली गिरने के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। हैदराबाद, रंगारेड्डी जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जंगांव, यदादरी भुवनगिरी, मेडचल मलकाजीगिरी, नागरकुर्नूल, वानापार्थी, जोगुलम्बा में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने के साथ बिजली गिरने की संभावना है। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के पूर्वानुमान के अनुसार, नलगोंडा के चंदमपेट में मंगलवार को सबसे अधिक 53.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। दिलचस्प बात यह है कि सबसे अधिक तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस भी नलगोंडा में कटंगूर में दर्ज किया गया था। अगले चार दिनों में हैदराबाद में हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है। मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मानसून के आगमन के साथ, शहर में आने वाले चार दिनों के लिए तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने वाला है। दक्षिण पश्चिम मानसून के दौरान तेलंगाना की सामान्य वर्षा 738.6 मिमी है। मानसून की शुरुआत में देरी के साथ, जून के लिए वर्षा आज तक 82 प्रतिशत के विचलन के साथ पहले से ही कम है। तापमान कटंगूर, नलगोंडा - 44.7, पलकुर्ती, पेद्दापल्ली - 44.6, केरामेरू, कुमारम भीम आसिफाबाद-44.4, मेडराम, मुलुगु-44.2, सिकंदराबाद - 41.4, आसिफनगर - 40.6, खैरताबाद -40.6 बहादुरपुरा-40.2 में रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं.17-डिप्युटी सीई-जीएस-जीएनटी दि.17-06-2023

PUB/0661

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु दि.10.07.2023 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

टेंडर आयडी 43 सेक्शन डिप्युटी सीई/जीएस/जीएनटी
कार्य विवरण: ट्रैक पोर्शन-8.20किमी के लिए गुंटूर यार्ड पर मल्टि ट्रैकिंग तथा कनेक्टिवीटी कार्य। अनुमानित **मूल्य: रु.65375034.51 पूधग्ना: रु.476900.00**

टेंडर आयडी 44 सेक्शनः डिप्युटी सीई/जीएस/जीएनटी
कार्य विवरण: ब्रिजेस पोर्शन-8.20किमी के लिए जीएनटी यार्ड पर मल्टि ट्रैकिंग तथा कनेक्टिवीटी कार्य। अनुमानित मूल्य: **रु.90564641.70 पूधग्ना: रु.602800.00**

टेंडर आयडी 45 सेक्शन डिप्युटी सीई/जीएस/जीएनटी
कार्य विवरण: बिल्डिंग्स पोर्शन-8.20किमी के लिए जीएनटी यार्ड पर मल्टि ट्रैकिंग तथा कनेक्टिवीटी कार्य। अनुमानित **मूल्य: रु.294686093.50 पूधग्ना: रु.1623400.00**

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय: 10.07.2023 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरणार्थ कृपया वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।
किसी भी और संचार जानकारी / शुद्धिपत्रों को केवल ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in व्दारा ही सूचित किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं.01-डिप्युटी सीईटीई/सीएस-II/एससी/2023-24 दि.16-06-2023

PUB/0662

कृते भारत के राष्ट्रपति के लिए व की ओर से, उप मुख्य सिग्नल एंड दूर संचार अभियंता(निर्माण-II), दमरे, सिकंदराबाद व्दारा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निम्न कार्य हेतु दि. 10.07.2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदा(खुली) आमंत्रित हैं।

टेंडर नं. सं.सी-एसजी-सी-36-5-191-2023 कार्य विवरण: दमरे के सिकंदराबाद डिवीजन के चेर्लापल्ली स्टेशन पर सेटलाइट टर्मिनल फैसिलीटी के विकास सहित तत्संबंधित चेर्लापल्ली स्टेशन एंड स्टेशन बिल्डिंग पर इंटिग्रेटेड पैसेंजर इनफर्मेशन सिस्टम एंड नेटवर्किंग एंड सर्वेलेंस डिजीटल मानिटरिंग सिस्टम की व्यवस्था का प्रावधान। अनुमानित मूल्य: रु.15,30,35,593/- बोली सुरक्षा राशि: रु.9,15,200/- पूरा करने की अवधि: 06 महिने

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट:https://ireps.gov.in पर लाग आन करें।
बोली सुरक्षा राशि को, ई-पेमेंट गेटवे व्दारा जमा किया जाना चाहिए या भारत के शेड्युल्ड कमर्शियल बैंक व्दारा जारी बैंक गारंटी बांड के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
निविदाकर्ता व्दारा अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान, निविदा बंद होने के पंद्रह दिन पहले, प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
निविदादातागण, किसी भी शुद्धिपत्रों(केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभ की तिथितक ही अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता(निर्माण-II) सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.02/डिप्युटी सीई/सी-1/एससी/2023-24 दि.17/06/2023

PUB/0663

कृते भारत के राष्ट्रपति के लिए व की ओर से, उप मुख्य सिग्नल एंड दूर संचार अभियंता(निर्माण-I), दमरे, सिकंदराबाद व्दारा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निम्न कार्य हेतु दि. 10.07.2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदा(खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा सं. सं.सी-एसजी-सी-36-5-194-2023, कार्य विवरण: (i) केजेडजे -बीपीक्यू सेक्शन में तृतीय लाइन कार्य से जुडे माणिकगढ(एमएजीएच)-बल्लारशाह(बीपीक्यू) के बीच थर्ड लाइन सहित आउटडोर सिग्नलिंग एवं दूर संचार कार्य। (ii) दमरे के सिकंदराबाद डिवीजन के केजेजेड-बीपीक्यू सेक्शन में तृतीय लाइन कार्य सहित मंदमरी(एमएमजेड)-बेलमपल्ली(बीपीए)-रेचनी रोड(आरइसीएच) तथा आसिफाबाद रोड(एएसएएफ)- सिरपुर कागजनगर(एसकेजेडआर) के मध्य ट्रेंचिंग कार्य, एचडीपीइ डक्ट एंड केबुल्स बिछाना, ब्लोइंग, बैक फिल्लिंग, जायंटिंग प्लाइसिंग तथा 6 क्वैड केबुल्स का टरमिनेशन, ओएफसी व इंडोर टेलिकाम इक्वीपमेंट्स का स्थापना या इंस्टालेशन कार्य। (iii) जारी तृतीय लाईन कार्यो सहित मंदमरी(एमएमजेड)-बलारशाह(बीपीक्यू) सेक्शन में सिग्नलिग तथा दूर संचार से जुडा छिटपुट कार्य। अनुमानित मूल्य:रू. 9,02,54,,954.39 पैसे, बोली सुरक्षा राशि रु. 6,01,300.00 पूरा करने की अवधि: 12 महिने

1)बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट:https://ireps.gov.in पर लाग आन करें।
2) बोली सुरक्षा राशि को, ई-पेमेंट गेटवे व्दारा जमा किया जाना चाहिए या भारत के शेड्युल्ड कमर्शियल बैंक व्दारा जारी बैंक गारंटी बांड के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
3)निविदाकर्ता व्दारा अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान, निविदा बंद होने के पंद्रह दिन पहले, प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
4) निविदादातागण, किसी भी शुद्धिपत्रों(केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभ की तिथितक ही अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता(निर्माण-I) सिकंदराबाद

बीसी हक्कुला पोराटा समिति ने समय सीमा न बढ़ाने के सरकार के फैसले की निंदा की

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी हक्कुला पोराटा समिति के प्रदेश अध्यक्ष वेंकट रामुलु ने आज बीसी समुदाय ऋण के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि नहीं बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की। उन्होंने राज्य के बीसी कल्याण मंत्री गांगुला कमलाकर द्वारा दिए गए बयान को क्रूर करार दिया कि वे ऋण के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि नहीं बढ़ा सकते हैं और कहा कि यह घोषणा राज्य के बीसी के साथ अन्याय करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक बयान में, उन्होंने कहा कि यह और भी हास्यास्पद है कि पात्र बीसी को आय और जाति प्रमाण पत्र जारी करने में देरी हुई। उन्होंने दावा किया कि मी सेवा केंद्रों पर बीसी को एक साथ घंटों इंतजार कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार, जो अपने नौ साल के लंबे शासन में ऋण योजना को लागू नहीं कर सकी, अब उन्हें ऋण मंजूर करने के वादे के साथ लुभा रही है और कहा कि यह और भी क्रूर है कि ऋण योजना को केवल 15 ईसा पूर्व समुदायों तक बढ़ाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार केवल कुछ बीसी समुदायों के लिए योजना का विस्तार करने और आनंद को समाप्त करने की योजना बना रही है।

खुली ई-निविदा सूचना सं.डिप्युटी सीई/सीपीओएच/आरवायपी/2023/06 दि.17/06/2023/

PUB/0664

कृते भारत के राष्ट्रपति के लिए व की ओर से, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्य हेतु दि. 10.07.2023 के 15.00 बजे तक हरेक उल्लेखित तिथिनुसार ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. ई-06 झोन-सीपीओएच-आरवायपी-2023 कार्य विवरण: रायनपाडू: -दि.1.7.2023 से 30.6.2024 तक की अवधि के लिए डिप्युटी सीपीओच/आरवायपी में सर्विस बिल्डिंग्स, वाटर टैंक्स तथा सडकों से संबंधित समस्त कार्य। पूरा करने की अवधि: 12(बारह) महिने(30/06/2024 तक) निविदा मूल्य:-रु.18,00,000/-, पूधरा: रु.36,000/- बंद तिथि: 10/07/2023

भावी निविदादाताओं से अनुरोध है कि, तत्संबंधित किसी भी निविदा के किसी भी बदलावों/शुद्धिपत्रों की जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य अभियंता/टीएम/सीपीओएच रायनपाडू

ई-निविदा आमंत्रण से जुडी निविदा सूचना सं. बी/एसजी/सीएन एसएंडटी/जीएनटी/5/2023-24, दि.19/06/2023 (ireps.gov.in व्दारा)

PUB/0665

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सिग्नल एवं दूर संचार (निर्माण), दमरे, जीएनटी, विजयवाडा व्दारा निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा/निविदा की एकल पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदा आमंत्रित हैं।

निविदा सूचना सं. बी/एसजी/सीएन एसएंडटी/जीएनटी/5/2023-24, दि.19/06/2023 कार्य विवरण: दमरे के केएल-केजेजेड सेक्शन के बीच ट्रैक ट्रिपलिंग सहित येर्रुपालेम(वायपी)-पंडिलापल्ली(पीएनडीपी) सेक्शन- 50 किमी के बीच तत्संबंधित कार्य जैसे ट्रेंचिंग, एचडीपीइ डक्ट व केबुल्स को बिछाना,ब्लोइंग, बैक फिल्लिंग. जायंटिंग, स्पलाइसिंग एवं 6 क्वैड केबुल, ओफसी की टर्मिनेशन एवं इंडोर टेलिकाम इक्वीपमेंट्स की स्थापना या इंस्टालेशन कार्य। निविदा मूल्य:रु. 6,81,21,233.60 पैसे, पूरा करने की अवधि- 09 महिने, बंद करने की तिथि व समय: 11.07.2023 के 15.00 बजे

1)बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट:https://ireps.gov.in पर लाग आन करें।
2)निविदाकर्ता व्दारा अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान, निविदा बंद होने के पंद्रह दिन पहले, प्रस्तुत किया जाना चाहिए।
3) निविदादातागण, किसी भी शुद्धिपत्रों(केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभ की तिथितक ही अवलोकन कर सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता(निर्माण) जीएनटी, विजयवाडा

A0929

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सीएम केसीआर सबसे बड़ी टू- बीएचके कॉलोनी का उद्घाटन करेंगे

कल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की नींव भी रखेंगे

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव गुरुवार को संगारेड्डी जिले के पठानचेरु निर्वाचन क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। अपने दौरे के हिस्से के रूप में, मुख्यमंत्री रामचंद्रपुरम मंडल के कोल्लुरु में राज्य सरकार द्वारा निर्मित सबसे बड़ी 2-बीएचके कॉलोनी का उद्घाटन करेंगे। सरकार ने 140 एकड़ जमीन पर 15,600 घर बनाए हैं। उद्घाटन को चिह्नित करने के लिए, मुख्यमंत्री इस अवसर पर 2-बीएचके घरों को कुछ लाभार्थियों को सौंपेंगे। वह बाद में तेलंगाना के इन हिस्सों में उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाए जा रहे पाटनचेरु शहर में एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण की नींव रखेंगे। अस्पताल का निर्माण 184 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। वह पठाननचेरु शहर में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री, जो पाटनचेरु शहर में 150 फीट ऊंचे फ्लैगपोस्ट पर स्थापित राष्ट्रीय ध्वज भी फहराएंगे, पठानचेरु में आरएंडबी गेस्ट हाउस का भी उद्घाटन करेंगे।

CLASSIFIEDS

LOSS OF PASSPORT

I, Sophia Kumar D/o.Sangeet Kumar R/o F.No. 105, Kubera Tower, Trimulgherry Secbad T.S. While I was Travelling by bike from Trimulgherry to Ratnadeep mart I Lost my Passport No. T9317195. If Found Cont :- 9391283847.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

विपक्षी नेताओं के बहकावे में न आएं: केटीआर

राजन्ना सिरसिल्ला, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने लोगों से विपक्षी नेताओं द्वारा किए गए झूठे वादों के जाल में न फंसने का आग्रह किया और कहा कि लोगों को खुद को आंकना चाहिए कि तेलंगाना राज्य की सरकारें किस कार्यकाल में विकसित किया गया। मंगलवार को राजन्ना सिरसिल्ला जिले के येल्लारेड्डीपेट में 8.5 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित शिक्षा परिसर के उद्घाटन के बाद बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि पिछले 57 वर्षों के दौरान तेलंगाना क्षेत्र सहित सभी क्षेत्रों में उपेक्षित रहा है। शिक्षा, बिजली और सिंचाई और लोगों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के बाद से मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना का योजनाबद्ध तरीके से विकास किया गया है और बीआरएस सरकार ने बिजली, सिंचाई और पेयजल आपूर्ति की समस्याओं को दूर किया है।

केटीआर ने राज्य सरकार के खिलाफ निराधार टिप्पणी करने के लिए भाजपा सांसद बंदी संजय की भी आलोचना की और उन्हें केंद्र में भाजपा सरकार से धन लाने के बाद तेलंगाना के लोगों के बारे में बोलने के लिए कहा। यह कहते हुए कि सिरसीला जिला सभी मोर्चों पर नंबर एक स्थान पर है, मंत्री ने कहा कि जिले भर के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे में भारी सुधार हुआ है और सरकारी स्कूलों में छात्रों के नामांकन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

नगरद्वय में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की निकाली गई भव्य रथ यात्रा

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नगरद्वय में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा निकली गई। भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा इस्कॉन, कुक्कटपल्ली (अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ) द्वारा भव्यता से निकाई गई। इसके अलावा जगन्नाथ मंदिर, जनरल बाजार, सिकंदरबाद, हिन्दू सेवा संघ द्वारा फतेहनगर ग्राम पंचायत आफिस से रथ यात्रा निकाली गई। इन रथ यात्राओं में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस्कॉन, कुक्कटपल्ली मंदिर के अध्यक्ष श्रीमान महाश्रृंग दास की मागदर्शन में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा मंगलवार को माता के मंदिर, हैदराबाद निजामपेट से शुरू हुई।

यह रथ यात्रा जेएनटीयू विवेकानगर, मेट्रो शापिंल माल आदि होते हुए कुक्कटपल्ली पहुंची। रथयात्रा में काफी संख्या में शामिल महिला और पुरूषों ने जमकर पारंपरिक नृत्य किया। रथ यात्रा के दौरान लोग पूरी तरह से भक्ति भाव में डूबे हुए थे। रथ यात्रा में एमएलए अर्कपुणी गांधी, अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष व चेयरमैन रथयात्रा कमेटी अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष अग्रवाल समाज दिलीप कुमार पंसारी, जनरल सेक्रेटरी अग्रवाल कपूरचंद गुप्ता, राकेश अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, सत्यनारायण सोमानी, डॉ. अंकित माता, सुरेश अग्रवाल आदि ने भाग लिया। गौरतलब है कि विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा का हिंदू धर्म में बहुत ही अधिक महत्व है। इस यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि, भगवान अपने गर्भ गृह से निकलकर प्रजा का हाल जानने निकलते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इस जो भक्त इस रथ यात्रा में हिस्सा लेकर भगवान के रथ को खींचते है उनके तमाम दुख, दर्द और कष्ट खत्म हो जाते हैं। साथ ही उन्हें सौ यज्ञ करने के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ जी के मंदिर को धरती का बैकुंठ स्वरूप माना जाता है।

केंद्रीय हिंदी संस्थान निदेशक ने की कई विश्वविद्यालय के कुलपतियों व हिंदी विद्वानों से मुलाकात

हैदराबाद में हिंदी की सार्थक प्रगति पर किया विचार-विमर्श

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान के नवनियुक्त निदेशक प्रो.सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने अपने हैदराबाद दौरे के दौरान कई विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व प्रबुद्ध हिंदी प्रेमियों से मुलाकात कर दक्षिण में हिंदी की दशा और दिशा पर बातचीत की। केंद्रीय हिंदी संस्थान के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय में 460वें नवीकरण पाठ्यक्रम के उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक के साथ हैदराबाद के विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थाओं एवं हिंदी प्रेमियों के साथ स्नेह मिलन/सार्थक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रो. ऋषभदेव शर्मा द्वारा लिखित चुनी हुई 51 कविताएँ तथा प्रो. गोपाल शर्मा की पुस्तकों का विमोचन किया गया। तत्पश्चात हैदराबाद के विभिन्न विद्वानों, साहित्यकारों, अतिथियों, अध्यापकों, शोधार्थियों एवं कई विश्वविद्यालयों के अधिकारियों एवं हिंदी विभागाध्यक्षों से मुलाकात हुई

तथा हैदराबाद के विभिन्न विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद, सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, भारत हैदराबाद, युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच, हिंदी है हम, कादम्बिनी क्लब, तेलंगाना हिंदी साहित्य भारती एवं कई विद्वानों ने प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी का सम्मान किया। स्नेह मिलन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन करते हुए प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने केंद्रीय हिंदी संस्थान का संक्षिप्त परिचय देते हुए संस्थान की गतिविधियाँ, परियोजनाएँ, पुरस्कार तथा विदेशों में इस संस्था का तीसरा केंद्र निकट भविष्य में मॉस्को एवं भारत के कई हिंदीतर राज्यों में नए केंद्र खोलने की बात कही। इसके साथ-साथ संस्थान के आगामी नई योजनाओं पर विस्तृत रूप से परिचर्चा की। केंद्रीय हिंदी संस्थान के हिंदी के प्रचार-प्रसार के विकास के परियोजनाओं पर चर्चा करते हुए केंद्रीय हिंदी संस्थान की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। हैदराबाद के विद्वानों द्वारा केंद्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक का सम्मान किया गया। सार्थक संवाद कार्यक्रम के उपरांत निदेशक महोदय अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति प्रो. डॉ. ई. सुरेश कुमार से मुलाकात की। निदेशक, प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने केंद्रीय हिंदी संस्थान का परिचय बताते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के विकास के लिए कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कुलपति एवं निदेशक ने निकट भविष्य में हिंदी के एक्सचेंज कार्यक्रमों पर सकारात्मक रूप से भविष्य में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर समझौता करने पर गहन चर्चा की। इस स्नेह मिलन कार्यक्रम में डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र और प्रो. शामराव राठोड उपस्थित थे।

अवैध आइसक्रीम व कुल्फी बनाने वाली इकाई पर छापा

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक गुप्त सूचना के आधार पर, एसओटी एलबी नगर टीम ने हयातनगर थाने की सीमा के तहत प्लॉट नंबर 40, आरटीसी सुपरवाइजर कॉलोनी में जय शिव शक्ति आइसक्रीम पार्लर नामक एक अवैध आइसक्रीम और कुल्फी निर्माण इकाई पर छापा मारा। विभिन्न ब्रांडों पर बिना किसी वैध लाइसेंस के चल रहा है। आरोपी की पहचान आरटीसी कॉलोनी, हयातनगर निवासी 31 वर्षीय जमना लाल जाट और मूल निवासी राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने 100 किलो कस्टर्ड पाउडर, 120 किलो आइसक्रीम जैली, 60 किलो टूटी-फूटी, 90 किलो नारियल पाउडर, गुलकंद 10 किलो, बटर स्कॉच नट्स 6 किलो, बटर स्कॉच क्रश पल्पी 4 किलो, रोज सिरप 250 मिली, डेट स्टैम्पर एक, नाम स्टैम्पर एक, खाली कोन कप 1000 पीस, खाली चोकोबार रैपर 500 पीसी, खुला खलकंद 50 किग्रा बरामद किया है।

सूचना आयुक्त नियुक्त करें: एफजीजी सचिव

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस के सचिव एम. पद्मनाभ रेड्डी ने आज कहा कि तेलंगाना राज्य सूचना आयोग 25 फरवरी, 2023 से निष्क्रिय है।

उन्होंने कहा कि फोरम फॉर गुड गवर्नेंस ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक जनहित याचिका दायर की (आईसी)। एक बयान में, उन्होंने कहा कि 25 फरवरी, 2023 तक आयोग में 9200 अपीलें लंबित थीं और कहा कि आयोग में हर महीने 650 अपीलें दायर की जा रही थीं। उन्होंने कहा कि उनकी प्रार्थना सी.आई.सी. और आई.सी. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दायर काउंटर बल्कि मनोरंजक था। उन्होंने कहा कि सरकार कह रही है कि सूचना आयोग के कार्यालय में कर्मचारी काम कर रहे हैं और जवाबी हलफनामे में इस बात पर चुप्पी है कि आयुक्तों के बिना कार्यालय के कर्मचारी क्या करेंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रपत्र 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/0672

एतद्वारा दक्षिण मध्य रेलवे के निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि, 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को, खंड के निर्दिष्ट तिथि या इसके बाद उर्जित (एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ही ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन को निरंतर लाइव सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेडलाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शन: एससी डिवीजन के काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन के माणिकगढ स्टेशन पर आयरन ओर साइडिंग बनाने के लिए 801 मीटर्स युक्त विस्तारित शंटींग नेक के विद्युतीकरण का प्रावधान। ओएचइ मास्ट लोकेशन सं.-एमएजीएच/1021(किमी/सीएच 140/385.05) से लोकेशन: एमएजीएच/1051(किमी/सीएच 139/602.05).

ऊर्जाकरण की प्रस्तावित तिथि: 24-06-2023
वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

A0947

केजीएमयू में एचसीवी दवाओं का स्टॉक खत्म मरीज परेशान

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में दवाओं का स्टॉक खत्म होने से यहां आने वाले हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) से पीड़ित मरीज वापस लौटने को मजबूर हैं और खुले बाजार से लगभग 8,000-10,000 रुपये की कीमत पर दवाएं खरीद रहे हैं। लिवर सिरोसिस के एडवांस स्टेज में मरीजों को उनके इलाज के लिए दो जरुरी दवाओं की आवश्यकता होती है। वर्तमान में, लगभग 200-250 एचसीवी मरीजों का केजीएमयू में इलाज चल रहा है और इतनी ही संख्या में नए मरीज यहां हर महीने पंजीकृत होते हैं। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत केंद्र से दवाएं मिलती हैं, लेकिन मौजूदा स्टॉक केवल पुराने मरीजों के लिए ही है। अधिकारियों ने बताया कि नया स्टॉक 30 दिन पहले आने की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केजीएमयू के अधिकारियों ने दवा के स्टॉक को फिर से भरने की तत्काल आवश्यकता को संबोधित करते हुए एनएचएम को एक अनुरोध पत्र सौंपा है। केजीएमयू में एचसीवी के लिए उपचार का एक विशिष्ट कोर्स तीन महीने तक चलता है,

जो नए मरीजों के लिए इलाज शुरू करने के लिए दवा के समय पर आगमन के महत्व पर जोर देता है। केजीएमयू में हेपेटाइटिस कंट्रोल कैंपेन के नोडल अधिकारी प्रोफेसर सुमित रूंगटा ने बताया कि मौजूदा और नए हेपेटाइटिस सी मरीजों की मांगों को पूरा करने के लिए दवा का मौजूदा स्टॉक अपर्याप्त है। हम केवल पंजीकृत मरीजों को दवा वितरित कर रहे हैं, ताकि उनके इलाज में रुकावट न आए। संपर्क करने पर, राज्य हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी विकासेंदु अग्रवाल ने कहाः केंद्र सरकार से मांग की गई है और एक या दो दिन में मध्य प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात और पश्चिम बंगाल से नया स्टॉक आने की संभावना है।

यूपी में बदलते रजनीतिक हालात पर नजर

मायावती ने 2024 चुनाव के लिए लखनऊ में किया बैठक का ऐलान

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। साल के अंत तक पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है। वहीं अगले साल की शुरुआत में देश में लोकसभा चुनाव होने हैं। वहीं विपक्षी दल एकजुट होकर एनडीए को सत्ता से बाहर करने के लिए प्लान बना रहे हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा सांसद चुन कर भेजने वाले सूबे उत्तर प्रदेश में सियासी पारा हाई होना स्वभाविक है। लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती 21 जून को लखनऊ में बड़ी बैठक करने जा रही है। इसकी जानकारी खुद बसपा सुप्रीमो ने ट्वीट कर दी है। बता दें कि बसपा की ये बैठक 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी एकता की बैठक से पहले हो रही है।

मायावती ने किया ये ऐलान

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कहा कि, ' उत्तर प्रदेश व देश में तेज़ी से बदल रहे राजनीतिक हालात, उससे सम्बंधित ख़ास घटनाक्रमों एवं समीकरणों के साथ ही आगामी लोकसभा आम चुनाव की तैयारी आदि को लेकर बीएसपी यूपी स्टेट, सभी मण्डल तथा सभी ज़िला स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्त्वपूर्ण रणनीतिक बैठक बुधवार को लखनऊ में बुलाया गया है।'

विपक्षी एकता से मायावती की दूरी

बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 जून को पटना में विपक्षी पार्टियों की बड़ी बैठक आयोजित की है। इस बैठक में अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और तेलंगाना सीएम के। चंद्रशेखर राव समेत विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। नीतीश कुमार की कोशिश है कि कांग्रेस के बिना कोई गठबंधन न तैयार हो। हालांकि मायावती ने विपक्षी एकता को लेकर बैठक से दूरी बनाने के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

नये समीकरण की तरफ अखिलेश

वहीं समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने हाल ही में एक नए समीकरण के तरफ इशारा किया है। सपा प्रमुख ने हाल ही में कई मंचों पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को अगले साल के आम चुनावों में 'पीडीए' से हराया जाएगा, जिसे उन्होंने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक के रूप में परिभाषित किया। इसके साथ ही उन्होंने यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों पर बीजेपी को हराने का प्लान भी बताया और कहा कि अगर बड़े राष्ट्रीय दलों ने हमें समर्थन दिया तो सभी 80 लोकसभा सीटों पर बीजेपी हार जाएगी।

मुस्लिम कट्टरपंथियों के निशाने पर पूर्व सपा नेता रुबीना खानम को मिल रहीं धमकियां

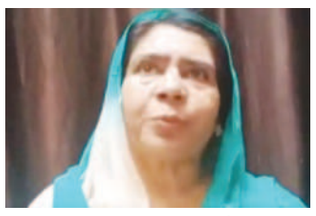

अलीगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। ज्ञानवापी प्रकरण में मंदिर के समर्थन में बयान देकर चर्चा में आईं समाजसेवी रुबीना खानम अब मुस्लिम कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। उनका आरोप है कि उन्हें व उनके परिजनों को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उनके निवास स्थान की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। हालांकि, पिछले दिनों खतरे को देखते हुए राज्य महिला आयोग की तरफ से जिला प्रशासन को उन्हें पुलिस सुरक्षा देने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद अभी तक सुरक्षा नहीं दी गई है। इस वजह से कट्टरपंथी मुसलमानों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने बताया कि वह भाजपा समर्थित राष्ट्रवाद और देश हित की बात कर रही हैं और करती रहेंगी।

राम मंदिर निर्माण के लिए लिए भक्तों ने खोला खजाना

सौ करोड़ रुपये का दिया दान

अयोध्या, 20 जून (एजेंसियां)। प्रभु राम के जन्म स्थान पर निर्मित हो रहे भव्य मंदिर के लिए भक्तों ने खजाना खोल दिया है। भक्तों का समर्पण नित्य प्रति अलग-अलग तरीके से व्यक्त हो रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को वर्ष भर में लगभग सौ करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे हैं। इसमें दान के साथ ही ट्रस्ट के खाते में जमा धनराशि पर मिलने वाला ब्याज भी शामिल है। ट्रस्ट के आय-व्यय से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि मंदिर निर्माण प्रारंभ होने से पहले राष्ट्रव्यापी निधि समर्पण अभियान चला था। इसकी समाप्ति के बाद भक्त स्वतःस्फूर्त ढंग से मंदिर के लिए धनराशि अर्पित कर रहे हैं। दान स्वरूप नियमित रूप से मासिक पांच करोड़ रुपये मिल रहे हैं। इसमें मंदिर के दानपात्र में अर्पित हो रही राशि, चेकों से मिली राशि व ट्रस्ट के खातों में आनलाइन आ रही धनराशि शामिल है। इस तरह 60 करोड़ रुपये वार्षिक दान में मिल रहे हैं। निधि समर्पण अभियान में मिली धनराशि पर बैंक वर्ष में 48 करोड़ रुपये ब्याज दे रहे हैं। गत दो वर्षों से ट्रस्ट को सौ करोड़ रुपये से अधिक धनराशि मिल रही है। सूत्रों का कहना है कि यह धनराशि आगे और भी अधिक होगी। मंदिर निर्माण के लिए चले निधि समर्पण अभियान में लगभग 33 सौ करोड मिले थे, जिसे पीएनबी, एसबीआइ व बाब में जमा किया गया है। ट्रस्ट ने इसका बेहतरीन फंड मैनेजमेंट किया है, जिससे इस धनराशि पर अधिक से अधिक ब्याज मिल सके। छोटे, छोटे टुकड़ों में इसकी एफडी तक की गई।

मंदिर निर्माण में 18 सौ करोड़ के खर्च का अनुमान

अयोध्या के राम मंदिर निर्माण में कुल 18 सौ करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अब तक मंदिर के भूतल पर तकरीबन छह सौ करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। प्रथम व द्वितीय तल पर एक हजार करोड़ के खर्च का अनुमान है। हालांकि मंदिर पर खर्च के आगणन की धनराशि बढ़ने की भी संभावना है।

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने पर वरुण गांधी बोले

अकारण आलोचना नकारात्मकता

गोरखपुर, 20 जून (एजेंसियां)। वर्ष 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार गीता प्रेस गोरखपुर को प्रदान किया जाएगा। गीता प्रेस को यह पुरस्कार 'अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान' के लिए दिया जाएगा। गीता प्रेस को पुरस्कार दिए जाने पर पीलीभीत से बीजेपी के सांसद वरुण गांधी की प्रतिक्रिया आई है। बीजेपी सांसद ने कहा, एक दूसरे की आस्था का परस्पर सम्मान ही एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की पहचान है। गीताप्रेस सिर्फ एक प्रकाशक नहीं, एक संपूर्ण आंदोलन है। जिसने गरीब से गरीब परिवार को उनके धर्म से उच्चस्तरीय भाषा में लिखी त्रुटिहीन पुस्तकों के माध्यम से जोड़ा। अकारण आलोचना नकारात्मकता का आधार बनती है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी

बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली जूरी ने सर्वसम्मति से गीता प्रेस, गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार के लिए चुनने का फैसला किया।

योगदान के लिए किया जाता है याद

बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने शांति एवं सामाजिक सद्भाव के गांधीवादी आदर्शों को बढ़ावा देने में गीता प्रेस के योगदान को याद किया। बयान में कहा गया है कि मोदी ने कहा कि गीता प्रेस को उसकी स्थापना के सौ साल पूरे होने पर गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाना संस्थान द्वारा सामुदायिक सेवा में किए गए कार्यों की पहचान है। गीता प्रेस की शुरुआत वर्ष 1923 में हुई थी और यह दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशकों में से एक है, जिसने 14 भाषाओं में 41.7 करोड़ पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें श्रीमद्भगवद्गीता की 16.21 करोड़ प्रतियां शामिल हैं। गांधी शांति पुरस्कार एक वार्षिक पुरस्कार है, जिसकी शुरूआत सरकार ने 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के अवसर पर गांधी द्वारा प्रतिपादित आदर्शों को सम्मान देते हुए की थी। मंत्रालय ने कहा कि पुरस्कार किसी भी व्यक्ति को दिया जा सकता है चाहे उसकी राष्ट्रीयता, नस्ल, भाषा, जाति, पंथ या लिंग कोई भी हो।

आरजेडी नेता पप्पू हत्याकांड में चश्मदीद गवाह पर जानलेवा हमला बदमाशों ने मारी 3 गोली

सासाराम, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास में आरजेडी नेता पप्पू हत्याकांड के गवाह पर जानलेवा हमला हुआ है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि इन्द्रपुरी इलाके के रहने वाले फकीरा सिंह अपनी दुकान बंद कर जैसे ही घर के लिए निकलकर सड़क पार कर रहा था, तभी घात लगाए बाइक सवार अपराधियों ने उस पर फायरिंग शुरू कर दी। उसे तीन गोली लगी है। वहीं गोली मारने के बाद बदमाश मौके से हथियार लहराते फरार हो गए।

रेलवे स्टेशन पर फैली लाश की दुर्गंध से यात्री परेशान, 4 दिनों से सड़ रही डेड बॉडी

वैशाली, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के हाजीपुर रेलवे स्टेशन पर एक शव से फैली दुर्गंध से यात्री और रेलकर्मी सभी परेशान हैं। दरअसल बीते 17 जून को यहां पानी की तलाश में उतरे एक रेल यात्री की मौत गई थी। पहचान नहीं होने से लाश को शव गृह में रखा गया था। शव की पहचान आज तक नहीं हो सकी। अब 4 दिन बाद शव गृह में रखे डेड बॉडी से इतनी दुर्गंध आ रही है कि यहां से आने जाने वाले लोग काफी परेशान हैं।

क्या सेंसरबोर्ड बन गया है धृतराष्ट्र

फिल्म आदिपुरुष को लेकर अखिलेश और शिवपाल ने उठाए सवाल

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फिल्म आदिपुरुष को लेकर सेंसर बोर्ड पर तल्ख टिप्पणी की है। उन्होंने ट्वीट किया। जो राजनीतिक आकाओं के पैसों से, एजेंडेवाली मनमानी फिल्में बनाकर लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनकी फिल्मों को सेंसरबोर्ड का प्रमाणपत्र देने से पहले, उनके 'राजनीतिक-चरित्र' का प्रमाणपत्र देखना चाहिए। क्या सेंसरबोर्ड धृतराष्ट्र बन गया है? सपा मुखिया ने आगे कहा कि। उत्तर प्रदेश में धार्मिक भावनाएं आहत होने पर जगह-जगह लेखक-निर्देशक व निर्माता के खिलाफ प्रदर्शन व विरोध हो रहे हैं। ऐसी फिल्में भारतीय संस्कृति का जो अपमान कर रही हैं, वो भारतीय समाज सहन नहीं करेगा। भाजपाई राजनीति प्राचीन धर्म व मान्यताओं को अपने फिल्मी प्रवक्ताओं से दूर ही रखे।

शिवपाल सिंह यादव ने किया ट्वीट

वहीं, सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने ट्वीट किया। सस्ते व सतही संवाद वाले सिनेमा के जरिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व उनकी कथा के विराट व प्रेरक चरित्रों को संकुचित करने का प्रयास किया जा रहा है। करोड़ों आस्थावान सनातनी आहत हैं, इस कृत्य के लिए तथाकथित सनातनी भाजपाई देश से माफी मांगे। ये काम ना करो, राम का नाम बदनाम ना करो!

लखनऊ में गर्मी से पिघली रेल की पटरी, जांच में जुटे रेलवे के तीन इंजीनियर

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। लखनऊ में निगोहां रेलवे स्टेशन पर प्रचंड गर्मी में रेल की पटरी पिघल गई थी और इसी पटरी से कम स्पीड में नीलांचल एक्सप्रेस गुजर गई थी। यहां पर बड़ा हादसा हो सकता था लेकिन लोको पायलट की सूझबूझ से ट्रेन को नियंत्रित कर लिया गया। अब इस मामले की जांच के लिए रेलवे प्रशासन की तरफ से तीन इंजीनियरों की टीम का गठन किया गया है। तीनों इंजीनियर ट्रैक से ट्रेन गुजरने की जांच कर रहे हैं। बुधवार तक इसकी रिपोर्ट सामने आ जाएगी कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है और असल वजह क्या थी। सोमवार को इंजीनियरों की टीम ने पटरियों को जांचने के बाद स्टेशन मास्टर से पूछताछ की। टीम अब नीलांचल एक्सप्रेस के लोको पायलट और गार्ड से पूछताछ करेंगी।

देश के पीएम कौन? नहीं बता पाया दूल्हा तो टूट गई शादी, बंदूक के दम पर छोटे भाई से हुई मैरिज

गाजीपुर, 20 जून (एजेंसियां)। एक युवक की शादी सिर्फ इसलिए टूट गई, क्योंकि वह देश के पीएम का नाम नहीं बता पाया। इसको लेकर दुल्हन के घरवालों ने उसे मंदबुद्धि करार दे दिया। इसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए दूल्हा का छोटा भाई भी आया था। दुल्हन के घरवालों ने उसे पकड़ लिया और उससे लड़की से शादी की बात कहने लगे। जब वह नहीं माना तो बंदूक की नोक पर दुल्हन से उसकी शादी करवा दी। यह हैरान करने वाला मामला उत्तर प्रदेश गाजीपुर के सैदपुर का है। दूल्हे का नाम शिवशंकर बताया जा रहा है। उसकी शादी बसंत पट्टी की रहने वाली रंजना से तय हुई थी। दोनों के घरवालों ने आपसी सहमति से ये शादी तय की थी। यहां तक कि तिलक समारोह छह महीने पहले ही हो चुका था। शादी की तारीख 11 जून को तय की गई थी। बताया जा रहा है कि शादी की तारीख तय होने के बाद युवक और युवती आपस में बात भी कर रहे थे।

बेटी की शादी को लेकर पिता लखेदू राम ने भी पूरी तैयारियां कर रखी थीं। घरवालों के साथ दूल्हा बारात लेकर बसंत पट्टी पहुंचा। सभी लोग खुश थे। बारातियों का जमकर स्वागत हुआ। पूरे रस्मों-रिवाज के साथ शिवशंकर का युवती से शादी भी हुई। सुबह में खिचड़ी की एक रस्म होती है। इसी दौरान सालियों ने दूल्हे शिवशंकर से देश के प्रधानमंत्री का नाम पूछ लिया। इस पर दूल्हा असहज हो गया। वह उनके सवाल का उत्तर नहीं दे पाया। इस पर दुल्हन के घरवालों ने उसे मानसिक कमजोर बताते हुए शादी को मानने से इनकार कर दिया। दूल्हे के पिता रामअवतार ने आरोप लगाया कि कथित रूप से बंदूक के दम पर शिवशंकर से शादी तोड़ छोटे भाई अनंत से शादी करा दी गई है। शादी के लिए उसकी उम्र भी अभी बहुत कम है। लेकिन, उन्होंने धमकी दी तो डर गए। शादी के बाद दुल्हन को घर लेकर आए।

लू का कहर! बलिया के बाद अब देवरिया, हीटवेव से 4 संदिग्ध मौत

देवरिया, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू से लोगों का हाल बुरा है। देवरिया जिले में भी हीटवेव का कहर देखने को मिल रहा है। जिले के महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में मरीजों की भीड़ उमड़ रही है। हीटवेव से 4 संदिग्ध मौत की खबर है। लेकिन, अस्पताल प्रशासन ने इसकी पुष्टि नहीं की है। वैसे 1 जून से 18 जून तक 133 लोगों की मौत हुई है। अस्पताल प्रशासन ने इन मौतों को 'ब्राड डेथ सस्पेक्टेड' श्रेणी में रखा है। अस्पताल के डॉ एच।के। मिश्रा के मुताबिक, इस साल 1 जून से चार हीट स्ट्रोक से संदेहात्मक मौत मानी गई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल आए मरीजों को बेहतर से बेहत इलाज मुहैया कराने की कोशिश की जा रही है। गंभीर मरीजों को अस्पताल की इमरजेंसी विभाग में भी भर्ती करना पड़ रहा है। यहां पर उनके लिए एक अलग से वार्ड बनाया गया है। ब्राड डेथ मरीज कौन होते हैं? इसको लेकर डॉक्टर ने बताया कि इनकी मौत अस्पताल आने से पहले ही हो गई थी। मृतक पहले से ही कई बीमारियों से पीड़ित थे

अस्पताल में दवाओं की कोई कमी नहीं : राजेश

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल राजेश कुमार बरनवाल ने कहा कि हीट वेव से एक भी पुष्ट मृत्यु नहीं दर्ज की गई है। बरनवाल ने लोगों से अपील की है कि हीट वेव से जुड़ी अफवाहों पर ध्यान न दें। अस्पताल में दवाओं की कोई कमी नहीं है। गर्मी को देखते हुए जब जरूरत पड़े तभी घरों से बाहर निकलने की कोशिश करें।

शवों का पोस्टमार्टम नहीं होने से मौत के वास्तविक कारणों का पता नहीं

अस्पताल के प्रिंसिपल डॉ राजेश कुमार बरनवाल, सीएमओ डॉ राजेश झा, सीएमएस डॉ एचके मिश्रा सहित प्रशासन के अफसरों ने एक संयुक्त प्रेसवार्ता की। राजेश कुमार के मुताबिक, 1 जून से 18 जून तक हीट स्ट्रोक के लक्षण वाले चार संदिग्ध मरीजों की मृत्यु दर्ज की गई है। लेकिन, इनके परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम करने की सहमति नहीं दी। इसलिए मौत के वास्तविक कारणों का पता नहीं लग सका।

लू को देखते हुए डॉक्टरों ने की अपील

राजेश कुमार ने बताया कि 18 जून को 18 और 17 जून को 30 मरीजों की मौत हुई है। वहीं, 16 जून को 09 और 15 जून को 12 लोगों की विभिन्न बीमारियों की वजह से जान चली गई। इनमें से सभी को कोई न कोई बीमारी थी। डॉक्टरों ने अपील की है कि लू को देखते हुए दोपहर 12 से शाम चार बजे तक बाहर निकलने को लेकर विशेष एहतियात बरतें। अगर बाहर निकल रहे हैं तो हल्के रंग के कपड़ों और छातों इस्तेमाल करें। हाल के दिनों में बलिया के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की हो रही लगातार मौतों ने काफी सूर्खियां बटोरी हैं।

लड़की को मरा समझकर पुलिस कराने जा रही थी पोस्टमॉर्टम फिर हुआ ये चमत्कार

मिर्जापुर, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने एक लड़की को मरा हुआ समझ पोस्टमार्टम के लिए भेजा पर वह जिंदा निकली। बता दें कि सोमवार को नहर में मिले जिस शव को पुलिस पोस्टमॉर्टम भेज कर पोस्टमार्टम करवाने की तैयारी कर रही थी। जब उसे अस्पताल ले जाया गया तो वह जिंदा निकली। बता दें कि मिर्जापुर के संतनगर थाना क्षेत्र के राह कलां हऊदवा ग़ांव में रविवार की शाम को सिरसी नहर में लड़की का शव उतराया हुआ। देख स्थानीय लोगो ने जिला पंचायत सदस्य मनीष को सूचना दिया। जिसकी सूचना मनीष ने पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची संतनगर पुलिस शव को पानी से शव को निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही थी।इस बीच शव की पहचान भोला पुत्री रवीना के रूप में हुई तो परिजनों को बुलाया गया। परिजन जब पहुंचे तो उन्होंने पुलिस से पोस्टमॉर्टम भेजने से पहले डॉक्टर को दिखाने के लिए अस्पताल ले जाने की जिद्द किया।

दो पक्षों के बीच मारपीट में 9 लोग घायल, गंभीर हालत में एक शख्स पटना रेफर

जमुई, 20 जून (एजेंसियां)। बिहार के जमुई में दो पक्षों के बीच मारपीट में 9 लोग घायल हुए हैं। चंद्रदीप थाना क्षेत्र के अलीगंज में सोमवार की शाम आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान दोनो तरफ से जमकर लाठी-डंडे चले। एक-दूसरे के खिलाफ तलवार बाजी भी शुरू होने लगी। इस मारपीट में एक पक्ष से 5 लोग तो दूसरे पक्ष से 4 लोग बुरी तरह से जख्मी हुए हैं।

कमर दर्द हो रहा मालिश कर दो' कौशांबी एसपी पर छेड़खानी का आरोप, डीजीपी ने दिए जांच के आदेश

कौशांबी, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी के एसपी ब्रजेश श्रीवास्तव पर एक महिला ने छेड़खानी का आरोप लगाया है। महिला के आरोपों पर एसपी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंनेकहा है कि महिला जो भी कह रही है, वह निराधार और बेबुनियाद है। इस बीच, डीजीपी की ओर से इस पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। जानकारी के मुताबिक, एसपी ने अपनी मां की देखरेख के लिए एक महिला फॉलोअर को रखा था। एसपी ने बताया कि चोरी करने पर महिला फॉलोवर को नौकरी से निकाल दिया था। इसलिए अब वह मुझपर ऐसे आरोप लगा रही है। महिला करारी थाना इलाके की रहने वाली बताई जा रही है। महिला ने एसपी पर शराब के नशे में छेड़खानी का आरोप लगाया है। महिला के अनुसार, एसपी ने उससे कहा कि किसी को ये बात बताओगी तो बुरा अंजाम भुगतना पड़ सकता है।

महिला ने क्या लगाए आरोप

इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें महिला आरोप लगाते हुए कह रही है कि जब वह (एसपी) मीटिंग से आए तो उससे मछली बनाने को कहा। इस दौरान वह शराब के नशे में थे। वह अपने कमरे में बार-बार उससे पानी लाने के लिए कह रहे थे। जब वह कमरे में पानी देकर जाने लगी तो एसपी बोले कि भाग कहा रही हो, आज मीटिंग में बैठे-बैठे कमर दर्द करने लगा है, तेल से मालिश कर दो।

मालिश कराने का लगाया आरोप

वीडियो में महिला कहती हुई दिखाई दे रही है कि एसपी की डिमांड पर वह बुरी तरह से घबरा गई। उसने कहा कि वह महिला है, कैसे उनका मालिश कर सकती है। महिला के अनुसार, इस पर एसपी ने कहा कि धीरे बोलो, चलो मालिश कर दो। अंत में मजबूरी में एसपी की मालिश करनी पड़ी। फिर कहने लगे कि मुझे तुम छूने का मौका दो। हमको तुम पर दिल आ गया है।

डीजीपी ने तीन सदस्यीय टीम का गठन कर जांच के दिए निर्देश

वहीं, सोशल मीडिया के जरिए जैसे ही यह बात सामने आई, डीजीपी ने तीन सदस्यीय टीम का गठन कर जांच का निर्देश दे दिया है।

गिरफ्तारी से पहले तक दी जा सकती है अग्रिम जमानत इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्वीकार की अर्जी

प्रयागराज, 20 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि आरोप पत्र दाखिल होने या कोर्ट के आरोप पत्र का संज्ञान लेने के आधार पर अग्रिम जमानत अर्जी खारिज नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी होने से पहले तक अग्रिम जमानत दी जा सकती है। न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव ने अलीगढ़ के डॉ. कार्तिकेय शर्मा व दो अन्य की अग्रिम जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के चार्जशीट दाखिल होने के कारण अग्रिम जमानत निरस्त करने के आदेश को सही नहीं माना और कहा कि कानूनी स्थिति को किसी भी तरह से तोड़-मरोड़ कर पेश करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। डा. कार्तिकेय शर्मा और उसके माता-पिता के खिलाफ उसकी पत्नी डा. पल्लवी शर्मा ने अलीगढ़ के क्वारसी थाने में दहेज उत्पीड़न के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ नहीं है कि जिससे ऐसा लगे कि याची ने जांच में सहयोग नहीं किया है।

एक फॉर्म में बाघ ने गाय पर किया हमला

मवेशियों के झुंड ने शिकार को बचाया

भोपाल, 20 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मवेशियों के एक फॉर्म के सीसीटीवी कैमरे में एक आश्चर्यजनक दृश्य कैद हुआ है। इसमें देखा जा सकता है कि गायों का एक झुंड एक बाघ को डरा रहा है। ये नजारा रविवार देर रात भोपाल के केरवा स्थित खेत में कैद हुआ। इसमें सबसे पहले बाघ एक गाय पर हमला करता है, फिर वहां मौजूद अन्य गाएं झुंड में बाघ की तरफ बढ़ती है, जिसके बाद बाघ को मजबूरन अपने शिकार को छोड़ना पड़ता है। बाघ लगभग तीन घंटे तक शिकार का इंतजार करता रहा, लेकिन फिर से हमला नहीं कर सका, क्योंकि झुंड घायल गाय के चारों ओर खड़ा था। घायल गाय का इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

2024 से पहले बीजेपी एक्टिव अपने सांसदों को भेजा फॉर्म

पूछा- अब तक कितना काम किया

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में अभी करीब सालभर का समय बचा हुआ है, लेकिन केंद्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी अभी से सक्रिय हो गई है और सांसदों का लेखा-जोखा तैयार करने में जुट गई है। बीजेपी ने अब सभी सांसदों को 2 पन्नों के नोट्स के साथ 3 फॉर्म भेजा है, जिसमें पूछा गया है कि महाजनसंपर्क अभियान के दौरान आपने कितना काम किया और कितने घरों तक पहुंच रही। इस फॉर्म को भरकर सांसदों को प्रदेश कार्यालय या फिर दिल्ली में संसदीय कार्यालय में जमा कराना होगा। सांसदों से इस फॉर्म के जरिए पूछा गया है कि महाजनसंपर्क अभियान में सांसद

कितने घरों तक पहुंचे और उन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में कितना काम किया है। साथ ही उन्हें आगे के टारगेट भी दिए गए हैं। इस रिपोर्ट की 2024 के आम चुनाव में टिकट बंटवारे में भी अहम भूमिका रहेगी।

100-100 मीडिया इन्फ्लुएंसर की लिस्ट मांगी

सांसदों को अपने-अपने लोकसभा क्षेत्र में 100-100 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की लिस्ट भी भेजनी है। इनका सम्मेलन कराना है। इसमें यह भी बताना है कि कितने इन्फ्लुएंसर बीजेपी के लिए अच्छा लिखते हैं, कितने खराब और कितने लोग तटस्थ रहते हैं। इसके अलावा सभी सांसदों को अपनी लोकसभा सीट में 1000 विशिष्ट लोगों की लिस्ट देनी होगी। इनमें पद्म पुरस्कार विजेता, खिलाड़ी, टीचर, डॉक्टर और शहीद परिवार के लोग शामिल हों। साथ ही उन्हें अपने क्षेत्र में 40 से 50 कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करनी है। हर एक कार्यकर्ता को रोजाना सुबह 20 और शाम को 20 यानी दिनभर में कम से कम 40 लोगों से संपर्क करना है। मोदी सरकार के 9 साल के कामों के बारे में बताकर उन्हें उसकी एक बुकलेट भी देनी है। सांसदों ने अपने इलाके में कितने सम्मेलन किए और उसमें अलग-अलग वर्गों की कितनी सहभागिता रही, यह भी फार्म में भरकर बताना है। खासतौर पर यह जानकारी भी देनी है कि लाभार्थी, व्यापारी और सामाजिक स्तर पर आयोजित सम्मेलनों में कितनी संख्या में लोग आए। बीजेपी के सांसदों को अब तक के अपने काम के बारे में बताने के अलावा उनके लिए आगे के टारगेट भी सेट किए गए हैं। पार्टी की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक, सभी सांसदों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर अपने-अपने क्षेत्र में 1000 से 2000 के बीच का कार्यक्रम करना है। कार्यक्रम की फोटो सरल ऐप पर डाउनलोड करनी होगी। पीएम नरेंद्र मोदी 27 जून को सभी बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद करने वाले हैं और इसके लिए सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारी करनी होगी।

स्टील फैक्ट्री में धमाके के बाद लगी आग एक की मौत; पांच घायल

पलक्कड़, 20 जून (एजेंसियां)। केरल की एक स्टील फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। आग में झुलसने के कारण एक शख्स की मौत हो गई है। इसके अलावा पांच लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। स्टील फैक्ट्री में आग की घटना पलक्कड़ जिले के कांझीकोड इंडस्ट्रियल इलाके की है। आग लगने की पुख्ता वजह का अभी पता नहीं चल सका है। हालांकि, बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में मौजूद एक भट्टी में धमाके के बाद आग लग गई। आग लगने के बाद फैक्ट्री में हड़कंप मच गया। इसकी जानकारी फौरन दमकल विभाग को दी गई। आग लगने की खबर मिलते ही वालायर थाना पुलिस भी पहुंच गई थी।

लुटेरी दुल्हन के साथ ही दो अन्य साथी चढ़े पुलिस के हत्थे

खरगोन, 20 जून (एजेंसियां)। जिले में दुल्हन बन कर ठगी करने वाली लुटेरी दुल्हन और उसके दो साथियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खरगोन कोर्ट में शादी करने पहुंचे दूल्हे और बारात को लुटेरी दुल्हन ने विवाह के पहले लाखों रुपये की चपत लगाई थी फिलहाल पुलिस लुटेरी दुल्हन गैंग से पूछताछ कर रही है। यह पूरा मामला जिल के मेनगांव थाना क्षेत्र कहा है। जानकारी के मुताबिक, 12 जून को खरगोन कोर्ट मे शादी करने पहुंचे दूल्हे और बारात को लुटेरी दुल्हन ने विवाह के पूर्व एक लाख 10 हजार की चपत लगाई थी। दूल्हा बारात लेकर न्यायालय पहुंच गया, लेकिन सराफे से सामान खरीदने के नाम पर खरगोन शहर से दो किलोमीटर पहले मेनगांव थाना क्षेत्र में एक लाख रुपये लेकर लुटेरी दुल्हन ममता और मुख्य आरोपी लंकेश और सुरेश फरार हो गये थे। जिसके बाद परेशान दूल्हा और बारात पुलिस थाने पहुंच गये थे।पुलिस ने धामनोद थाने के डोल निवासी दूल्हा रामेश्वर वानखेडे और बाराती राहुल जितेन्द्र की शिकायत पर धारा 420 सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस के मुताबिक लुटेरी दुल्हन मामता और मुख्य आरोपी लंकेश और सुरेश को मेनगांव थाने के अजावद गांव से किया गिरफ्तार किया। देर शाम पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। माननीय न्यायालय ने लुटेरी दुल्हन को एक दिन और दोनों आरोपी लंकेश और सुरेश को दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। पुलिस पूछताछ में लुटेरी दुल्हन गैंग से और भी कई बड़े खुलासे हो सकते है। पुलिस को आशंका है की इनका सम्पर्क किसी गिरोह से हो सकता है। पुलिस पूछताछ कर ही है।

अमेरिका में अवैध तरीके से दाखिल होना चाहता था गुजरात का दंपति

पाकिस्तानी एजेंट ने ईरान में बनाया बंधक, रिहाई के लिए मांग रहा पैसे

अहमदाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद शहर के नरोदा के रहने वाले एक दंपति ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की योजना बनाई थी लेकिन उसे ईरान में पाकिस्तान के एक एजेंट ने बंधक बना लिया है और उनकी रिहाई के लिए पैसे की मांग कर रहा है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) चैतन्य मांडलिक ने कहा कि इस संबंध में नरोदा इलाके के कृष्णानगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है और अहमदाबाद शहर की अपराध शाखा ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि चूंकि यह घटना देश के बाहर हुई है, इसलिए अपराध शाखा ईरान में भारतीय दूतावास से साथ संपर्क करेगी ताकि जोड़े की रिहाई सुनिश्चित की जा सके। मांडलिक ने बताया कि दोनों की पहचान पंकज पटेल और उनकी पत्नी निशा पटेल के तौर पर हुई है और दोनों की उम्र 29 साल है। जोड़े के परिवार द्वारा कृष्णनगर पुलिस के साथ साझा किए गए विवरण के अनुसार, दोनों अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करना चाहते थे और हैदराबाद के एक एजेंट के संपर्क में आए, जिसने उनके लिए हवाई टिकट की व्यवस्था की।

टायर फटने से बाइक को टक्कर मार पलट गई कार, 2 लोगों की दर्दनाक मौत

नासिक, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक हाईवे पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। कार का टायर फटने से उसकी टक्कर बाइक से हो गई। कार और बाइक की टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। नासिक-त्र्यंबकेश्वर हाईवे पर यह भीषण सड़क हादसा हुआ। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। होटल संस्कृति के सामने सोमवार रात करीब 8 बजे तेज रफ्तार में त्र्यंबकेश्वर से नासिक जा रही एक होंडा सिटी कार के टायर अचानक फट गए, जिससे कार पलट गई और दूसरी लेन से सामने आ रहे दो दोपहिया वाहनों में जा टकराई। हादसे की यह घटना होटल के ही सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि इस हादसे में होटल के बाहर सड़क किनारे खड़ा एक शख्स बाल-बाल बच गया। इस भीषण हादसे में बाइक पर सवार नामदेव विठ्ठल शिंदे और सुनील मनोहर महाले की मौके पर ही मौत हो गई है। शुरुआती जांच में यहा जानकारी सामने आई है कि सुनील महाले स्वराज्य संस्था के पदाधिकारी थे, जबकि होंडा सिटी कार में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। हादसे के बाद मौके पर तमाशबीनों की काफी भीड़ लग गई।

दस हजार करोड़ के हवाला लेनदेन मामले में ईडी की 20 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी

एर्नाकुलम, 20 जून (एजेंसियां)। केरल में 10,000 करोड़ रुपये के हवाला लेनदेन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अपनी जांच जारी रखे हुए है। ईडी कोच्चि समेत राज्य में 20 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी कर रही है। मुख्य रूप से पेनरा मेनका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, कोच्चि के मुख्य शॉपिंग सेंटर, ब्रॉडवे और इलेक्ट्रॉनिक्स थोक दुकानों और सौंदर्य की दुकानों में मोबाइल एक्सेसरीज थोक दुकानों पर छापेमारी की जा रही है। ईडी को शक है कि कोच्चि में व्यापारिक प्रतिष्ठानों की आड़ में हर दिन करीब 50 करोड़ रुपये का हवाला लेनदेन किया जा रहा है। ईडी की 150 सदस्यीय टीम राज्य में छापेमारी कर रही है। जिसमें राज्य के बाहर के अधिकारी भी शामिल हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षा बल भी मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, छापेमारी की कार्रवाई सोमवार शाम को ही शुरू हो गई थी। ईडी के सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी के पास इस बात की पुख्ता जानकारी है कि केरल में विभिन्न जिलों में बीस से अधिक हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से 10,000 करोड़ से अधिक का हवाला लेनदेन किया गया है। एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, महीनों की गुप्त जांच के बाद पता चला कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों की आड़ में बड़े पैमाने पर हवाला का लेन-देन किया जा रहा था। काले धन का पता लगाने के लिए राज्य में ईडी की यह अब तक की सबसे बड़ी छापेमारी है। ईडी के मुताबिक कोच्चि राज्य में हवाला लेनदेन का सबसे अहम केंद्र है। ईडी के अधिकारी इस बात के संकेत दे रहे हैं कि कोच्चि में निरीक्षण के दौरान काला धन जब्त किया गया है। इस संबंध में पुष्टि ईडी की कार्रवाई पूरी होने के बाद ही हो पायेगी।

काले नकाब से चेहरा ढंककर तोड़े जा रहे गाड़ियों के शीशे 30 से ज्यादा कारों को नुकसान

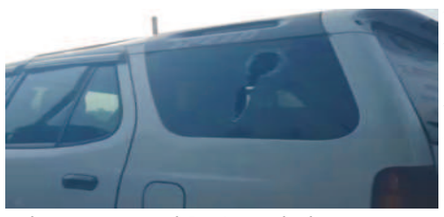

पुणे, 20 जून (एजेंसियां)। पूणे में बीते कुछ दिनों से कार मालिकों के साथ अजीब घटना हो रही है। दरअसल उनकी महंगी कारों को बीते कुछ दिनों से 6 अज्ञात लोग चेहरे पर काला कपड़ा बांधकर लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं और गाड़ियों में तोड़-फोड़ कर रहे हैं। वारजे रोड नहर पर 7 कारों के शीशे तोड़ दिए गए थे। वहीं बीती रात वंशीव स्लम एरिया में 30 कारों के साथ तोड़-फोड़ की गई थी। गांव के नागरिकों का कहना है कि काले रंग की एक्टिवा दोपहिया वाहन पर सवार 3 से अधिक अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ऐसा किया गया है।

पुलिस कंट्रोल रुम को दी गई सूचना

स्थानीय कार मालिकों ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपियों की तलाश जारी है। नागरिकों ने उचित कार्रवाई कर पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की है, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि पूणे में हुई यह घटना अपनी तरह की कोई नई घटना हो। इसके पहले भी पूर्व में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ महीनों पहले गुरुग्राम में भी ऐसी ही घटनाएं हुईं थी जिसमें सेक्टर 67 में कुछ अज्ञात लोगों ने 25 कारों के शीशे तोड़ दिए थे। पुलिस ने बताया कि घटना रात 1.30 बजे से 2 बजे के बीच हुई। दो हथियारबंद संदिग्ध मौके पर पहुंचे और रॉड, बीयर की बोतलों और पत्थरों से कारों के शीशे तोड़कर तोड़फोड़ की। पुलिस ने बताया कि आवासीय परिसर के अंदर फिलहाल अभी कोई पार्किंग की जगह नहीं है, जिसके कारण सोसायटी के लोग एक व्यापारिक परिसर के पास निजी ठेकेदारों द्वारा प्रतिबंधित पेड पार्किंग क्षेत्रों में अपनी कार पार्क कर सकते हैं। पुलिस ने कहा कि निजी एजेंसी पर अपने अपार्टमेंट को सुरक्षा प्रदान करने पर भी संदेह व्यक्त किया है क्योंकि उन्होंने निवासियों को व्यापारिक परिसर के पास कार पार्क नहीं करने के लिए कहा था।

मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया सीमित इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश

इंफाल, 20 जून (एजेंसियां)। कई व्यक्तियों द्वारा दायर अनुरोधों के बाद, मणिपुर उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम आदेश में आज राज्य के अधिकारियों को अपने नियंत्रण में कुछ निर्दिष्ट स्थानों पर जनता को सीमित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट 23 जून को इस मामले पर फिर से सुनवाई करेगा। उच्च न्यायालय ने जनता के सामने आने वाली कठिनाई, विशेष रूप से छात्रों की चल रही प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में, और जनता को उनकी तत्काल और आवश्यक सेवाओं को पूरा करने में सक्षम बनाने पर विचार किया। आदेश में कहा गया है, जनता के सामने आने वाली कठिनाई को ध्यान में रखते हुए, विशेष रूप से राज्य में छात्रों की चल रही प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में, और जनता को उनकी तत्काल और आवश्यक सेवाओं को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए, राज्य के अधिकारियों को सीमित इंटरनेट सेवा प्रदान करने का निर्देश दिया जाता है।

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में हिंसक झड़प के एक दिन बाद 4 मई से इंटरनेट सेवा प्रतिबंध है

अदालत ने सेवा प्रदाताओं वोडाफोन, आइडिया, जियो, बीएसएनएल और एयरटेल को एक संक्षिप्त हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया, जिसमें बताया गया कि क्या सोशल मीडिया वेबसाइट को ब्लॉक करके और राज्य सरकार की चिंता को बनाए रखने के लिए जनता को सीमित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने की कोई व्यवहार्यता है।

प्रेमी जोड़े का हत्या से पूर्व का वीडियो वायरल

प्रेमिका बोली- हमने शादी कर ली, परेशान ना करें

मुरैना, 20 जून (एजेंसियां)। मुरैना जिले के अंबाह थाना क्षेत्र के रतन बसई गांव में प्रेमीजोड़े की हत्या किए जाने से पूर्व दोनों प्रेमी प्रेमिकाओं के द्वारा बनाया गया वीडियो अब वायरल हो गया है। इस वीडियो में प्रेमी जोड़ा शिवानी तोमर और राधेश्याम तोमर दोनों लेटे हुए हैं और वीडियो बनाकर शिवानी कह रही है कि वह और राधेश्याम एक-दूसरे से प्यार करते हैं, वे दोनों अपनी मर्जी से घर से भागे हैं। पुलिस के अनुसार राजपाल ने राधेश्याम एवं शिवानी के भागने की घटना वाले दिन ही उनकी हत्या कर शव नदी में फेंक दिए थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि वीडियो मई माह का है। पुलिस के अनुसार छह मई 2023 को भी राधेश्याम एवं शिवानी घर से भागे थे और 13 मई को बरामद हुए थे, यह वीडियो भी उसी दौरान का है। अंबाह के रतन बसई गांव में रहने वाली शिवानी तोमर (18) और पुरा बरबाई निवासी राधेश्याम तोमर (21) एक-दूसरे से प्रेम करते थे। उनके घरवाले इस रिश्ते से खुश नहीं थे, इसलिए शिवानी और राधेश्याम छह मई को घर से भाग गए थे। 13 मई को दोनों को उत्तर प्रदेश से ढूंढकर अंबाह थाने लाया गया। यहां पुलिस ने दोनों को उनके परिजन के सुपुर्द कर दिया था।

शिवराज चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया 'धीरोदात्त नायक

भोपाल, 20 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'धीरोदात्त नायक' बताया है। मुख्यमंत्री चौहान ने अपने ताजा ब्लॉग में भीषण तूफान बिपरजॉय के बिना किसी जान गंवाए निपट जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया है। मुख्यमंत्री चौहान कहते हैं कि भारत में प्रायः अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान आते रहते हैं और तटीय इलाकों में भारी तबाही के दृश्य देखने को मिलते रहे हैं। पर विपरजॉय जैसे भीषण तूफान से निपटने के लिए जिस तरह से पूर्व तैयारी की गई, उसी का परिणाम है कि कोई जन हानि नहीं हुई और धन हानि को भी व्यापक पैमाने पर बचाया जा सका। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए वे लिखते हैं कि आपदाओं में घर के जो मुखिया जिस सतर्कता, धीरज, विवेक और गंभीरता का परिचय देकर संकट की भयावहता को शून्य करने में सफल होते हैं, वही इतिहास में धीरोदात्त नायक के रूप में स्थापित होते हैं। शिवराज सिंह लिखते हैं, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले नौ सालों के कार्यकाल में यह बार-बार सिद्ध हो चुका है कि वे किसी भी संकट से देशवासियों की प्राण-रक्षा के लिये आपदा में धैर्य नहीं खोते और सुविचारित रणनीतियों के साथ मुकाबला करते हैं; चाहे वह चक्रवात हो अन्य प्राकृतिक संकट हों या अतिवृष्टि और बाढ़, देश की सुरक्षा और अखंडता को कोई खतरा हो या कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी हो। अपनी कार्य-योजनाओं से वे जनहानि और अन्य नुकसान की रोकथाम का बेहतर प्रबंधन करने में कामयाब रहे हैं।' मुख्यमंत्री चौहान के अनुसार, 'प्रधानमंत्री मोदी आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी मंत्रालयों की भूमिका को और ज्यादा सुदृढ़ बनाया है। परमाणु ऊर्जा, नागरिक उड्डयन, भू-विज्ञान, पर्यावरण एवं वन, गृह, स्वास्थ्य, रेल, अंतरिक्ष और जल संसाधन जैसे मंत्रालयों को उन्होंने आपदाओं के प्रबंधन की तैयारियों से जोड़े रखा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आपदा प्रबंधन की जो रणनीति अपनाई है उसमें पहला और सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है आपदा के पूर्व प्रबंधन और तैयारी। इसके बाद भी आपदा घटित हो और तैयारियाँ नाकाफी साबित हों और आपदा से नुकसान हो जाए तो पुनर्वास की पूरी तैयारी। शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के समस्त नागरिकों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का हृदय से अभिनंदन करते हुए कहते हैं कि आपकी दूरदृष्टि और प्रभावी रणनीति से देशवासियों को सुरक्षा कवच के साथ सुख-समृद्धि का साथ भी मिला है।

'क्या सेंसर बोर्ड सो रहा था?', फिल्म आदिपुरुष को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल, की बैन की मांग

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस ने सेंसर बोर्ड पर सवाल उठाते हुए सोमवार को हिंदू धार्मिक मूर्तियों का अपमान करने के लिए बॉलीवुड फिल्म 'आदिपुरुष' पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि पिछले सप्ताह के अंत में रिलीज हुई इस फिल्म में भगवान राम और भगवान हनुमान का 'अपमान' किया गया है और विभिन्न राज्यों में इसे लेकर नाराजगी है। नाना पटोले ने कहा, बीजेपी हमेशा चिल्लाती रहती है कि वह हिंदुत्ववादी सरकार है, लेकिन जब बात भगवान राम और हनुमान पर अपशब्दों वाली फिल्म की आती है, तो वह चुप रहती है। उन्होंने कहा कि श्री हनुमान के चरित्र को 'अपमानजनक संवाद' दिए

गए हैं और 500 करोड़ रुपये के बजट की फिल्म बनाने के नाम पर उन्होंने एक कार्टून फिल्म बनाई है। नाना पटोले ने कहा, इस फिल्म को पहली बार में कैसे मंजूरी मिली? क्या केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड उस समय सो रहा था? हम मांग करते हैं कि फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जाए और फिल्म निर्माताओं को भगवान राम और श्री हनुमान के अपमान के लिए भारत के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। महाकाव्य 'रामायण' पर आधारित इस फिल्म का महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और अन्य राज्यों सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। आदिपुरुष, ओम राउत द्वारा निर्देशित और मनोज मुंतशिर द्वारा लिखित, इसमें पौराणिक आकृतियों के संवादों और चित्रण के लिए कड़ी आलोचना की गई है। आदिपुरुष फिल्म में कई डायलॉग ऐसे हैं जिसे लेकर मेकर्स की कड़ी लोचना की जा रही है। फिल्म में एक डायलॉग है, कपड़ा तेरे बाप का। तेल तेरे बाप का। आग भी तेरे बाप की। तो जलेगी भी तेरे बाप की।" इसको लेकर भी लोगों में काफी रोष है।

नाबालिग चचेरी बहन से बलात्कार के जुर्म में व्यक्ति को कुल 135 वर्ष के कारावास की सजा

अलप्पुझा, 20 जून (एजेंसियां)। केरल की एक अदालत ने नाबालिग चचेरी बहन के साथ बार-बार बलात्कार करने और उसे गर्भवती करने के जुर्म में एक व्यक्ति को कुल 135 साल के कारावास की सजा सुनाई। 'हरिपद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट' के न्यायाधीश साजी कुमार ने 24 वर्षीय व्यक्ति को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, भारतीय दंड संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत अलग-अलग सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि हालांकि सभी सजा एक साथ चलेंगी। अभियोजक ने बताया कि अदालत ने दोषी पर 5.1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को चार लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया,

कल बालाघाट में खुली जीप में घूमेंगे गृह मंत्री अमित शाह

डेढ़ किलोमीटर का होगा रोड शो, सीएम ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बालाघाट, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की गौरव यात्रा का आगाज करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह मध्य प्रदेश के बालाघाट आ रहे हैं। 22 जून को गृह मंत्री अमित शाह का बालाघाट दौरा है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह बालाघाट में खुली जीप में घुमेंगे। शाह का बालाघाट में डेढ़ किलोमीटर लंबा रोड शो भी आयोजित होगा। इस आयोजन को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समीक्षा बैठक की। साथ ही अफसरों का आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह का 22 जून को बालाघाट आगमन हो रहा है, जो बालाघाट के लिए सौभाग्य की बात है। उनका आना अपने आप में महत्वपूर्ण है। गृह मंत्री के कार्यक्रम की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो। प्रशासनिक दृष्टि से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। केन्द्रीय मंत्री शाह बालाघाट में गौरव यात्रा का शुभारंभ कर वीरांगना रानी दुर्गावती के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर करेंगे।

आकर्षक सजाया जाए बालाघाट

सीएम हाऊस में आयोजित बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज के अलावा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सीएम शिवराज सिंह चौहान बालाघाट के अफसरों के साथ वर्चुअली जुड़े। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने अफसरों को दिशा निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम पूरे उत्साह, आनंद और जोश के साथ किया जाए। बालाघाट अदभुत शहर है। शहर को साफ-सुथरा और सजाकर आकर्षक बनाया जाए।

हर पंचायत से आए वाहन

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बालाघाट जिले में 700 ग्राम पंचायते हैं। उन्होंने कहा गृह मंत्री अमित शाह के आयोजन में हर ग्राम पंचायत का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। बताया जा रहा है इस आयोजन में ग्रामीणों की भागीदारी के लिए भारतीय जनता पार्टी ने हर एक ग्राम पंचायत से एक वाहन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आयोजन में लाडली बहना सेना को भी आमंत्रित किया जाए। गृह मंत्री शाह की सुरक्षा, स्वागत और सत्कार में कोई कमी नहीं रहे। जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी समन्वय कर कार्यक्रम को बेहतर बनाने में जुट जाएं। बताया गया कि गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह बालाघाट में रोड शो में हिस्सा लेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 21 जून- 2023

राजनीति की बलिवेदी पर समान शिक्षा व्यवस्था

डॉ. चक्रपाल सिंह

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के नाम पर, महात्मा गाँधी की हत्या तथा गुजरात दंगों से संबंधित अंशों को हटाने से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में 33 शिक्षाविदों ने एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश सकलानी को पत्र लिख कर पाठ्य पुस्तकों से अपना नाम हटाने की मांग करते हुए लिखा है कि स्कूल पुस्तकों के पाठ्यक्रम में व्यापक संशोधन किए गए हैं, उन्हें अलग तरीके की किताब बना दिया गया है। हमारे लिए यह स्वीकार करना कठिन है कि इन्हें हमने तैयार किया और उनसे हमारा नाम जुड़े। हमारा मानना है कि इससे सामूहिक रचनात्मकता का प्रयास खतरे में है। इससे पहले राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ सुहास पालसीकर तथा योगेंद्र यादव एनसीईआरटी को पत्र लिखकर इसी तरह की मांग कर चुके हैं। ये सभी शिक्षाविद एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तक विकास समिति (टी डी सी) का हिस्सा थे। तो , दूसरी तरफ एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में बदलाव के समर्थन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष जगदीश कुमार सहित देश के करीब 106 शिक्षाविद आगे आए हैं। जिनमें जेएनयू के कुलपति सहित केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर इत्यादि नामी गिरामी शिक्षाविद शामिल हैं। इन्होंने न सिर्फ बदलाव का समर्थन किया है बल्कि विरोध कर रहे शिक्षाविदों के गुट को स्वार्थी और घमंडी बताया है तथा विरोध को पूरी तरह से औचित्यहीन तथा राजनीतिक एजेंडे के हिस्से का नाम दिया है। एक अन्य घटनाक्रम में कर्नाटक सरकार ने राज्य परिषद की पुस्तकों में से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और वीर दामोदर सावरकर आदि से संबंधित सामग्री को पाठ्य-पुस्तकों से निकालने और उसकी जगह नेहरू, सावित्रीबाई फुले, अंबेडकर आदि की रचनाओं को शामिल करने की मंजूरी दे दी है। परंतु, इस बहस में उलझन कुछ बुनियादी सवालों को लेकर है। हैरत की बात तो ये है कि 21 वीं सदी में भी बहस भारतीय शिक्षा व्यवस्था एवं प्रणाली को व्यापक एवं सर्वग्राही बनाने को लेकर नहीं, उसके रंग भगवा या लाल को लेकर है। रंगों की रंगबाजी ! में मूल्य आधारित समान शिक्षा व्यवस्था को न केवल नजरंदाज किया जा रहा है, बल्कि बड़े ही सुनियोजित ढंग से असली व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (साक्षरता नहीं) की पहुँच से गरीबों को दूर, बहुत दूर किये जाने का षड्यंत्र अनवरत जारी है। शिक्षा कोई बच्चों द्वारा खेले जाने वाला 'घर पतुआ' का खेल नहीं है कि बनाया, आपसी तुनकमिजाजी में बिगाड़ दिया, और फिर बना लिया। शिक्षा का परम उद्देश्य देश एवं समाज का संपूर्ण संतुलित एवं स्थायी विकास करना है। इसीलिए हमारे संविधान निर्माताओं ने आजाद भारत की शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी ज्ञान परंपराओं को समाहित करके छात्रों में तार्किक, वैज्ञानिक और नवोन्मेषी दृष्टि विकसित करना था। सबसे महत्वपूर्ण पाठ्यपुस्तकों को दलगत राजनीति और सरकारी दबाव से एकदम मुक्त रखना था । क्योंकि राष्ट्र के मानव संसाधन के सतत विकास से समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (साक्षरता नहीं) का सीधा संबंध है। हमारा लोकतंत्र, हमारा समाजवाद, हमारे धर्म निरपेक्ष मूल्य , हमारे गणराज्य की संप्रभुता , उत्तरदायित्व की भावना, सामाजिक और राजनीतिक चेतना तथा समानता का भाव सभी लोगों की वास्तविक, गुणवत्तापूर्ण समान शिक्षा में ही निहित है। शिक्षा के द्वारा उन मूल्यों और अवधारणाओं का प्रचार-प्रसार करना संभव होता है, जिनके लिए देश समर्पित है। शिक्षा के द्वारा सभी स्तरों पर तार्किक, वस्तुगत निर्णय लेने का व्यवहारिक ज्ञान विकसित होता है। ग्रामीण संदर्भ में संगठन की अवधारणा, भविष्य के बारे में चिंतन, परिवर्तनों के प्रति व्यापक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक सोच विकसित करने तथा अंतिम आदमी की राष्ट्र निर्माण में भूमिका एवं सम्मानजनक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। सामाजिक न्याय की अवधारणा, समतामूल्य सिद्धांत का विचार और अधिक प्रभावी होता है। गरीबी दूर करने, राष्ट्रीय एकता, जनसंख्या नियंत्रण, समानता एवं सहृदयता की सुखद कल्पना वास्तविक गुणवत्तापूर्ण समान शिक्षा द्वारा ही संभव है।अतः यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है कि समय एवं परिस्थितियों के अनुरूप शिक्षा की विषय वस्तु में परिवर्तन, अध्यापन की उन्नयन पद्धतियों की ग्राह्यता संशोधन, परिवर्तन द्वारा शिक्षा एवं परीक्षा प्रणाली में स्तरोन्नयन, पाठ्यपुस्तक अध्ययन, शिक्षण और प्रशिक्षण देश के परिवर्तित परिवेश और वर्तमान सामाजिक आर्थिक अपेक्षाओं के अनुरूप हो। भविष्योन्मुखी शिक्षा व्यवस्था के लिये सतत एवं उत्कृष्ट प्रयास किए जाने चाहिए। इससे शायद ही कोई असहमत हो, असहमत हुआ भी नहीं जा सकता है। क्योंकि, शिक्षा किसी राष्ट्र के मानव संसाधन विकास प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है। इस स्थिति में शिक्षा के रंग को लेकर भिड़े वैचारिक व दलगत राजनैतिक योद्धाओं से असमान शिक्षा की राख में दबी सीमान्त वर्गीय प्रतिभाओं की चीख यह पूछने के लिए बाध्य करती है कि आखिर देश में तेजी से फल फूल रही समांतर शिक्षा व्यवस्था एवं प्रणाली के प्रति उनका दृष्टिकोण क्या है? शिक्षा का औद्योगिकीकरण ! रोकने की दिशा में इनके अब तक के क्या प्रयास रहे हैं? शिक्षा को लेकर उनकी चिंताएं इतनी ही घनीभूत एवं वास्तविक है, तो शिक्षा के अंधाधुंध निजीकरण के विरुद्ध इन्हे बोलने से कौन रोक रहा है? फिर वर्ष 1966 की कोठारी आयोग की शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का 6% निवेश (खर्च कहना गलत है) करने, कॉमन स्कूल पद्धति लागू करने की सिफारिशों पर अभी तक अमल क्यों नहीं हुआ? ऐसा करने से इन्हें अब तक किसने रोका था या फिर आज रोका हुआ है? 57 वर्ष की समयावधि कोई कम तो नहीं होती है। फिर और कितना समय चाहिए? उपर्युक्त तथ्यों से प्रमाणित होता है कि शिक्षा में वाम बनाम दक्षिण अथवा भगवा बनाम लाल को लेकर छिड़ा द्वंद्व भारतीय शिक्षा के वस्तुनिष्ठ यथार्थ पर आधारित न होकर भाववादी अमूर्त विचार पर केन्द्रित है। अतः स्पष्ट हो जाना चाहिए कि इस तरह की बहसें अपने लक्षित उद्देश्यों की खातिर आम जनता का असल समस्याओं से ध्यान बंटाने के लिए या फिर अपनी असफलता, अक्षमता, भ्रष्टाचार और नीति एवं नीयत के अंतर्विरोध पर पर्दा डालने के लिए ही छेड़ी जाती हैं। यदि इसी तरह से प्रत्येक सरकार अपनी मनमर्जी की निश्चित विचारधारा, चिंतन, दर्शन, राजनीति तथा धार्मिक उद्देश्यों से प्रेरित होकर शिक्षा प्रणाली को बदलेगी, संचालित करेगी, तो निश्चित है कि इस तरह की नापाक कोशिशें शिक्षा को उग्रता, कट्टरता, अनुशासनहीनता एवं उच्छृंकलता के भयानक बियावान में धकेल सकती है। जिस तरह से मानव जाति के अस्तित्व एवं उत्तरजीविता हेतु जैव-विविधता अनिवार्य है, ठीक उसी प्रकार वैचारिक विविधता किसी देश और समाज के संतुलित एवं सह-अस्तित्व के लिए अनिवार्य शर्त है। दोनों में से किसी एक में असंतुलन अथवा उसका विनाश न केवल मानव जीवन के अस्तित्व को खतरे में डाल सकता है, बल्कि देश एवं समाज को भयानक अराजकता एवं तानाशाही के अंधे युग में धकेल सकता है। बलात विचार थोपने की कोशिशों का दुष्परिणाम संसार विश्व युद्ध के रूप में पहले ही देख चुका है। भारत में छात्रों को क्या पढ़ना चाहिए, क्या नहीं पढ़ना चाहिए, तय करना किसी एक व्यक्ति या दल का क्षेत्र अधिकार नहीं है।

राम के आदर्श से खिलवाड़

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम देश और जाति और संप्रदाय से ऊपर उठ चुके हैं। उनकी सार्वभौमिक छवि भारतीय जनमानस में ही नहीं, बल्कि दुनिया के सभी हिस्सों में एक आदर्श के रूप में विद्यमान है। हिंदू क्या मुस्लिम, सिक्ख इसाई के अलावा दूसरे सारे धर्मों के लोगों में भगवान राम के प्रति अगाध आस्था है। राम का चरित्र प्रत्येक परिवार के लिए आदर्श है जिन्होंने सामाजिक मर्यादा के लिए हमेशा अपने को ढाला। आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई और आदर्श प्रजा पालक के अलावा ऐसी कौन सी छवि है जो राम में न हो। यही आदर्श माता सीता के लिए भी है। उन्होंने एक आदर्श बेटी, आदर्श बहन, आदर्श पत्नी और आदर्श बहू की मर्यादा को कायम रखा, जिसका आज भी गुणगान करने में परम सुख एवं शांति मिलती है। इनके अलावा हनुमान जी की परम भक्ति के तो कहने ही क्या? इसीलिए आज भी इनके चरित्र लोक आस्था के केंद्र बने हुए हैं। ऐसा कोई भारतीय परिवार नहीं होगा जिसमें प्रतिदिन इनकी लोकगाथा न गाई जाती हो। ऐसे पतितपावनी आदर्श स्वरूप से जब कोई खिलवाड़ करता है तो जनमानस में गुस्सा आना स्वाभाविक है। पिछले हफ्ते ही रिलीज हुई फिल्म आदिमानव में जिस प्रकार रामायण के इन चरित्रों के साथ खिलवाड किया गया वह भारतीय जनमानस की आस्था को चोट पहुंचाती है। कहानी के लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला ब्राह्मण हैं। उन्हें तो यह जरूर ही मालूम होना चाहिए था कि भगवान राम के आदर्श क्या हैं। माता सीता और हनुमान जी के आदर्श से खिलवाड करना उन्हें कितना भारी पड सकता है। इसके पहले वे कई बार भगवान राम से अपना अगाध प्रेम प्रकट कर चुके हैं। इसके बावजूद उन्होंने अगर जानबूझ कर राम, सीता और हनुमान के चरित्र को बिगाड़ने का प्रयास किया है तो उनकी देश भर में हो रही निंदा स्वाभाविक है। शुरू में तो उन्होंने अपनी ढिठाई दिखाते हुए फिल्म के हर संवाद को उचित ठहराने का प्रयास किया, लेकिन जब चौतरफा विरोध बढ़ा, तो वे झुके और फिल्म आदिपुरुष के विवादास्पद संवादों को बदलने की बात स्वीकारी। रामायण की कथा के इतने रंग रूप हैं कि तुलसी दास ने खुद ही कहा है कि हरि अनंत हरिकथा अनंता। उसमें हर रचनाकार अपने-अपने ढंग से रंग भरता रहा है लेकिन किसी ने भी हास्यास्पद रंग भरने की कोशिश मनोज मुंतशिर जैसी नहीं की। यही वजह है कि दुनिया भर में जितने प्रकार की रामायण लिखी गई, जितनी रामलीलाएं खेली जाती हैं, जितनी फिल्में और धारावाहिक इसे लेकर बने हैं, उतने और किसी पौराणिक कृति पर नहीं बने। हर किसी ने कुछ न कुछ बदलाव किया लेकिन कभी विवादास्पद नहीं बनाया। सबने रामायण की मूल भावना के साथ छेड़छाड़ नहीं की है, किसी भी चरित्र को विद्रूप करने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसके उज्ज्वल पक्षों को और सलीके से उभारने की ही कोशिश की। ऐसे में जाहिर है कुछ अलग रचने की चुनौती मनोज मुंतशिर शुक्ला के सामने रही होगी। लेकिन अलग दिखने के लिए उन्होंने जिस तरह बिल्कुल मुंबइया की टपोरी भाषा को अपनाया, वह भारतीय जनमानस को बर्दाश्त नहीं हुआ। फिल्म की तैयारी में जिस तरह के तंत्र का इस्तेमाल किया गया है, उसी से स्पष्ट है कि उनका मूल मकसद रामायण में से कुछ नई बात निकाल कर पेश करने का था ही नहीं। देखा जाए तो आजकल कथावाचकों का एक ऐसा समूह तैयार हो गया है जो अपने को लोकप्रिय बनाने के लिए राम की कथा को बिल्कुल सड़कछाप भाषा में सुनाकर तालियां बटोरते हैं। मनोज मुंतशिर शुक्ला ने भी उन्हीं कथावाचकों की शैली को अपना कर लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश में सबकुछ गंवा बैठे। हो सकता है अन्य कथावाचकों की तरह कमाई के लिहाज से वे सफल हो जाएं लेकिन जो बदनामी का धब्बा उन पर लगा है उससे छुटकारा पाना उनके बस की बात नहीं रही है। जाहिर है जब भी कोई रचना तालियां और पैसा बटोरने के मकसद से लिखी या बनाई जाती है, तो उसका हश्र भी क्षणिक ही होता है। कुछ दिन की सतही उत्तेजना के बाद वह निस्तेज हो जाती है। अच्छी बात है कि इस फिल्म को लेकर उस तरह तोड़-फोड़ और हिंसा की घटनाएं नहीं होने पाईं, लेकिन लोगों की आस्था आहत तो हुई है। लोगों ने लोकतांत्रिक तरीके से इस फिल्म का विरोध भी किया है। सवाल अब भी यही बना है कि आखिर मनोज मुंतशिर गहन आस्था के पौराणिक चरित्रों को इस तरह विकृत कर समाज को क्या संदेश देना चाहते थे। इस फिल्म से तो यही जाहिर होता है कि उन्हें न तो भारतीय समाज की बुनावट की सही पहचान है और न वे सामाजिक ताने-बाने की मजबूती का ध्यान था

अयोग्य को योग्य बनाता है योग

डॉ. शंकर सुवन सिंह

अयोग्य वह है जो असंतुलित है। असंतुलन आलस्य की निशानी है। आलसी व्यक्ति असंतुलित होता है। अयोग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए अनुपयुक्त होता है। योग आलस्य और प्रमाद को दूर कर व्यक्ति को संतुलित करता है। संतुलन कर्मठता की निशानी है। कर्मठ व्यक्ति संतुलित होता है। योग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए उपयुक्त होता है। योग व्यक्ति को योग्य बनाता है। अहंकार अयोग्यता का प्रतीक है। विनम्रता योग्यता की निशानी है। भगवान राम विनम्र थे। इसलिए वह पुरुषोत्तम राम कहलाए। रावण अहंकारी था। अतएव वह असुर कहलाया। योग हमे कर्म, ज्ञान और भक्ति तीनो से जोड़ता है। ज्ञानयोग, कर्मयोग और भक्तियोग ये तीन मुख्य योग हैं। असुर शक्तियों से जुड़ना अयोग्यता है। दैवीय शक्तियों से जुड़ना योग्यता है। योग के माध्यम से व्यक्ति दैवीय शक्तिओं से जुड़ता है। योग का मतलब है आत्मा से परमात्मा का मिलन। योग्यता चरैवेति-चरैवेति के सिद्धांत पर आधारित है। ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ में चरैवेति शब्द का उल्लेख मिलता है। चरैवेति अर्थात चलते रहना, रुकना नहीं। हर स्थिति और परिस्थिति में आगे ही आगे बढ़ते चलने का नाम जीवन है। जिस प्रकार बहते हुए जल में पवित्रता बनी रहती है उसी प्रकार निरंतर चलने वाले व्यक्ति में कर्मठता बनी रहती है। अयोग्यता ठहराओ के सिद्धांत पर आधारित है। अयोग्य व्यक्ति ठहरे हुए जल के समान है जबकि योग्य व्यक्ति बहते हुए जल के समान है। योग आंतरिक शांति या मन की शांति बनाए रखता है, जो मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। योग से शांति, सामंजस्यता और शालीनता का विकास होता है। योग आत्मनिर्भरता के मार्ग को प्रशस्त करता है। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। हिन्दू संस्कृति में राम द्वारा किया गया आदर्श शासन रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है। वर्तमान समय में रामराज्य का प्रयोग सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के रूप (प्रतीक) के तौर पर किया जाता है। रामराज्य, लोकतन्त्र का परिमार्जित रूप माना जा सकता है। वैश्विक स्तर पर रामराज्य की स्थापना गांधी जी की चाह थी। योग रामराज्य की परिकल्पना को स्थापित करता है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। योग का अंतरार्ष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना वसुधैव कुटुंबकम(पूरी धरती एक परिवार है) को चरितार्थ करता है। अतएव किसी भी देश के विकास में योग की अहम भूमिका होती है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 की थीम/प्रसंग है- 'वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग'। वसुधैव कुटुंबकम का अर्थ है- पृथ्वी एक कुटुंब (परिवार) के समान है। इस थीम से तात्पर्य धरती पर सभी लोगों के स्वास्थ्य के लिए योग की उपयोगिता से है।

क्यों सारी दुनिया करने लगी अब योग

आर.के. सिन्हा

आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को कुछ ही दिन शेष बचे हैं और नई दिल्ली से न्यूयार्क और पंजाब से लेकर पेरिस तक संसार भर में इस खास दिन को मनाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। स्कूली बच्चे - बच्चियों में तो उत्साह देखते ही बनता है । वैसे , अब तो योग दिवस का सारी दुनिया इंतजार करती है। इसे "वर्ल्ड योगा डे"भी कहा जाता है। पहली बार यह 21 जून 2015 को मनाया गया था। इसकी नींव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग से संबंधित एक प्रभावशाली भाषण के साथ रखी गई थी। उसी के बाद इसे 21 पर जून इसे "वर्ल्ड योगा डे" घोषित किया गया था। बहरहाल,अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के नवें संस्करण को वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। बहुत साफ है कि भारत की प्राचीन और समृद्ध परपराओं से पोषित योग ने अब वैश्विक स्तर पर समग्र स्वास्थ्य की एक ऐसी पद्धति के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर ली है , जो न सिर्फ तन और मन के संतुलन तक सीमित है ; बल्कि , इस पद्धति में आधुनिक जीवन शैली से उपजे तनाव से पार पाने, असाध्य रोगों से बचाव और दुनिया को स्वस्थ और बेहतर जीवन के माध्यम से एकजुट करने की शक्ति भी निहित है। इसी विशेषता को परिभाषित करती है इस बार के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की ध्येय वाक्य या थीम "वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग"। योग की यही शक्ति है जिसने कोरोना महामारी के दौरान और फिर बाद में भी समग्र स्वास्थ्य की तलाश में त्रस्त दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कोरोना काल से ही दुनिया ने योग करने के लाभ जान लिए। दुनिया को समझ आ गया कि योग करके वे अपने को सदा सेहतमंद रख सकते हैं। दरअसल वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों वाली महासभा के 173 सहप्रायोजक देशों की सर्वसम्मति से 2015 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में शुरू हुई यात्रा अब एक ऐसे मुकाम पर है, जहां योग का लोक कल्याणकारी रूप सबने देख लिया है। योग समग्र स्वास्थ्य और वेलनेस की सदियों से परखी गई और आधुनिक शोध अध्ययनों पर खरी उतरी स्वास्थ्य पद्धति के रूप में जाना जा रहा है। नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की यात्रा अब पूरी दुनिया में स्वीकार्यता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के नवें संस्करण में सारी दुनिया की भागीदारी रहने वाली है। इसके लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के साथ ही अन्य सभी मंत्रालय संयुक्त प्रयास के तहत एक साथ काम कर रहे हैं। योग का महत्व असामान्य परिस्थितियों में शरीर और मन के बीच संतुलन साध कर रखने में भी है। योग के इसी महत्व को लोगों के बीच पहुंचाने के लिये इस बार ध्रुवीय क्षेत्रों में स्थापित स्टेशनों में भी 21 जून को कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया जाएगा। इस प्रयास को "आर्कटिक से अंटार्कटिक तक योग" का नाम दिया गया है। इसी तरह योग का अभ्यास भारत भारतीय नौसेना बेस, तट रक्षक स्टेशनों के साथ-साथ मित्र देशों के बंदरगाहों और समुद्री जहाजों पर भी योग किया जाएगा। जरा याद करें कोरोना महामारी के दिनों को। तब दुनिया यह सोचने पर भी विवश हो गई थी सिर्फ रोग के उपचार तक सीमित नहीं रहा जा सकता हैं। इससे आगे जाकर रोग से बचाव करना होगा और स्वयं को इतना सक्षम बनाना होगा कि रोग शरीर को छू तक न सके। आपाधापी और तनाव भरे माहौल में मन की स्थिरता भी उतनी ही जरूरी है जितनी कि सामाजिक और आर्थिक भारत की थाती और शताब्दियों की समृद्ध परंपरा को वहन करने वाले योग में इन समस्याओं से पार पाने की शक्ति है और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के तहत किए गए चार हजार से अधिक शोध इस बात की पुष्टि भी कर रहे हैं। योग अनुसंधान को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के बुनियादी विज्ञान और उसके उच्च मानकों से एकीकृत करने की कार्यनीति परियोजना के तहत देश के नए पुराने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग को प्राथमिकता दी जा रही है। इस कार्यनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण नई दिल्ली स्थित एम्स में स्थापित सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च है। इसके तहत योग से विभिन्न बीमारियों के एकीकृत उपचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए गए हैं। इसी तरह योग को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक में शामिल किया जा रहा है। एम्स के ड़ॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र संस्थान के प्रो. तरुण दादा अपने सभी रोगियों को कहते हैं कि वे दवा के साथ रोज एक घंटे तक योग करें। योग करने से उनका स्वास्थ्य तुरंत बेहतर होने लगेगा।

इसके साथ ही देश विदेश के विश्वविद्यालओं एंव चिकित्सा संस्थानों में योग विभाग स्थापित किए जा रहे है। यहां यह बताना भी उचित होगा कि पिछले पांच सालों मे ही विश्वभर में योग स्कूलों और योग स्टूडियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। अमेरिका कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन की टॉप 10 सूची में योग सातवे नंबर पर है। योग की एक और शक्ति है जिसका अधिकतम लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। योग की यह शक्ति है किसी भी कार्य को अधिकतम कुशलता, तल्लीनता और दक्षता के साथ अंजाम देने की क्षमता में वृद्धि। जीवन के किसी भी कार्यक्षेत्र में योग की इस शक्ति को अंगीकार कर किसान से लेकर प्रोफेसर तक कार्पोरेट से लेकर अन्य कोई भी व्यक्ति अपने दैनिक कार्यों को अधिक कुशलता से अंजाम दे सकता है। इस दिशा में आयुष मंत्रालय 'सबके लिए योग' परियोजना पर भी काम कर रहा है। पांच साल की इस परियोजना का उद्देश्य भारत के सभी नागरिकों तक योग की पहुंच बनाना है। इसके लिए आयुष मंत्रालय अन्य सभी मंत्रालयों का सहयोग भी ले रहा है। योगासन को एक खेल के रूप में भी स्वीकार किए जाने से इस परियोजना को बल मिला है। भारत इस समय जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और शंघाई सहयोग संगठन (सीसीओ) के देशों का वर्ष 2023 के लिए अध्यक्ष भी है। साफ है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों की उपस्थिति भारत में है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और भी महत्त्वपूर्ण हो गया है।

योग की परिवर्तनकारी और दुनिया को एक सूत्र में पिरोने की उसकी शक्ति को अगर महसूस करने का कोई समय है तो वह यही है। कुछ कट्टर वादी मुसलमान योग में ओंकार के उपयोग और सूर्यनमस्कार को लेकर विरोध भी कर रहे है, लेकिन ; उन्हें क्या पता कि बाबा रामदेव के योग को अपनाकर हज़ारों मुसलमान असाध्य रोगों से सदा के लिये छुटकारा पा चुके हैं। अमेरिका में वर्षों रह चुके स्वस्थ जीवन और मोटे अनाज " मिलेट्स" के अनुसंधानकर्ता और विश्व भर में " मिलेट्स मैन" के नाम से प्रसिद्ध डॉ० खादर वली का कहना है की सुबह में जब सूर्या की किरणें गुलाबी रंग की होती हैं यदि उस समय कोई भी व्यक्ति 12 बार सूर्य के 12 मंत्रों के उच्चारण के साथ सूर्य नमस्कार करे तो वह कभी भी अस्वस्थ हो ही नहीं सकता ! सबों को डॉ० वली के यू- ट्यूब पर डाले गये व्याख्यानों को सुनना चाहिये।

साथ कौन चले

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कल रात को हरिवंशराय बच्चन सपने में आए थे। पूछा – बेटा तुम्हें हिंदी साहित्य में कोई रुचि है भी या नहीं या यूँ ही लिखते चले जा रहे हो। मैंने कहा – आपने हिंदी साहित्य तो जरूर रचा लेकिन बेरोजगारी का मजा नहीं चखा। अब चूंकि हमारे पास नौकरी नहीं है इसलिए कोरा कागज काला कर डालने वाला टाइमपास करते हैं। हर कोई यहाँ कोरे को काला करने में लगा है। हम भी भीड़ में शामिल हो गए। इन्हीं काला करने वालों में किसी एकाध को रोजगार न सही गोरा-चिट्टा पुरस्कार तो मिल जाता है। हम भी उसी आस में है। मेरी बातें सुन उन्होंने कहा - बेटा इस तरह टाइमपास करोगे तो काम नहीं बनेगा। जानते नहीं मैंने हिंदी साहित्य को एक से बढ़कर एक रचना दी हैं। कम से कम उसका तो अध्ययन करो। मैंने कान पकड़ते हुए कहा – बच्चन जी, आप ऐसा न कहें। मैं आपका बड़ा प्रशंसक हूँ। आपका लिखा गीत – मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है, मेरा सबसे पसंदीदा गीत है। मैं आपकी साहित्य साधना को ऐसे-कैसे अनदेखा कर सकता हूँ।

न जाने बच्चन जी को क्या हुआ पता नहीं, वे एकदम से उखड़ गए। उन्होंने कहा – बेटा! मैंने कुछ फिल्मी गीत जरूर लिखे थे, लेकिन वे साहित्य के लिए नहीं रोजी रोटी कमाने के लिए थे। तुमने कभी मधुशाला के बारे में सुना है। वह होता है सच्चा साहित्य। उसे पढ़ते तो मुझे बड़ी प्रसन्नता होती। मैंने आश्चर्य से कहा – मधुशाला! उसे तो मैं क्या आज की सभी पीढ़ी पसंद करती है। उसकी बढ़ती कीमतों की परवाह किए बिना उसे खरीदने के लिए हम मरे जाते हैं। बच्चन जी ने कहा – मेरा पाला भी कैसे मूर्ख से पड़ गया समझ नहीं आता। मैं आन कह रहा हूँ तो तुम कान सुन रहे हो।

मैं मधुशाला पुस्तक की बात कर रहा हूँ। जिसके लिए मैं दुनिया भर में जाना जाता हूँ। मैंने स्वयं की गलती सुधारी और कहा – क्षमा चाहता हूँ। मधुशाला का मतलब पीने वाली जगह से लगा बैठा। मैंने उसे ठीक से नहीं पढ़ा है, लेकिन घर के पास शराब का एक ठेका है, उसका नजारा मेरी आँखों में अभी भी समाया हुआ है। मैं समझता हूँ आपने उसमें जो बातें लिखी होंगी उसी को मैंने ठेके पास ठहरकर व्यवहार में प्राप्त किया है।

हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ कब तक?

अशोक भाटिया

फिल्म आदिपुरुष भगवान राम पर बनी इस फिल्म का देशव्यापी विरोध हो रहा है। कई लोगों को फिल्म के डायलॉग पसंद नहीं आ रहे हैं तो कुछ लोगों को राम बने प्रभास का लुक पसंद नहीं आ रही है। घनी मूंछे, योद्धाओं जैसे शरीर वाले प्रभास में लोगों को भगवान राम की शालीनता खल रही है। आदिपुरुष का विरोध केवल भारत तक सीमित नहीं है। नेपाल में थिएटर मालिकों का कहना है कि जब तक फिल्म के कुछ डायलॉग हटाए नहीं जाते हैं, फिल्म को नेपाल में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि यह फिल्म मूल रामायण का अपमान है, इसमें धार्मिक कथाओं को अलग तरीके से पेश किया गया है। इसे हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ बताया जा रहा है ।दरअसल यह फिल्म अपने टीजर के लॉन्च के दिनों से ही विवादों के केंद्र में है। लोग इस फिल्म की कॉस्ट्यूम डिजाइन से लेकर संवाद आदायगी तक पर सवाल खड़े कर रहे हैं। कई हिंदू संगठनों ने इस फिल्म पर बैन लगाने की मांग की है। फिल्म पर बैन लगाने को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि सेंसर बोर्ड की ओर से जारी होने वाले सर्टिफिकेट पर रोक लगा दी जाए। नेपाल में थिएटर मालिक इस बात से नाराज हैं कि आदिपुरुष में सीता मां को भारत की बेटी बताया गया है। काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर ने मांग की है कि अगर यह लाइन हटाई नहीं जाती है तो फिल्म को रिलीज नहीं होने दिया जाए। फिल्म में एक डायलॉग है 'जानकी भारत की बेटी है।' सीता मां का मायका, माना जाता है कि जनकपुर में है, जो नेपाल में है। इस डायलॉग को लेकर अब सवाल खड़े किए जा रहे हैं। प्रभास इस फिल्म में राम बने हैं। सीता की भूमिका में हैं कृति सैनन और रावण बने हैं सैफ अली खान। सैफ अपने लुक को लेकर ट्रोल हो रहे हैं। लोगों को सबसे ज्यादा ऐतराज फिल्म में किरदारों के लुक पर है। ज्यादातर लोगों को फिल्म के किरदारों का कास्ट्यूम पंसद नहीं आ रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि राम, न तो राम लग रहे हैं, लक्ष्मण का लुक भी मैच नहीं कर रहा है। हनुमान का लुक, रामानंद सागर वाले रामायण से बिलकुल अलग है। लोग, अरुण गोविल के लुक से प्रभास की तुलना कर रहे हैं, जो उनके लुक से बेहद उलट है। यह लोगों को रास नहीं आ रहा है। लोगों का मानना हैं कि सैफ अली खान का रावण वाला लुक भी बेहद बुरा है। फिल्म के टीजर से लेकर ट्रेलर तक पर बवाल हो रहा है। 2022 से ही इस फिल्म पर विवाद जारी है। आदिपुरुष फिल्म के निर्माता ओम राउत, प्रभास, सैफ अली खान समेत 5 लोगों के खिलाफ पहली बार 2022 में यूपी के जौनपुर में केस दर्ज हुआ। फिल्म पर भगवान राम, हनुमान, सीता और रावण के किरदारों का अभद्र चित्रण करने का आरोप लगा। शिकायतकर्ता ने कहा कि फिल्म धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है। आदिपुरुष के खिलाफ यहाँ मुंबई में भी शिकायत दर्ज हुई है। आरोप है कि यह फिल्म रामचरित मानस के पात्र राम के किरदार को गलत तरीके से दर्शा रही है। हिंदू धर्म समाज ने भी धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने का आरोप लगाया है। कुछ लोगों को किरदारों के जनेऊ न पहनने पर भी ऐतराज है। यह फिल्म रिलीज होने से पहले ही विवादों में घिरी है। कृष्ण देव, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े हैं। उन्होंने फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद कहा कि इस फिल्म के सभी पात्रों को बेमन से चुना गया है।

सुपरस्टार के भरोसे फिल्म हिट कराने की कोशिश की गई है। रावण से लेकर हनुमान तक के किरदार ऐसे हैं जो देखने में विदूषक लग रहे हैं। सबके कपड़े, रामायण में वर्णित किरदारों के स्वरूप से बिलकुल भी नहीं मिलते हैं। दर्शकों का मानना है कि धार्मिक फिल्म को भी बंबइया फिल्म बना दिया है। ऐसा लग रहा है कि सलमान खान की फिल्मों के डायलॉग चल रहे हैं। एक सीन में भगवान हनुमान का डायलॉग है- कपड़ा तेरे बाप का, तेल तेरे बाप का, जलेगी भी तेरे बाप की।' दूसरे सीन में अशोक वाटिका के रखवाले हनुमान से कहते हैं- तेरी बुआ का बगीचा है क्या जो हवा खाने चला आया। फिल्म में 'जो हमारी बहनों को हाथ लगाएंगे उकी लंगा देंगे, आप अपने काल के लिए कालीन बिछा रहे हैं और मेरे एक सपोले ने तुम्हारे शेषनाग को लंबा कर दिया, अभी तो पूरा पिटारा भरा पड़ा है' जैसे डालॉग हैं। लोगों का कहना है कि ये डायलॉग किसी टिपिकल बॉलीवुड फिल्म वाले हैं, इन्हें फिल्म में नहीं लेना चाहिए था।इस फिल्म में कई आपत्तिजनक शब्द हिंदू धर्म के बारे में कहा गया है।मर्यादापुरुषोत्तम राम के साथ और रामायण की मूल भावना के साथ मजाक किया गया है।

विनायकी चतुर्थी व्रत कल गुरुवार और चतुर्थी के योग

गुरुवार, 22 जून को आषाढ़ शुक्ल पक्ष की चतुर्थी है। इसे विनायकी चतुर्थी कहते हैं और इस दिन गणेश जी के लिए व्रत-उपवास किया जाता है। गुरुवार को ये तिथि होने से इस दिन गणेश जी के साथ ही भगवान विष्णु और गुरु ग्रह की भी पूजा जरूर करनी चाहिए।

चतुर्थी व्रत करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है और मन शांत रहता है। चतुर्थी व्रत करने वाले लोग दिनभर निराहार रहते हैं और भगवान गणेश के मंत्रों का जप करते हैं और पूजा-पाठ, मंत्र जप करते हैं।

ये है चतुर्थी व्रत की सरल विधि

चतुर्थी तिथि सूर्योदय से पहल जागना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें। गणेश जी का जल, दूध, पंचामृत और फिर जल से अभिषेक करें। चंदन से तिलक लगाएं। सिंदूर, दूर्वा, फूल, चावल, फल, प्रसाद चढ़ाएं। धूप-दीप जलाएं।

श्री गणेशाय नमः मंत्र का जप करें। लड्डू और मोदक का भोग लगाएं। आरती करें। इसके बाद गणेश जी के सामने चतुर्थी व्रत करने का संकल्प लें। पूरे दिन अन्न ग्रहण न करें। व्रत में फलाहार कर सकते हैं। पानी, दूध, फलों का रस आदि चीजें भी ले सकते हैं।

इन मंत्रों का करना चाहिए जप

गणेश जी के 12 नाम वाले मंत्रों का जप करेंगे तो पूजा जल्दी सफल हो सकती है। ये 12 मंत्र हैं- ऊँ सुमुखाय नमः, ऊँ एकदंताय नमः, ऊँ कपिलाय नमः, ऊँ गजकर्णाय नमः, ऊँ लंबोदराय नमः, ऊँ विकटाय नमः, ऊँ विघ्ननाशाय नमः, ऊँ विनायकाय नमः, ऊँ धूम्रकेतवे नमः, ऊँ गणाध्यक्षाय नमः, ऊँ भालचंद्राय नमः, ऊँ गजाननाय नमः।

गुरुवार और चतुर्थी के योग में करें विष्णु जी का अभिषेक

गणेश पूजा के बाद भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। इसके लिए केसर मिश्रित दूध और दक्षिणावर्ती शंख का उपयोग करें। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

गुरु ग्रह के लिए गुरुवार को शिवलिंग पर बेसन के लड्डू अर्पित करें। किसी गरीब को चने की दाल का दान करें। केले के पौधे की पूजा करें और केले का दान करें। गुरु ग्रह की शिवलिंग रूप में की जाती है, इसलिए शिव पूजा जरूर करें।

पुरी में रथ यात्रा शुरू: हे जगन्नाथ स्वामी जहां भी मेरी आंखें जाएं, वह आपका ही केंद्र हो

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा मंगलवार दोपहर में शुरू होगी। सुबह मंगला आरती हुई, खिचड़ी का भोग लगाया गया। फिर रथों की पूजा हुई। रथ में पहले बलभद्र, फिर बहन सुभद्रा और इसके बाद भगवान जगन्नाथ को बैठाया गया।

भगवान का श्रृंगार किया जा रहा है। पुरी पीठ के शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती रथयात्रा का पहला दर्शन करने पहुंच गए। पुरी राजपरिवार के दिव्यसिंह देव रथ की पूजा और आरती की, फिर सोने की झाड़ू से बुहारा लगाया। अब रथयात्रा शुरू होगी। भक्त रथ को बारी-बारी से खीचेंगे।

यह रथ यात्रा मंदिर से तकरीबन ढाई से तीन किमी दूर गुंडिचा मंदिर तक जाती है, जो कि उनकी मौसी का घर माना जाता है। रथ यात्रा में तकरीबन 25 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। इसे गुंडिचा यात्रा भी कहते हैं।

रथयात्रा की परम्परा है कि पुरी राजपरिवार के सदस्य पहले रथ की पूजा करते हैं, फिर सोने की झाड़ू से बुहारा देते हैं। तब यात्रा शुरू होती है। दिव्य सिंह ने इस परम्परा को निभाया।

रथयात्रा की परम्परा है कि पुरी राजपरिवार के सदस्य पहले रथ की पूजा करते हैं, फिर सोने की झाड़ू से बुहारा देते हैं। तब यात्रा शुरू होती है। दिव्य सिंह ने इस परम्परा को निभाया।

परंपरा के चलते सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ रवाना होता है। यह तकरीबन 45 फीट ऊंचा और लाल और हरे रंग का होता है। इसमें 14 पहिए लगे होते हैं। इसका नाम 'तालध्वज' है। इसके पीछे 'देवदलन' नाम का करीब 44 फीट ऊंचा लाल और काले रंग का सुभद्रा का रथ होता है। इसमें 12 चक्के होते हैं। आखिरी में भगवान जगन्नाथ का रथ रहेगा। इसका नाम 'नंदीघोष' है, जो कि पीले रंग का लगभग 45 फीट ऊंचा होता है। इनके रथ में 16 पहिए होते हैं। इसे सजाने में लगभग 1100 मीटर कपड़ा लगता है।

जगन्नाथ रथ यात्रा

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा मंगलवार को देशभर में निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में होने वाली रथयात्रा के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी रथयात्रा अहमदाबाद के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में होती है। गृहमंत्री अमित शाह ने सुबह जमालपुर जगन्नाथ मंदिर में परिवार समेत मंगला आरती की। अहमदाबाद में रथयात्रा सुबह 7 बजे शुरू हो गई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल पाहिंद विधि कर रथ यात्रा की शुरुआत की। इससे पहले सुबह 4.30 बजे भगवान को खिचड़ा हुआ। 6.30 बजे भगवान की तीनों मूर्तियों को रथ में विराजमान किया गया।

रथ यात्रा के लिए तीन रथ बनते हैं। इसके लिए महाराणा कम्युनिटी (कारपेंटर्स) के लोग ही सबसे पहले सोने की कुल्हाड़ी से लकड़ी पर प्रहार करते हैं।

स्वागत के लिए मुस्लिम समुदाय भी शामिल

अहमदाबाद में भगवान के स्वागत के लिए कई मंडल जगह-जगह मौजूद हैं। इनमें मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल हैं। भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ भगवान जगन्नाथ का भव्य रथ धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। सजे-धजे हाथी-घोड़ों के अलावा ऊंटों का एक काफिला भी इसमें शामिल है। ट्रकों में सवार बच्चों से लेकर बड़ों तक में उत्साह है। भगवान के रथ जमालपुर मंच से चलकर निगम पहुंच गए हैं। रथयात्रा में धीरे-धीरे कई मंडलियों के ट्रक शामिल होते जा रहे हैं। वहीं, कई ट्रकों के विशाल जत्थे सरसपुर मंदिर से निकलने वाले हैं। रथयात्रा में इनके जुड़ने से रथयात्रा और विशाल हो जाएगी। ये सभी मंडलियां रथयात्रा में पीछे से जुड़ेंगी।

गुप्त नवरात्रि, कर्ज में डूबे हैं तो करें ये उपाय, हो जाएंगे मालामाल!

गुप्त नवरात्रि आज से शुरू हो गई हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार आषाढ़ मास में आने वाले इस पर्व में 10 महाविद्याओं की पूजा गुप्त रूप से की जाती है। मान्यता है कि इन 10 दिनों में किए गए उपाय कभी भी विफल नहीं जाते हैं। यही नहीं, जो लोग तंत्र मंत्र सीखने की इच्छा रखते हैं, उनके लिए ये दिन बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इन 10 दिनों में शक्ति के विभिन्न स्वरूपों को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय किए जाते हैं।

अगर कोई व्यक्ति कर्ज में डूबा हुआ हो तो इन 9 दिनों में 10 महाविद्याओं को सिंदूर अर्पित करना चाहिए। इससे आर्थिक समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके साथ लेकर घर में धन के प्रभाव को बढ़ाने की इच्छा है, तो पूजा स्थल पर घी का दीपक जलाकर उसके सामने कपूरी पान के पत्ते पर 5 लौंग, कपूर इलायची और कुछ मीठा रख दें। इसके साथ ही महाविद्याओं की आराधना करते रहें। ऐसा करने से घर में धन का आगमन होता है।

स्वास्तिक से होगी मनोकामना पूरी

अगर घर में नकारात्मकता का एहसास होता है, तो पूरी गुप्त नवरात्रि के दौरान घर में लौंग और कपूर के साथ आरती करें। इससे घर में एक सकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है। अगर आपकी कोई मनोकामना लंबे समय से पूरी नहीं हो रही है, तो घर के मंदिर में पान के पत्ते पर केसर, चंदन और गाय का घी लगाकर स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं। इस पते पर कलावा बांधे और उस पर एक सुपारी रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

दिन के अनुसार होती है वृक्ष की पूजा

हिन्दू धर्म में प्रकृति को देवी-देवताओं से जोड़कर देखा जा सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार, कुछ ऐसे पेड़-पौधे होते हैं, जिनमें देवी-देवताओं का वास होता है। मान्यता के अनुसार, इन पेड़-पौधों की विधिवत पूजा करने से मनुष्य अपने भाग्य को जगा सकता है। साथ ही मनचाहा फल प्राप्त कर सकता है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं कि किस पेड़ में कौन से देवी-देवताओं का वास होता है और उनकी पूजा किस दिन करनी चाहिए।

सोमवार को पूजें पीपल का पेड़- हिन्दू धर्म में

सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित किया गया है। भगवान शिव को भोलेनाथ के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से महादेव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखते हैं। सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा करने से समाज में मान-सम्मान मिलता है। इस दिन पीपल के पेड़ की भी उपासना करना शुभ माना जाता है। पीपल के पेड़ की उपासना करने से कोर्ट कचहरी के मामले सुलझते हैं, नौकरी में आमदनी बढ़ती है, और व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है।

मंगलवार को पूजें नीम का पेड़- मंगलवार का दिन मंगल ग्रह के नाम पर पड़ा है। हिन्दू धर्म शास्त्रों में मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित किया जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूजा से पिछले जन्म के पाप नष्ट होते हैं। साथ ही जिन लोगों की कुंडली में मंगल

कमज़ोर होता है, उन्हें मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। मंगलवार के दिन नीम के पेड़ की पूजा करना शुभ माना जाता है। इस दिन नीम के पेड़ में जल चढ़ाने से मंगल शुभ असर देने लगता है।

बुधवार को पूजें आंवले का पेड़- हिन्दू धर्म शास्त्रों में बुधवार का दिन भगवान गणेश को समर्पित किया गया

है। इस दिन भगवान गणेश की विधिवत पूजा अर्चना की जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, बुधवार के दिन कोई भी काम शुरू करना शुभ माना गया है। साथ ही मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ानी चाहिए। ऐसा करने से ही भगवान गणेश प्रसन्न होकर अपने भक्तों पर कृपा बनाए रखते हैं। साथ ही इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा करना भी शुभ माना गया है।

गुरुवार को पूजें केले का पेड़- हिन्दू धर्म में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ केले के पेड़ की पूजा करना शुभ होता है। मान्यता के अनुसार, केले के पेड़ में भगवान विष्णु वास करते हैं। ज्योतिष शास्त्र मानता है कि यदि इस दिन घर की महिलाएं केले के पेड़ की पूजा करती हैं, तो घर में कभी पैसे और धन धान्य की कमी नहीं होती।

शुक्रवार को पूजें केले का पेड़- शुक्रवार का दिन हिन्दू धर्म में माता संतोषी को समर्पित किया गया है। इस दिन माता लक्ष्मी के साथ माता दुर्गा की भी पूजा की जाती है। ज्योतिष शास्त्र मानता है कि इस दिन घर की महिलाएं माता की पूजा करें, तो घर धन धान्य से भरा रहता है। साथ ही शुक्रवार के दिन केले के पेड़ की पूजा करना भी शुभ मानते हैं। आप चाहें तो शुक्रवार के दिन आवले के पेड़ की पूजा और तुलसी की पूजा भी कर सकते हैं।

शनिवार को पूजें पीपल का पेड़- हिन्दू धर्म में शनिवार का दिन भगवान शनिदेव को समर्पित है। इस दिन विधि विधान के साथ शनिदेव की पूजा की जाए तो शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रकोप कम हो जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शनिदेव की पूजा करने से विशेष फल प्राप्त होते हैं। इसके इलावा शनिवार को पीपल के पेड़ की पूजा करना भी बहुत शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार पीपल के पेड़ में सभी देवी देवताओं का वास होता है, इसलिए पीपल के पेड़ की पूजा करने से सभी देवी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। रविवार के दिन किसी विशेष पेड़ की पूजा का महत्व नहीं बताया गया है।

यह ग्रह हो गए प्रसन्न तो पति-पत्नी के बीच नहीं होगी लड़ाई

अक्सर लोग पति पत्नी के बीच के तकरार से परेशान रहते हैं। कई ऐसे नवविवाहित जोड़े से लेकर दंपति हैं जिनके रिश्ते आगे नहीं बढ़ पाते हैं। **इस ग्रह के कारण होती है लड़ाई**

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किस विधि विधान से पूजा करने से पति-पत्नी के बीच के रिश्ते मधुर होते हैं। इस पर विस्तृत जानकारी कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.कुणाल कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि पति पत्नी के बीच में जो संबंध विच्छेद होता है, जिसके कारण गुस्से आते हैं। झगड़ा होताहै। मुकदमा होते हैं। उसका मुख्य कारण मंगल और राहु का दोष होता है। जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न होती है।

करें यह उपाय, बढ़ेगा प्यार

शादी के बाद पति पत्नी के बीच सामंजस के लिए वट सावित्री के पर्व से वटवृक्ष का पूजा करके और वटवृक्ष का जो पल्लव का जो मूल कंद होता है। जिसे मिथिलांचल में टूस्सी कहा जाता है। उसे तीन टूस्सीको तोड़कर अपने आंचल से पूछ कर और पति का ध्यान करके उसका भक्षण करना चाहिए अर्थात उसे खा लेना चाहिए।

चना गुड़ का प्रसाद ग्रहण साथ में करने से दांपत्य जीवन में खुशी और सामंजस बनी रहती है। पूजा विधि की हम बात करें तो साढ़े 13 हाथ का लाल धागा लेकर महिला वट वृक्ष का पूजा करके उसको लपेट दें। उसके बाद जो भक्षण विधि है। वटवृक्ष के टूस्सीका उस विधि को अपनाएं दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी।

नकारात्मक विचार और अशांति दूर करने के लिए देवी पूजा के साथ ही ध्यान जरूर करें

आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि शुरू हो गई है। ये नवरात्रि 27 जून तक रहेगी। इस नवरात्रि में देवी मां की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। ये साधनाएं तंत्र-मंत्र से जुड़े लोग करते हैं। सामान्य लोगों को गुप्त नवरात्रि में देवी मां के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करनी चाहिए। पूजा में मंत्र जप के साथ ही ध्यान भी करेंगे तो नकारात्मकता और अशांति दूर हो जाती है।

महाविद्याएं देवी सती के क्रोध से प्रकट हुई थीं। इस संबंध में एक कथा प्रचलित है। पुराने समय में शिव जी और सती के विवाह से देवी के पिता दक्ष प्रजापति खुश नहीं थे। दक्ष समय-समय पर शिव जी का अपमान करते रहता था। एक दिन दक्ष ने एक यज्ञ आयोजित किया। यज्ञ में शिव जी और सती को छोड़कर सभी देवी-देवताओं और ऋषियों को बुलाया गया था।

जब ये बात सती को मालूम हुई तो सती ने शिव जी से कहा कि वे भी अपने पिता के यहां यज्ञ में जाना चाहती हैं। शिव जी ने समझाया कि हमें आमंत्रण नहीं मिला है, इसलिए हमें वहां नहीं जाना चाहिए। सती पिता के यहां जाने की जिद करने लगीं। शिव जी देवी को बार-बार रोक रहे थे, इस बात से सती गुस्सा हो गईं और दस दिशाओं से देवी की महाविद्याएं प्रकट हो गईं। देवी का क्रोध देखकर शिव जी ने उनका रास्ता छोड़ दिया था। इसके बाद देवी सती दक्ष के यहां पहुंची तो वहां शिव जी का अपमान होते देखकर यज्ञ कुंड में कूदकर अपनी देह त्याग दी। गुप्त नवरात्रि में देवी सती की इन्ही दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। आषाढ़ नवरात्रि में करना चाहिए ध्यान आषाढ़ नवरात्रि के समय मौसम में परिवर्तन होने लगता है। गर्मी खत्म हो रही है और बारिश शुरू हो रही है। ऐसी स्थिति में खान-पान और जीवन शैली के संबंध में सतर्कता रखनी चाहिए। ऐसी चीजे खाने-पीने से बचें, जिनकी वजह से अपच, गैस जैसी समस्या होने की संभावना रहती है। इन दिनों में अशांति दूर करने के लिए ध्यान करना चाहिए। ध्यान से मन शांत होता है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। सकारात्मकता बढ़ती है। सकारात्मकता और शांति के साथ काम करते हैं तो सफलता मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

आदिपुरुष विवाद के बीच दीपिका चिखलिया बनीं माता सीता

बोलीं पब्लिक डिमांड पर वीडियो शेयर किया, फैंस ने कहा- इसके आगे पूरी आदिपुरुष फेल

रिलीज के बाद से ही आदिपुरुष के मेकर्स विवादों में घिर गए हैं। देश भर में फिल्म का विरोध हो रहा है और इसे बैन करने की मांग उठ रही है। इस बीच सोमवार को रामानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया ने सीता के गेटअप में तैयार होकर एक वीडियो शेयर किया है।

चर्चित वीडियो में एक्ट्रेस अपनी ने 36 साल पुरानी साड़ी पहनी है, जो उन्होंने रामायण की शूटिंग के दौरान पहनी थी। विवाद के बीच सोशल मीडिया पर दीपिका का यह वीडियो चर्चा में है। लोग दीपिका की इस वीडियो की तारीफ कर रहे हैं, उनका कहना है कि दीपिका की यह रील पूरी आदिपुरुष से कई गुना ज्यादा बेहतर है।

'यह पोस्ट जनता की डिमांड पर है'- दीपिका

वीडियो शेयर करते हुए दीपिका ने लिखा- 'यह पोस्ट जनता की डिमांड पर है। मैं उस किरदार के लिए मिले प्यार के लिए हमेशा आभारी रहूंगी। मैं सीता जी के रूप में इससे ज्यादा कुछ नहीं मांग सकती हूं।'

दीपिका का यह वीडियो देखकर फैंस बेहद भावुक हो गए हैं। उनका कहना है कि कोई भी दीपिका के जैसे माता सीता का किरदार नहीं निभा सकता और न ही रामानंद सागर की रामायण जैसी रामायण को दोबारा नहीं बनाया जा सकता है। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- मैम आपकी यह एक रील, पूरी आदिपुरुष फिल्म पर भारी पड़ेगी। दूसरे फैन ने कहा- 'किसी से भी 600 करोड़ गुना बेहतर।'तीसरे फैन ने लिखा- इन आदिपुरुष वालों ने तो माता सीता और प्रभु श्री राम भगवान का अपमान कर दिया। हमारे लिए आप ही सीता मां हो।' चौथे फैन ने लिखा- आप सीता मां के रूप में दुनिया में सबसे खूबसूरत मां दिखती हो, आप जो भी वीडियो बनाओ मां सीता के रूप में बनाओ।

'रामायण पर फिल्में सीरियल बनाने बेहतर से है इसे स्कूलों में पढ़ाओ'

दीपिका चिखलिया ने कहा- सीता जी की बहुत इमोशनल जर्नी है। जब भी कोई सीता जी बोलता है, तो मैं किसी और को देख ही नहीं पाती हूं। कभी-कभी मैं खुद अपने आप को ही दिखती हूं। रामायण पर फिल्में और सीरियल बनाने की जगह आपको इसे स्कूलों में बतौर विषय पढ़ाना चाहिए।

कंटेंट की कमी है क्या, तो आप इस पर फिल्म क्यों बना रहे?

दीपिका ने आगे कहा- जो रामायण रामानंद सागर ने बनाई है, उसमें उन्होंने कोई छेड़छाड़ नहीं की है। ऐसा नहीं है कि उसके बाद रामायण नहीं बनी। उसके 10 साल बाद एक और रामायण बनी थी, लेकिन वो उस मुकाम को हासिल नहीं कर पाई। फिल्म मेकर्स पर निशाना साधते हुए दीपिका बोलीं- आपके पास कंटेंट की कमी है क्या, तो आप इस पर फिल्म क्यों बना रहे?

'कोई बच्चा यह देखे, तो उसे यही असल रामायण लगेगी'-

आदिपुरुष पर दीपिका का गुस्सा फूटा है, उन्होंने कहा- 'आप यह गलत कर रहे हैं रामायण धरोहर है, जिसे आप नुकसान पहुंचा रहे हैं। अगर कोई 8-10 साल का बच्चा यह देख ले, तो उसको तो यही लगेगा कि यही रामायण है। तो ऐसी चीजें बनाओं ही मत। सब कुछ अलग करना चाहते हैं, इस चक्कर में कुछ और ही बनकर तैयार हो जाता है, दिखाना है तो चौपाइयां दिखाइए रामायण नहीं।'

साउथ सुपरस्टार राम चरण बने पिता

साउथ सुपरस्टार राम चरण और पत्नी उपासना कोनिडेला पहली बार पेरेंट बने हैं। 20 जून को उनके घर बेटी का जन्म हुआ है। अस्पताल के बुलेटिन के जरिए इस खबर की जानकारी दी गई, जिसमें लिखा है- मिसेज उपासना कामिनेनी और राम चरण को 20 जून 2023 को अपोलो अस्पताल जुबली हिल्स हैदराबाद में एक बेटी हुई। बच्चा और मां दोनों ही अच्छे हैं। राम चरण और उपासना ने दिसंबर में सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस के साथ यह गुड न्यूज शेयर की थी।

उपासना और राम चरण ने शादी के 11 साल बाद अपने पहले बच्चे का वेलकम किया है। राम चरण के पिता सुपरस्टार चिरंजीवी और उनका पूरा परिवार अपनी पोती का स्वागत करने के लिए मंगलवार की सुबह कपल से मिलने हॉस्पिटल पहुंचा। इसके अलावा सोमवार रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें राम अपनी पत्नी के साथ हॉस्पिटल में एंट्री करते हुए नजर आ रहे हैं। बेटी के जन्म की खबर मिलते ही राम चरण के फैंस खुशी से झूम उठे हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें फैंस हॉस्पिटल के बाहर जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। ट्विटर पर #megastarprinces ट्रेंड कर रहा है।

उपासना ने बताई थी 10 साल बाद मां बनने की वजह

हाल ही में ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक साक्षात्कार में उपासना ने लेट प्रेग्नेंसी के बारे में खुलकर बात की थी। उसने कहा, 'मैं बहुत एक्साइटेड हूं और मुझे बहुत गर्व भी है कि मैंने मां बनने का फैसला किया जब हम चाहते थे, न कि हम समाज के हिसाब से चले। हमारी शादी के दस साल बाद, हमने अब हमने पेरेंट बनने का फैसला किया है और मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छा समय है क्योंकि हम दोनों आर्थिक रूप से सुरक्षित हैं और हम अपने बच्चों की देखभाल खुद कर सकते हैं।

चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पर शेयर की थी प्रेग्नेंसी की न्यूज

राम चरण के पिता मेगास्टार चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिसंबर में यह अनाउंसमेंट की थी कि उपासना और राम जल्द ही पहले बच्चे के पेरेंट बनने जा रहे हैं। ट्विटर पर उन्होंने लिखा था, 'श्री हनुमान जी के आशीर्वाद से, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उपासना और राम चरण अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। प्यार और आभार के साथ, सुरेखा और चिरंजीवी कोनिडेला। शोभना और अनिल कामिनेनी।'

राम चरण ने भी अपने पोस्ट में यही पोस्टर शेयर किया था। जिस पर लिखा था, 'श्री हनुमान जी के आशीर्वाद के साथ हमें ये बताते हुए खुशी हो रही है कि उपासना और राम चरण अपना पहला बच्चा एक्सपेक्ट कर रहे हैं।' इसके साथ पोस्टर में कपल के माता-पिता का नाम भी लिखा है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के प्रोड्यूसर असित मोदी के खिलाफ एफआईआर

यौन शोषण का आरोप, पवई पुलिस ने मामले की जांच शुरु की

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के प्रोड्यूसर असित मोदी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। अब इस मामले में असित मोदी और दो अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, शो में मिसेज सोढ़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस जेनिफर ने पिछले महीने प्रोड्यूसर असित मोदी, एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जतिन बजाज और ऑपरेशन हेड सोहेल रमानी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। वहीं, जेनिफर से पूछताछ के बाद पुलिस ने मामले में तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस की ओर से जारी की जानकारी के मुताबिकपवई पुलिस ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा के प्रोड्यूसर असित मोदी, सोहेल रमानी और जतिन बजाज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 354 और 509 के तहत कार्यवाही होगी। फिलहाल इस केस में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की हई है।

पवई पुलिस ने दर्ज किया था जेनिफर का बयान

बीते महीने पवई पुलिस ने यौन उत्पीड़न मामले में असित मोदी के साथ-साथ दो लोगों के खिलाफ एक्ट्रेस का बयान दर्ज किया था। पवई पुलिस ने बताया था कि एक्ट्रेस के स्टेटमेंट के बाद इस मामले में उन्होंने असित और सोहेल रमानी को अपना स्टेटमेंट दर्ज करवाने के लिए समन भी भेजा था। हालांकि, असित ने एक्ट्रेस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को गलत बताते हुए बयान जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा -'हम उनके खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे। वह हमें और शो दोनों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि उनका कॉन्ट्रैक्ट हमारे साथ खत्म हो गया है, इसलिए वह हम पर ऐसे बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं।'

25 मई को जेनिफर से 6 घंटों तक चली थी पूछताछ

जेनिफर से 25 मई को पुलिस ने पूछताछ की थी इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया था कि वो मुंबई वापस आ गई हैं और उन्हें पवई पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया, जहां करीब 6 घंटे तक स्टेशन में उनके सवाल-जवाब किए गए और उन्होंने अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया।

जेनिफर मिस्त्री ने कहा- 'मुझे मुंबई आना पड़ा क्योंकि मुझे पुलिस ने बुलाया था। मैं पुलिस स्टेशन गई और अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड करवाया। मैं दोपहर 12 बजे पहुंची थी और शाम के 6:15 पर निकली हूं। मैंने उनके बारे में सब कुछ बताया है। मैं वहां करीब 6 घंटे तक थी। अब कानून अपना काम करेगा।'जेनिफर ने आगे बताया- 'उन्होंने मुझसे कहा है कि वो मुझे बताएंगे अगर कुछ जरूरत होगी या फिर मुझे जाना होगा या नहीं। फिलहाल के लिए मैंने अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड करवा लिया है। देखते हैं कि आगे क्या होता है।'

प्रोडक्शन कंपनी ने जेनिफर के आरोपों को बताया था गलत

जेनिफर ने असित मोदी सुहेल और जतिन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद प्रोडक्शन हाउस ने एक बयान जारी कर एक्ट्रेस पर अनुशासनहीन, अपमानजनक और सेट पर लोगों के साथ बुरा बर्ताव करने का आरोप लगाया था।

तमन्ना ने 'जी करदा' में इंटीमेट सीन्स पर तोड़ी चुप्पी बताया- क्यों जरूरी था ये सब

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इस वक्त अपनी लेटेस्ट वेब सीरीज 'जी करदा' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में तमन्ना ने सुहेल नय्यर इंटीमेट सीन दिए हैं। शो की कहानी शादी की जटिलता पर बेस्ड है। दोनों ने इस वेब सीरीज में कुछ ऐसे पोज दिए हैं, जिसमें वे एक-दूसरे में खोए हुए दिखे हैं। ये पहली बार है जब तमन्ना ने केमरे के सामने इतने इंटीमेट सीन दिए हैं। उन्हें इन सीन्स के लिए काफी कुछ सुनने को मिल रहा हैं। लेकिन इसी क्रम में तमन्ना ने अब अपने ऐसे सीन पर खुलकर बातें की हैं। उन्होंने कहा है कि ये सीन क्यों जरूरी थे।

तमन्ना ने मीडिया से बातचीत करते हुए अपने इस सीन के बारे में अपना विचार रखा है और कहा कि ये सीन इसलिए रखे गए ताकि लोगों को गुदगुदाया जा सके और उनका ध्यान खींचा जा सके। उन्होंने कहा, 'ये सीन इन लोगों की जर्नी को बताने के लिए काफी अहम हैं। जब आप किसी रिलेशनशिप ड्रामा को दिखाते हैं तो ये उसका इतना महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि ये सच्चाई है।'

तमन्ना ने बातचीत में आगे कहा, 'भले ही लोग पसंद करें या न करें, ये ऐसा ही है। सुहेल ने इस सीन को मेरे लिए कम्फर्टेबल कर दिया। लावण्या और ऋषभ के किरदार में डूबने के लिए किसी तरह की रुकावट मेरे और सुहेल की तरफ से नहीं थी। मुझे लगता है कि हम दोनों समझ गए थे कि ये लोग एक-दूसरे को इस तरह से जानते हैं कि शायद उनके जीवन में कोई और उन्हें इतनी गहराई से नहीं जानता होगा। इसलिए एक नॉन-इंटीमेट सीन में भी हमारी फिजिकैलिटी ऐसी थी जैसे हम एक हों। हमारे लिए सेट पर इंटीमेसी को-ऑर्डिनेटर थे लेकिन अरुणिमा ने इसे हम दोनों के लिए काफी कम्फर्टेबल बना दिया।'

वहीं सुहेल ने माना कि जब तमन्ना के साथ इंटीमेट सीन की शूटिंग हो रही थी तो वह काफी नर्वस थे।सुहेल ने भी एक्ट्रेस की तारीफ की और यही कहा कि उन सीन की शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस ने उन्हें काफी कम्फर्टेबल कर दिया। बात करें 'जी करदा' की तो यह सीरीज आज, 16 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। अरुणिमा शर्मा के निर्देशन वाली यह सीरीज आठ एपिसोड लंबी रोमांटिक-ड्रामा वेब सीरीज है, जिसमें तमन्ना भाटिया, सुहैल नय्यर, आशिम गुलाटी और अन्या सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सलमान की आंख में सूजन देख फैंस हुए परेशान

पूछा- सब ठीक तो है भाईजान? करण देओल के वेडिंग रिसेप्शन में पहुंचे थे

सलमान खान ने हाल ही में सनी देओल के बेटे करण देओल की रिसेप्शन पार्टी में शिरकत की थी। भाईजान का एंट्री करते हुए एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वह पैपराजी को पोज दे रहे थे। लेकिन, सलमान का वीडियो सामने आते ही फैंस उनके लिए थोड़ा परेशान होते हुए नजर आए।

पार्टी में सलमान नेवी ब्लू सूट में नजर आ रहे हैं। वह मीडिया वालों को पोज दे रहे थे। इस दौरान फैंस को उनकी आंखों में सूजन दिखाई दिया। इस बात को लेकर उनके प्रशंसक काफी चिंतित हो रहे।

वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, भाईजान को क्या हुआ, सब ठीक तो है'। दूसरे ने लिखा, 'सलमान की आंखें देख कर लग रहा की वो बहुत थके हुए हैं'। तो वहीं तीसरे ने लिखा, 'भाईजान की बाईं आंख में कोई दिक्कत है'।

देओल फैमिली से अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं सलमान

बता दें, सलमान देओल परिवार के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। सलमान और सनी देओल ने साल 1996 में रिलीज हुई फिल्म

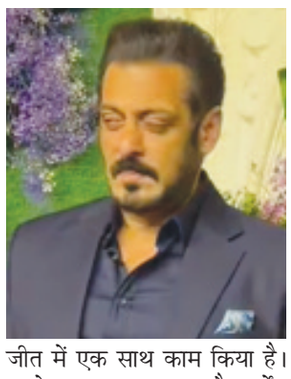

जीत में एक साथ काम किया है। इसके अलावा सलमान और धर्मेंद्र ने फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' में सिल्वर स्क्रीन भी साझा की थी।

सलमान खान का वर्क फ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में सलमान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था।

अब उनकी अगली फिल्म 'टाइगर 3' है जिसमें वे इमरान हाशमी और कटरीना कैफ के साथ नजर आएंगे। ये फिल्म इसी साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इसमें शाहरुख खान भी कैमियो रोल में होंगे।

रश्मिका मंदाना से ठगी मात्र अफवाह

एक्ट्रेस के करीबी सूत्रों ने खोली खबर की पोल-पट्टी

'पुष्पा' की 'श्रीवल्ली' बन लोगों का दिल जीतने वाली रश्मिका मंदाना अपने हुस्न और हुनर के कारण तो अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं, लेकिन बीते दिन जो एक चीज सुर्खियां बटोर रही थी वह उनके साथ हुई ठगी थी। जी हां, कल पूरे दिन रश्मिका मंदाना उनके साथ उनके मैनेजर द्वारा की गई 80 लाख रुपये की ठगी के कारण लाइमलाइट में बनी हुई थीं। हालांकि, अगर अब आपको पता लगे कि यह मामला महज एक अफवाह था या ऐसा कभी कुछ नहीं हुआ तो आपको कैसा लगेगा?? यह हम नहीं बल्कि रश्मिका मंदाना का एक करीबी सूत्र कह रहा है, जिसने हाल ही में इन खबरों को निराधार बताया है। बीते दिन आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रश्मिका मंदाना ने हाल ही में लंबे समय से साथ रहे उनके मैनेजर को काम से निकाल दिया है। ऐसा रश्मिका ने इसलिए किया क्योंकि उसने उनके साथ 80 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री के करियर की शुरुआत से उनके साथ रहे मैनेजर को धोखाधड़ी का मामला सामने आने के बाद निकाल दिया गया था। रिपोर्ट्स में कहा गया था, 'रश्मिका के साथ उनके मैनेजर ने 80 लाख रुपये की ठगी की है। वह इसे ज्यादा बड़ा मुद्दा नहीं बनाना चाहती थीं। इसलिए, उन्होंने अपने मैनेजर को निकाल कर खुद ही इस मामले को निपटा लिया।' हालांकि, अब जो नई रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं उनमें दावा किया जा रहा है कि इनमें कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल, रश्मिका के करीबी सूत्रों ने अब इन खबरों को खारिज कर दिया है और दावा किया है कि रश्मिका और उनकी मैनेजर अब साथ काम नहीं करेंगे। लेकिन ठगी जैसा कुछ भी नहीं है। इसके साथ ही उनके पास 'पुष्पाः द रूल' भी है, जिसमें वह अपना 'श्रीवल्ली' का किरदार दोबारा निभाती नजर आएंगी।

रिश्ते में नहीं बचा है पार्टनर का विश्वास तो फॉलो करें ये रिलेशनशिप टिप्स

स्ट्रॉन्ग रिलेशनशिप की नींव प्यार और विश्वास पर टिकी होती है. वहीं प्यार या विश्वास ना होने पर रिश्ते में खटास आने लगती है. ऐसे में कई कपल्स के बीच में बेशुमार प्यार देखने को मिलता है, मगर इसके बावजूद कुछ लोगों का पार्टनर पर से विश्वास उठ जाता है. हालांकि, अगर आप चाहें तो कुछ रिलेशनशिप टिप्स की मदद से ना सिर्फ टूटे हुए यकीन को फिर से कायम कर सकते हैं, बल्कि पार्टनर के साथ अपने रिश्ते को भी मजबूत बना सकते हैं.

गलती को एक्सेप्ट करें

रिश्ते में विश्वास कायम रखने के लिए सबसे पहले अपनी गलती एक्सेप्ट करना सीखें. ऐसे में अगर आपने पार्टनर को धोखा दिया है. तो सबसे पहले पार्टनर के सामने अपनी गलती मानें और पार्टनर को हर्ट करने के लिए माफी मांगे. साथ ही अपनी गलतियों का दोष दूसरों को देने की बजाए खुद उसकी जिम्मेदारी लें. इससे पार्टर के प्रति आपकी लॉयलटी साफ झलकेगी और आपका रिश्ता पहले से भी मजबूत हो जाएगा.

पार्टनर को मनाएं

आमतौर पर गलती होने के बाद लोगों को नुकसान की भरपाई करनी पड़ती है. यही धारणा रिश्तों में भी लागू होती है. ऐसे में अगर आपने पार्टनर को हर्ट किया है. तो उन्हें मनाने की जिम्मेदारी भी आपकी ही है. इसलिए पार्टनर की तरफ पहला कदम बढ़ाने की कोशिश करें और उनसे दूसरा मौका मांगे. जिससे आप अपने रिश्ते को नए आयाम पर ले जा सकेंगे.

रिश्ते में रखें ट्रांसपेरेंसी

कई बार पार्टनर को हर्ट करने के बाद भी लोग सच नहीं बोलते हैं. जिसके चलते पार्टनर चाहकर भी आप पर विश्वास नहीं कर पाता है. इसलिए रिश्ते में यकीन बरकरार रखने के लिए ट्रांसपेरेंसी का होना बेहद जरूरी है. ऐसे में पार्टनर से झूठ बिल्कुल ना बोलें और पार्टनर के हर सवाल का सच-सच जवाब दें. इससे पार्टनर को आप पर भरोसा होने लगेगा और आपका रिश्ता फिर से मजबूत बन जाएगा.

पार्टनर को समय दें

रिश्ते में टूटा हुआ विश्वास वापस पाने के लिए जल्दबाजी बिल्कुल ना करें. आमतौर पर विश्वास एक झटके में टूट जाता है. मगर इसे वापस पाने के लिए लोगों को लम्बा वक्त लग सकता है. इसलिए धैर्य से काम लें और पार्टनर को सोचने के लिए पूरा समय दें. इससे पार्टनर को खुद ब खुद आप पर यकीन होने लगेगा.

पार्टनर को यकीन दिलाएं

रिश्ते में विश्वास टूटने के बाद इसे जुड़ने में काफी समय लगता है. मगर इस दौरान आपका पश्चाताप करना और पार्टनर के प्रति सहानुभूति रखना जरूरी हो जाता है.

इसलिए पार्टनर से अपने किए का पश्चाताप करें और पार्टनर के सामने ज्यादा से ज्यादा ईमानदार रहें. जिससे आपके रिश्ते में विश्वास फिर से जगह बना लेगा।

ज्वेलरी साफ करने के नाम पर ठगते हैं दुकानदार

हल्दी-नीबू से लौटेगी सोने-चांदी की चमक, आजमाएं ये घरेलू टिप्स

वक्त के साथ सोने-चांदी के गहनों की चमक फीकी पड़ जाती है। इन्हें साफ कराने के लिए हम सुनार के पास जाते हैं। कई बार इन गहनों को चमकाने के नाम पर सुनार ठगी भी कर लेते हैं। जिसके बारे में ज्यादातर लोगों को पता भी नहीं चल पाता है।

पर कुछ लोगों को सुनार से अपने गहने साफ कराने में डर लगता है। असल में कई घटनाएं ऐसी हो चुकी है, जिनमें सोनार सोना काट लेते हैं, चोरी कर लेते हैं या नकली दे देते हैं। जिसकी वजह से लोग दुकानों पर अपने गहने को साफ करवाने से बचते हैं। ऐसा नहीं सभी सोनार एक जैसे ही होते हैं कभी कभार या जल्द-बाजी में आप अपने विश्वसनीय सोनार पर भरोसा कर सकते हैं।

रेगुलर पहने जाने वाले गहनों या चीजों को महीने में एक बार जरूर साफ करना चाहिए। इसके अलावा जिनकी चमक कम होने लगी है या काले पड़ने लगे हैं, उन्हें साफ कर सकते हैं। सोना तो नहीं पर चांदी बहुत जल्द काली पड़ने लगती है और देखने में भी गंदी लगने लगती है। इसलिए सोने से ज्यादा चांदी को जल्दी-जल्दी साफ करना पड़ता है।

अब एक-एक कर समझते हैं सोना-चांदी चमकाने के उपाय

सोने के गहने

सोने के गहनों की चमक शरीर से निकलने वाले पसीने और गंदगी के संपर्क में आने से कम होने लगती है। इसके साथ ही मेकअप, परफ्यूम, मॉइस्चराइजर या कॉस्मेटिक भी सोने के गहनों की चमक को कम कर देते हैं।

चांदी के गहने

चांदी कई दिनों तक जब खुली हवा के कॉनटैक्ट में आती है तो काली पड़ने लगती हैं। चांदी का हवा में मौजूद सल्फर के साथ रिएक्शन होता है। जिससे सिल्वर सल्फाइड की परत बन जाती है जो काले रंग की होती है। इसलिए चांदी काली दिखने लगती है।

सोने-चांदी के गहने धोने के दौरान और बाद में बरतें ये सावधानियां

नग वाली चीजों को आगे से नहीं, बल्कि पीछे से हल्के हाथों से ब्रश से रगड़ें। जिससे नग या मोती न निकलें।

सोने-चांदी के गहने किसी बर्तन या कन्टेनर में ही साफ करें। डायरेक्ट वॉश बेसिन में न धोएं। ताकि नग, छोटे गहने पानी के बहाव में न बहें।

गहनों को साफ पानी से धोने के बाद एक मुलायम, साफ और सूखे कपड़े या तौलिया में आराम से लपेट दें। जिससे वो सूख जाए और पानी के दाग न बने।

गहनों के सूख जाने के बाद ज्वेलरी बॉक्स में ठीक तरह से स्टोर करके रखें। आप चाहें तो इसे रुई में लपेट कर भी रख सकते हैं।

गहनों को अलग-अलग रखें। इससे गहनों के टूटने और स्क्रैच आने का रिस्क नहीं रहेगा।

रोज साइकिल चलाने से पेट की चर्बी हो जाएगी गायब, दिल भी बनेगा मजबूत

वर्तमान में हम सब बहुत ही अलसी हो गये है, जिसके कारण हमारा शरिर बहुत ही सुस्त हो गया है। अगर हम साइकिल चला ले तो हम कई बीमारियों से बच सते है। साइकिल चलाना स्वस्थ रहने का सबसे आसान तरीका है. यह एक एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को बहुत से लाभ मिलते हैं. आप साइकिल चलाकर अपनी हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं और जरूरी काम भी कर सकते हैं. साइकिल चलाने से आपका शरीर एक्टिव रहता है और कई बीमारियों से राहत मिलती है. साइकिल चलाना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है. लोग अपनी उम्र और क्षमता के अनुसार प्रतिदिन साइकिल चला सकते हैं. अगर आप भी फिट रहना चाहते हैं और वजन कंट्रोल करना चाहते हैं, तो दिन में कुछ वक्त साइकिलिंग जरूर करें. आज आपको रोज साइकिल चलाने के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें जानकर आप हैरान रह जाएंगे.

वजन कम करने में कारगर

रोज साइकिल चलाने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है. जिन लोगों के पेट पर चर्बी जमा है, उन्हें भी साइकिल चलाने से पेट का मोटापा कम करने में आसानी हो सकती है. हेल्थलाइन की रिपोर्ट के अनुसार तेज साइकिल चलाने से आपके शरीर में फैट का स्तर कम होता है.

इससे वजन को कंट्रोल किया जा सकता है. कई स्टडी में पता चला है कि नियमित साइकिलिंग से आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिल सकता है. इससे मांसपेशियों का निर्माण हो सकता है और आराम करते समय भी अधिक कैलोरी बर्न कर सकते हैं.

पैरों को मिलती है मजबूती

रोज साइकिल चलाने से आपके पैरों को मजबूती मिलती है. साइकिल चलाने से आपके निचले शरीर में ओवरऑल सुधार होता है. इससे आपके जॉइंट्स पर दबाव नहीं पड़ता है और आपके पैर की मसल्स मजबूत हो जाती हैं. अपने पैरों को और भी मजबूत बनाने और अपने साइकिल चलाने के साथ वेटलिफ्टिंग जैसी कई अन्य एक्सरसाइज कर सकते हैं. यदि आप किसी चोट या बीमारी से उबर रहे हैं, तो आप कम तीव्रता से साइकिल चला सकते हैं. जैसे-जैसे आप अधिक फिट होते जाते हैं, आप तीव्रता बढ़ा सकते हैं.

कोलेस्ट्रॉल हो सकता है कम

साइकिल चलाने के स्वास्थ्य-वर्धक प्रभाव कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सुधारने में मदद कर सकते हैं. साइकिल चलाने से आपके स्ट्रोक और दिल के दौरे की आशंका कम हो सकती है. एक स्टडी में यह बात सामने आई थी कि इनडोर साइकिलिंग का टोटल कोलेस्ट्रॉल पर पॉजिटिव असर पड़ता है. साइकिल चलाने से एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल कम होता है. इससे एचडीएल यानी गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है.

बढ़ती है ब्रेन पावर

साइकिल चलाने से तनाव, एंजाइटी और डिप्रेशन जैसी फीलिंग्स को कम करने में मदद मिलती है. साइकिल चलाते समय सड़क पर ध्यान केंद्रित करने से आपको एकाग्रता और जागरुकता डेवलप करने में मदद मिल सकती है.

एक अध्ययन में पाया गया कि साइकिल चलाने से वृद्ध वयस्कों की मेंटल हेल्थ में काफी सुधार होता है. अगर आप सुस्त महसूस करते हैं, तो कम से कम 10 मिनट के लिए साइकिल जरूर चलाएं. यह आपके शरीर में एंडोर्फिन हॉर्मोन को बढ़ावा देता है, जिससे तनाव कम होता है और लोग बेहतर महसूस करने लगते हैं. एक बार साइकिल चलाने को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बना लेने के बाद आप अधिक आत्मविश्वास और संतुष्ट महसूस कर सकते हैं.

कई बीमारियों से होता है बचाव

साइकिल चलाने से बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है और कई बीमारियों से राहत मिलती है. रोज साइकिल चलाने से दिल से संबंधी समस्याओं जैसे स्ट्रोक, दिल का दौरा और हाई ब्लड प्रेशर को रोकने में मदद मिलती है. साइकिल चलाने से टाइप 2 डायबिटीज को रोकने और कंट्रोल करने में भी मदद मिल सकती है. एक शोध से पता चलता है कि नियमित रूप से साइकिल चलाने से शुगर वाले लोगों की मृत्यु दर 24% तक कम हो सकती है.

घर-ऑफिस के बीच सेहत का भी रखें ध्यान महिलाएं इन तरीकों से रहें फिट

कई महिलाएं घर और ऑफिस को मैनेज करने के चक्कर में अपनी सेहत के साथ लापरवाही बरतने लगती हैं। कामकाजी महिलाओं के साथ अक्सर ये समस्या होती है कि वे खुद का ख्याल रखने के लिए वक्त नहीं निकाल पाती. खासतौर पर अगर उनके घर में छोटे बच्चे हैं तो उनके लिए समय के अभाव की समस्या होती है और इसे मैनेज करने के चक्कर में वे खुद के खानपान और रुटीन के साथ लापरवाही कर जाती है. जिस वजह से उन्हें दिनभर थकान और कमजोरी की समस्या से जूझना पड़ता है. ऐसे में अगर आप भी इन दिनों थकान और कमजोर से जूझ रही हैं तो खुद के रुटीन में कुछ बदलाव लाएं और बेहतर महसूस करें.

रेग्युलर खाएं खाना

एनएचएस के मुताबिक अपने एनर्जी लेवल को बढ़ाए रखने के लिए जरूरी है कि आप खाने को लेकर लापरवाही ना बरतें. बेहतर होगा कि आप लार्ज मील के साथ साथ हर 4 से 5 घंटे के अंतराल पर हेल्दी स्नैक्स लेते रहें.

एक्टिव रहें

अगर आप रोज 15 मिनट वॉक भी करें तो यह आपके एनर्जी लेवल को बढ़ाने का काम करता है. इसलिए बेहतर होगा कि आप दिन की शुरुआत वॉकिंग, जॉगिंग या एक्सरसाइज के साथ करें.

वजन घटाएं

अगर आपका वजन बढ़ गया है तो इससे आप जल्दी थकान महसूस करती होंगी. इसलिए वजन कम करने का प्रयास करें. आप पाएंगी कि वजन कम करने पर आप अधिक एनर्जी से भरा महसूस करेंगी.

अच्छी नींद जरूरी

रात में अच्छी नींद लें और प्रयास करें कि रोज एक टाइम पर ही उठें. बेहतर होगा कि आप दिन में सोने से बचें. रात में सोने से पहले थोड़ा रिलैक्स करने का प्रयास करें.

तनाव के असर को करें कम

तनाव हमारे जीवन का हिस्सा है, इसे तो नहीं कम किया जा सकता लेकिन इसके असर को आप कम कर सकते हैं. इसलिए आप दोस्तों के साथ वक्त गुजारें, योगा आदि करें, संगीत सुनें और कुछ अच्छा पढ़ें.

कैफीन से बनाएं दूरी

अगर आप एक महीने से कैफीनयुक्त चीजों से दूरी बनाएं तो आप थकान कम महसूस करेंगे. इसके लिए बेहतर होगा कि आप चाय, कॉफी, कोक आदि का कम सेवन करें.

हाइड्रेटेड रहें

कम बार आप कम पानी पीने की वजह से थकान और चक्कर महसूस करते हैं. इसलिए बेहतर होगा कि आप हर वक्त खुद को हाइड्रेट रखें और अल्कोहल आदि से दूरी बनाएं.

बच्चा रहेगा चुस्त- दुरुस्त, नहीं चुराएगा पढ़ाई से भी मन! बस इस तरीके से खिला दें अश्वगंधा

आज के जमाने में बच्चों पर तनाव बहुत ही ज्यादा है। पढ़ाई से लेकर खेल- कूद तक में आगे रहने की इन मासूमों से उम्मीद रखी जाती है। वहीं बढ़ता प्रदूषण और जंक फूड के सेवन से बच्चों का विकास भी अच्छे से नहीं हो पाता। वैसे तो बाजार में कई सारे प्रोडक्ट्स मिलते हैं जो बच्चों को चुस्त- दुरुस्त बनाने के साथ बेहतर विकास का दावा करते हैं, लेकिन आज के जमाने में जहां हर चीज में मिलावट है, तो इन प्रोडक्ट्स पर कैसे भरोसा करें। लेकिन हम आयुर्वेद पर तो भरोसा कर सकते हैं ना। हम बात कर रहे हैं अश्वगंधा की। ये बच्चों के लिए बहुत ज्यादा लाभकारी है...

क्या है अश्वगंधा

अश्वगंधा युगों से चली आ रही एक ऐसी आयुर्वेदिक औषधि है जिस का इस्तेमाल पुराने समय पर ऋषि-मुनि भी करते आए हैं। ये भारत के अलावा मध्य पूर्व और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उगती है। अश्वगंधा नाम संस्कृत के शब्द अश्व से लिया गया है, जिसका अर्थ घोड़ा या गंध होता है। बता दें कि ये मानव शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

अश्वगंधा का फायदे

1. आजकल बच्चों की लाइफ भी बहुत ही तनाव पूर्ण होती है। स्कूल, हॉमवर्क, टूशन, एग्जाम का स्ट्रेस उनको बहुत थका देता है। सिर्फ दूध और नॉर्मल खाने से उनकी ग्रोथ अच्छे से नहीं होगी। उनकी स्टैमिना को बढाने के लिए अश्वगंधा मददगार है।

2. शरीर का तनाव होता है कम।

3. ये दिमाग को तेज करता है, साथ ही में ही चिंता और डिसऑर्डर से लड़ने में मदद करता है।

4.ये दिल की हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छा है। जंक फूड से होने वाले हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर, सीने में दर्द जैसी खतरनाक बीमारियों का लाभकारी उपचार है।

5. बच्चों की बढती उम्र में ही हाइट बढ़ती है।

पेरेंट्स भी इस दौरान उनको बाजार में मिलने वाले कई तरह के ग्रोथ ड्रिंक देते हैं, लेकिन ये मिलावटी होते हैं और फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकते हैं, इससे बेहतर आप बच्चों को अश्वगंधा का पाउडर दें।

6. ये पाचन तंत्र को भी अच्छा रखता है । इससे जब बच्चा खाना खाएगा तो वो उसे लगेगा और उसका वचन उम्र के हिसाब से अच्छी तरह से बढ़ेगा।

कैसे दें बच्चों को अश्वगंधा

बच्चों को अश्वगंधा पाउडर के रूप में पानी, शहद या फिर घी में मिलाकर दे सकती हैं। शुरूआती तौर में बच्चों को थोड़ी मात्रा में ही अश्वगंधा दें। इसका सेवन डॉक्टर से सलाह लेकर ही कराएं। ध्यान रखें बच्चे को एक दिन में 1-2 ग्राम से ज्यादा अश्वगंधा न खिलाएं।

सत्तू का पराठा बनाने की आसान रेसिपी

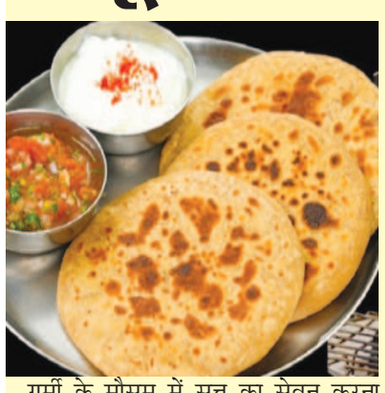

गर्मी के मौसम में सत्तू का सेवन करना आपके शरीर के लिए बहुत अच्छा होता है। यह आपको ठंडक देने के साथ-साथ शरीर में एनर्जी भी देता है। वैसे तो लोग इसका ड्रिंक बनाकर पीना ज्यादा पसंद करते हैं, पर कई जगह सत्तू का पराठा बनाकर नाश्ते में खाया जाता है। अगर आप नाश्ते में इसे खाते हैं तो इससे पाचनक्रिया बेहतर बनी रहती है। इसके साथ ही ये पेट से जुड़ी कई परेशानियों को भी दूर करता है। तो चलिए जानते है इसे बनाने की रेसिपी।

सामग्री

सत्तू– 2 कप
गेहूं का आटा- 3 कप
अजवाइन- आधा चम्मच
लहसुन– 5 कूटी हुई
प्याज – दो बारीक कटे
अदरक- एक चम्मच बारीक कटे
अमचूर– एक चम्मच
हरी मिर्च- 2 से 3 बारीक कटी हुई
नींबू- एक
हरी धनिया– 2 से 3 चम्मच कटी हुई
नमक– स्वादानुसार
घी- दो चम्मच
सरसों तेल– आधा कटोरी

बनाने की विधि

1 गेहूं के आटे में घी, नमक और पानी मिलाकर आटा गूंथ लें।

2 फिर सत्तू का मसाला तैयार करने के लिए एक कटोरी लें।

3 इसमें सत्तू सहित सारी सामग्री को एक साथ मिलाएं।

4 पराठा बनाने से पहले आटे को फिर से एक बार गूंथ लें।

5 आलू पराठे की तरह इसमें सत्तू का मसाला भरें और हल्के हाथ से बेलें।

6 जब ये बन जाए तो गर्म तवे पर इसे सुनहरा होने तक सेकें।

7 अचार और दही के साथ इसे गर्मागर्म ही सर्व करें।

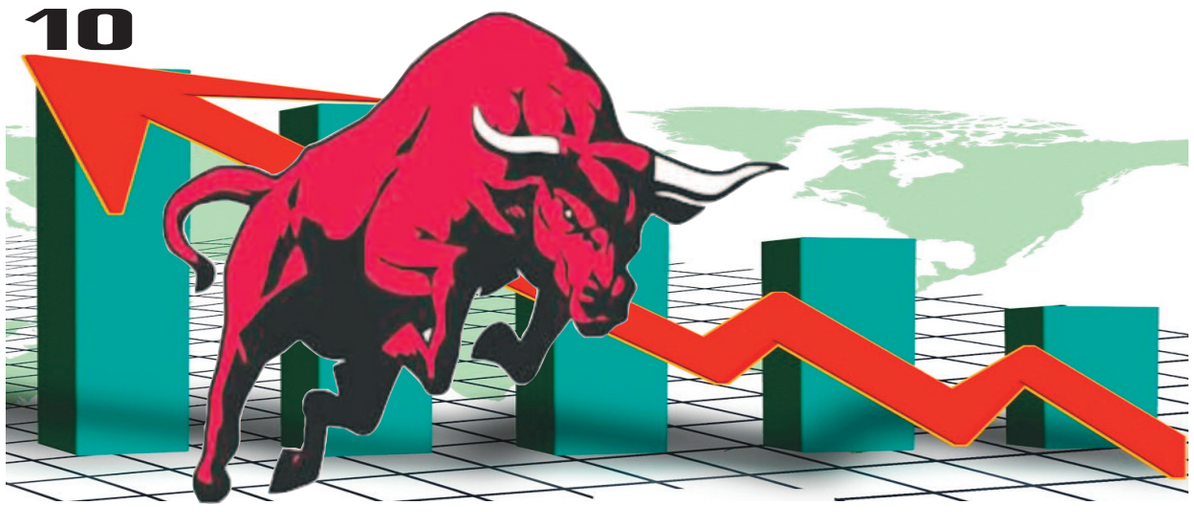

ट्रकों में ड्राइवर के लिए एसी केबिन अनिवार्य

गडकरी ने कहा चालकों की भूमिका अहम

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ट्रकों में ड्राइवरों के लिए वातानुकूलित (एसी) केबिन को जल्द ही अनिवार्य बनाया जाएगा। भारतीय ड्राइवरों पर आधारित पुस्तक 'देश चालक' के विमोचन के मौके पर सोमवार को गडकरी ने कहा कि परिवहन क्षेत्र में ड्राइवरों की भूमिका अहम होती है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है।उन्होंने कहा कि ड्राइवरों के काम करने और उनकी मानसिक स्थिति से जुड़े मुद्दों के त्वरित समाधान की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर दुख जताया कि ट्रक ड्राइवरों को भीषण गर्मी में भी काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा, मैं लंबे

समय से ट्रक ड्राइवरों के लिए एसी केबिन के मुद्दे को आगे बढ़ा रहा हूं। कुछ लोग इसका विरोध करते हैं और कहते हैं कि इससे लागत बढ़ जाएगी। लेकिन यहां आने से पहले मैंने फाइल पर हस्ताक्षर कर दिया है कि अब से ट्रकों में ड्राइवर के केबिन वातानुकूलित होंगे।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ड्राइवरों के काम करने की स्थिति में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि अधिक ड्राइविंग स्कूलों की स्थापना करके चालकों की कमी को दूर करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि चालकों की कमी के कारण भारत में ड्राइवर लगातार 14-16 घंटे काम कर रहे हैं, जबकि अन्य देशों में उनके काम के घंटे तय हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और इसके लिए लॉजिस्टिक्स बहुत महत्वपूर्ण है। भारत के निर्यात को बढ़ाने के लिए लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करने की आवश्यकता है। गडकरी ने कहा कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में हमारी लॉजिस्टिक्स लागत 14-16 प्रतिशत है। चीन में यह 8-10 प्रतिशत है, यूरोपीय देशों और अमेरिका में यह 12 प्रतिशत है। अगर हमें निर्यात बढ़ाना है तो हमें लॉजिस्टिक्स लागत में कटौती करनी होगी।

आईटी मंत्री बोले- 2025-26 तक जीडीपी में 25 फीसदी तक होगा प्रौद्योगिकी क्षेत्र का हिस्सा

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। भारत में पिछले 9 साल में डिजिटल अर्थव्यवस्था का तेजी से विस्तार हुआ है। इस समय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां भारतीय उद्यमी और स्टार्टअप मौजूद नहीं है। इस विविधता को देखते हुए सरकार ने 2025-26 तक देश के जीडीपी में प्रौद्योगिकी का हिस्सा बढ़ाकर 20-25 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने वैश्विक भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवर संघ के सम्मेलन में भारतीय-अमेरिकी उद्यमियों से कहा, 2025-26 तक भारतीय अर्थव्यवस्था 5 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी। इसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान एक लाख करोड़ डॉलर या 20 फीसदी होगा। यह लक्ष्य पाने के लिए पीएम मोदी की अगुवाई में सरकार काम कर रही है। इसलिए, भारतीय-अमेरिकी उद्यमी भारत में आकर निवेश करें। एजेंसी

प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सरकार की बड़ी उपलब्धि

आईटी मंत्री ने कहा, प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में एक है। इससे न सिर्फ शासन व्यवस्था में बदलाव आया है बल्कि दशकों से फैले भ्रष्टाचार पर काबू पाने में मदद मिली है। लोगों तक पेंशन और अन्य सरकारी वित्तीय सुविधाओं का लाभ पहुंच रहा है। भारतीय नवाचार अर्थव्यवस्था का आकार आज बढ़कर 10 फीसदी पहुंच गया है। 2014 में इसकी रफ्तार 4-5 फीसदी थी।

फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम पर नकेल कसने के लिए जीएसटी काउंसिल की बैठक में बड़ा फैसला संभव!

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने जीएसटी चोरी को रोकने के लिए चलाये जा रहे अभियान की समीक्षा की थी. 11 जुलाई 2023 को जीएसटी काउंसिल की 50वीं बैठक है. ये उम्मीद की जा रही है कि फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम पर नकेल कसने के लिए जीएसटी काउंसिल की बैठक में चर्चा कर कड़े प्रावधान पर मुहर लगाई जा सकती है. इस बदलाव के तहत हर इकाई की फिजिकल वेरिफिकेशन के आधार पर रिस्क प्रोफाइलिंग की जाएगी.जीएसटी काउंसिल की बैठक में फेक इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम पर अंकुश लगाये जाने को लेकर लिए जाने वाले फैसले के बाद जीएसटी रेवेन्यू में उछाल देखने को मिल सकता है. इस चोरी को रोकने के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग के साथ कड़े प्रावधान किए जायेंगे. आपको बता दें किसी भी प्रकार के गुड्स और सप्लाई नहीं किए जाने के बाद भी फेक इनवॉइस के जरिए इनपुट टैक्स क्लेम का मामला सामने आया है. हाल ही में सीबीआईसी के चेयरमैन विवेक जोहरी ने बताया कि ऐसे इकाईयों के पहचान करने के लिए स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है. इस ड्राइव में हजारों इकाईयों द्वारा फेक रजिस्ट्रेशन का मामला सामने आया है. ऐसे 11,140 रजिस्ट्रेशन का पता लगाया गया है जो जांच में फर्जी पाये गए हैं और इनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।सरकार के इन फेक रजिस्ट्रेशन के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम करने से सरकार को राजस्व का बड़ा नुकसान होता है।बीते हफ्ते वित्त मंत्री के साथ हुई बैठक में वित्त मंत्री ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को मजबूत करने के आदेश दिए हैं. और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर फेक रजिस्ट्रेशन रोकने की नसीहत दी है. ऐसे 60,000 इकाईयों की पहचान की गई है जिनके डिटेल्स फील्ड ऑफिसर्स के साथ शेयर किया गया है. केंद्र और राज्य अथॉरिटी ऐसे इकाईयों का फिजिकल वेरिफिकेशन कर रही हैं जिसमें से 43,000 इकाईयों का वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है।जिसमें से 11,140 फर्जी पाये गए हैं. और इन फर्जी इकाइयों ने 15,000 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम किया है।

5 वर्षों में 126 गुना बंपर मुनाफा बनाकर इस विदेशी निवेशक ने बेची एचडीएफसी एएमसी में अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। एचडीएफसी समूह की एसेट मैनेजमेंट कंपनी एचडीएफसी एएमसी के स्टॉक में लंबे समय के बाद रौनक नजर आ रही है। कंपनी का शेयर 9.60 फीसदी या 179 रुपये के उछाल के साथ 2071 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

स्टॉक में तेजी इस वजह से आई है कि कंपनी के प्रमोटर रहे यूके बेस्ड अबरदीन इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट ने एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट के 2.18 करोड़ रुपये शेयर 126 गुना मुनाफा बनाने के बाद बेच दिया है.अबरदीन इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट ने 2018 में 15.01 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 8 करोड़ से ज्यादा शेयर्स खरीदा था. कंपनी ने मंगलवार को एचडीएफसी एएमसी में अपनी पूरी 10.2 फीसदी हिस्सेदारी 1800 से 1892.45 रुपये के भाव पर बेच दिया है. अबरदीन इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट को अपनी हिस्सेदारी बेचने पर प्रति शेयर 126 गुना फायदा हुआ है. माना जा रहा है कि अबरदीन इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट ने ब्लॉक डील के जरिए अपनी 10.2 फीसदी की पूरी हिस्सेदारी 1800 से 1892.45 रुपये प्रति शेयर के बैंड के बीच में बेचा है. कंपनी ने 4.9 फीसदी का डिस्काउंट भी ऑफर किया था।इस डील के बाद एचडीएफसी एएमसी के स्टॉक में मंगलवार के ट्रेडिंग सेशन में तेज उछाल देखने को मिला है।

अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेला आठ जुलाई से

25 देश के दिग्गज मेले में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेला 8 जुलाई से शुरू होगा। इसमें 25 देशों के करीब 5,000 खरीदारों और उद्योग जगत की दिग्गज हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय खिलौना संघ ने सोमवार को कहा, वॉलमार्ट और लेगो सहित करीब 20 वैश्विक सोर्सिंग कंपनियों के सीईओ भी प्रगति मैदान में आयोजित होने वाले इस मेले में शिरकत करेंगे। 250 से अधिक भारतीय ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।भारतीय खिलौना संघ के चेयरमैन मनु गुप्ता ने कहा, यह आयोजन दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा खिलौना मेला है। यह भारतीय विनिर्माताओं के लिए वैश्विक खरीदारों के सामने अपने उत्पादों और क्षमताओं के प्रदर्शन का शानदार मौका है। इससे उन्हें नए ग्राहक जोड़ने, बाजार पहुंच बढ़ाने और ब्रांड पहचान बढ़ाने में मदद मिलेगी।

कोल इंडिया में 0.15 फीसदी हिस्सा कर्मियों को बेचेगी सरकार

भारत सरकार कोल इंडिया में 0.15 फीसदी हिस्सा यानी 92.44 लाख शेयर अपने कर्मचारियों को 226.10 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचेगी। कोल इंडिया ने सोमवार को कहा, कर्मचारियों के लिए लाई गई खुली बिक्री पेशकश (ओएफएस) 21 से 23 जून तक खुली रहेगी। ओएफएस के तहत कंपनी के 92,44,092 इक्विटी शेयर पात्र कर्मचारियों को बेचे जाएंगे। 0.15 फीसदी हिस्सा बेचने से सरकार को 20,000 करोड़ रुपये मिलेंगे।

ईएसआईसी से 17.88 लाख नए सदस्य जुड़े

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) से अप्रैल, 2023 में 17.88 लाख नए सदस्य जुड़े। इनमें 8.37 लाख कर्मचारी 25 वर्ष के हैं, जो कुल नए कर्मचारियों का 47 फीसदी है। श्रम मंत्रालय ने सोमवार को कहा, अप्रैल में 30,249 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत हुए।

रेनो ने पार किया 10 लाख वाहन उत्पादन का आंकड़ा

वाहन कंपनी रेनो ने भारत में 10 लाख वाहनों के उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। रेनो इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने 2030 तक 20 लाख के उत्पादन स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

शेयर बाजार में लौटी रौनक खरीदारी के चलते हरे निशान में बंद हुआ शेयर बाजार

11% के उछाल के साथ बंद हुआ एचडीएफसी एएमसी का शेयर

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। सोमवार की गिरावट के बाद मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा. दोपहर बाद निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार हरे निशान में बंद हुआ है. इससे पहले सुबह से दोपहर तक बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था. लेकिन बैंकिंग, आईटी, एनर्जी स्टॉक्स में लौटी खरीदारी के चलते बीएसई सेंसेक्स 160 अंकों की तेजी के साथ 63,227 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 61 अंकों के उछाल के साथ 18,816 अंकों पर बंद हुआ है. आज के ट्रेड में बैंकिंग सेक्टर, ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, रियल एस्टेट, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी रही. जबकि हेल्थकेयर, फार्मा और मीडिया सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप इंडेक्स में भी शानदार उछाल देखा गया. निफ्टी के 50 शेयरों में 35 शेयर तेजी के साथ 15 गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 शेयर तेजी के साथ तो 12 शेयर गिरकर बंद हुए. आज के ट्रेड में टाटा मोटर्स 3.10 फीसदी, एचसीएल टेक 2.69 फीसदी, पावर ग्रिड 2.45 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.28 फीसदी, एनटीपीसी 1 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.90 फीसदी, कोटक महिंद्रा 0.89 फीसदी, लार्सन 0.80 फीसदी, नेस्ले 0.69 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

बजाज फाइनैंस 1.86 फीसदी,

बीते दिनों हवाई किराये में क्यों हुई थी बढ़ोतरी? सिंधिया ने बताई वजह

बोले- अब 64% तक की आई गिरावट

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में हवाई किराए में वृद्धि पर बात की। उन्होंने कह, दो कारणों से हवाई किराए में वृद्धि हुई थी। नागरिक उड्डयन एक सीजनल क्षेत्र है। नागर विमानन क्षेत्र में दो सीजन होते हैं एक हाई सीजन और दूसरा लो सीजन। हवाई यात्रा के मामले में पिकअप का सीजन था इस बीच, हमारी एक एयरलाइन का परिचालन बंद हो गया। इसलिए, इससे दबाव बढ़ गया और अतिरिक्त मांग होने के कारण कीमतें बढ़ी।

हालांकि बीते पांच तारीख को बैठक के बाद चीजें सुधरीं। पिछले 10 दिनों में किराये में 16-64 प्रतिशत की कमी आई है।

रिटेल बाजार में सोना सस्ता, दिल्ली-मुंबई से लेकर जयपुर-पटना तक खरीदने में लाभ

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। सोने के दाम आज कमोडिटी मार्केट में तो मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं पर रिटेल सर्राफा बाजार में सोना आज सस्ता हुआ है. अलग-अलग शहरों के सोने के दाम अलग हैं पर कुल मिलाकर आज सोने की खरीदारी पर आपको बचत ही होगी।

कमोडिटी बाजार में सोने के दाम जानें

आज कमोडिटी बाजार में एमसीएक्स पर सोने के दाम 62 रुपये की तेजी के साथ 59219 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहे हैं. सोना आज नीचे में 59171 रुपये तक गया था और इसमें 59278 रुपये प्रति 10 ग्राम तक के ऊपरी स्तर देखे गए हैं. सोने के ये दाम इसके अगस्त वायदा के लिए हैं।

एमसीएक्स पर चांदी के दाम जानें

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के दाम आज 136 रुपये कम हैं और इसमें मामूली गिरावट देखी जा रही है. चांदी के दाम 72310 रुपये प्रति किलो पर बने हुए हैं. आज के कारोबार में चांदी के दाम 72288 रुपये तक नीचे गए थे और ऊपर में 72512 रुपये तक के लेवल देखे गए थे।

देश के प्रमुख मेट्रो शहरों में सोने के दाम

दिल्लीः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 60 रुपये की गिरावट के साथ 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है.मुंबईः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 70 रुपये की गिरावट के साथ 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है. चेन्नईः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 60 रुपये की गिरावट के साथ 60,380 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है. कोलकाताः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 70 रुपये की गिरावट के साथ 60,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है. बंगलुरूः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 110 रुपये की गिरावट के साथ 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है. चंडीगढ़ः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 60 रुपये की गिरावट के साथ 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है.

हैदराबादः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 70 रुपये की गिरावट के साथ 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है. जयपुरः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 60 रुपये की गिरावट के साथ 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है. पटनाः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 60 रुपये की गिरावट के साथ 60,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

नंदन नीलेकणि ने आईआईटी बॉम्बे को 315 करोड़ डोनेट किए

यह देश के किसी इंस्टीट्यूट को पूर्व छात्र से मिला सबसे बड़ा डोनेशन

बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए डोनेट किए हैं। नीलेकणि ने यह डोनेशन इंस्टीट्यूशन से पास आउट होने के 50 साल पूरे होने पर किया। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।नीलेकणि इससे पहले भी आईआईटी बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान कर चुके हैं। उनके दोनों डोनेशन को जोड़ें तो यह राशि 400 करोड़ रुपए होती है। यह देश के किसी भी इंस्टीट्यूशन को उसके किसी पूर्व छात्र द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा डोनेशन है। आईआईटी बॉम्बे ने 20 जून को एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया- नीलेकणि के दान का उद्देश्य वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देना है। साथ ही इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी सेक्टर में रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। आईआईटी बॉम्बे में एक बेस्ट टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम को डेवलप करने में हम इस राशि का इस्तेमाल करेंगे। नंदन नीलेकणि ने कहा- आईआईटी बॉम्बे मेरे जीवन की आधारशिला रहा है। इस इंस्टीट्यूशन ने मेरे शुरुआती सालों को आकार दिया और मेरी जर्नी की नींव रखी है। मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान के साथ अपने जुड़ाव के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहा हूं। मैं आगे बढ़ने और इसके भविष्य में योगदान देने के लिए आभारी हूं। नीलेकणि ने 1973 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हासिल करने के लिए आईआईटी बॉम्बे में एडमिशन लिया था।नीलेकणि ने आगे कहा- आईआईटी बॉम्बे को यह डोनेशन सिर्फ एक फाइनेंशियल कॉन्ट्रीब्यूशन नहीं है। यह उस जगह के लिए मेरा एक ट्रिब्यूट है, जिसने मुझे बहुत कुछ दिया है और उन छात्रों के प्रति कमिटमेंट है, जो कल हमारी दुनिया को आकार देंगे।

स्वामीनाथन जानकीरमन बने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर

तीन साल के लिए अपॉइंट किया गया, महेश कुमार जैन की जगह लेंगे

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने मंगलवार को एसबीआई के एमडी स्वामीनाथन जानकीरमन को 3 साल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर के पद पर नियुक्त करने की मंजूरी दे दी। आरबीआई के वर्तमान डीजी महेश कुमार जैन का कार्यकाल जून में खत्म होने वाला है। वर्तमान में, आरबीआई के अन्य तीन डिप्टी गवर्नर माइकल डी पात्रा, टी रबी शंकर और राजेश्वर राव हैं।जैन को जून 2018 में 3 साल के लिए डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था। इसके बाद जून 2021 में 2 साल की अवधि के लिए फिर से उन्हें अपॉइंट किया गया। एमके जैन ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के रूप में नियुक्त होने से पहले आईडीबीआई बैंक के एमडी और सीईओ के रूप में काम किया था। आईडीबीआई बैंक में शामिल होने से पहले, वह इंडियन बैंक के प्रमुख थे।लिंक्डइन पर मौजूद स्वामीनाथन जानकीरमन की प्रोफाइल अपडेट के अनुसार वह रिटेल और कॉर्पोरेट बैंकिंग, इंटरनेशनल बैंकिंग, ट्रेड फाइनेंस, कॉरिस्पोंडेंट बैंकिंग और फाई प्रोडक्ट, डिजिटल बैंकिंग और ट्रांजैक्शन बैंकिंग प्रोडक्ट में डोमेन एक्सपर्टीज वाले बैंकर हैं। वह वर्तमान में एसबीआई की कॉर्पोरेट बैंकिंग और सब्सिडरीज वर्टिकल की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।वह डिजिटल बैंकिंग वर्टिकल के प्रमुख के रूप में एसबीआई बैंक की डिजिटल टांसफॉर्मेशन जर्नी का हिस्सा रहे हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	01-38 बजे
चंद्र-	कर्क में	वृष--	03-22 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	05-22 बजे
बुध-	वृष में	कर्क...	07-36 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	09-47 बजे
शुक्र-	कर्क में	कन्या..	11-53 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	13-59 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	16-09 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	18-22 बजे
		मकर..	20-58 बजे
		कुंभ...	22-19 बजे
		मीन ..	23-57 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-46 सूर्य अस्त- 18-48
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - 15 -09 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - आषाढ शुक्ल पक्ष , बुधवार June 21
नक्षत्र - पुष्य - 01- 20 - तक उपरान्त आश्लेषा
योग - व्याघात - 02 - 33 - तक उप - हर्षण
करण- गर - 15 -09 - तक उप- वणिज
विशेष:- रवि दक्षिणायन
व्रत -त्योहार - वर्षा ऋतु प्रारंभ

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:18 से 13:56 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:46 - 07:22 शुभ	उत्पात	18:48 - 20:13 अशुभ
अमृत	07:22 - 09:01 शुभ	शुभ	20:13 - 21:35 शुभ
काल.	09:01 - 10:39 अशुभ	अमृत	21:35 - 22:56 शुभ
शुभ.	10:39 - 12:18 शुभ	चंचल	22:56 - 00:18 शुभ
रोग	12:18 - 13:56 अशुभ	रोग	00:18 - 01:40 अशुभ
उत्पात	13:56 - 15:35 अशुभ	काल	01:40 - 03:01 अशुभ
चंचल	15:35 - 17:13 शुभ	लाभ	03:01 - 04:23 शुभ
लाभ	17:13 - 18:48 शुभ	उत्पात	04:23 - 29:46 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं। हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें ।आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे। आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योंकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी । आपकी सफल बातचीत भी काफी हद तक आपके करियर को आगे बढ़ा सकती है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा । अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है ।समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे । अपनी व्यवहारिक जरूरतों के रास्ते में अपने अहम को न आने दें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बाल्टी-कार में बम, बंगाल में नेता पिस्टल लेकर घूम रहे

हमला हुआ तो पुलिस ही भाग गई, एक हफ्ते में 6 की हत्या

कोलकाता, 20 जून (एजेंसियां)। कार में बम, बाल्टी में बम, बम के धमाके, फायरिंग, घरों में तोड़फोड़, वाहनों में आग, पब्लिक के बीच कमर में पिस्टल फंसाकर घूम रहे नेता। ये माहौल पश्चिम बंगाल का है। राज्य में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले हिंसा होना यहां का रिवाज बन गया है। इस बार भी शुरुआत हो चुकी है। 9 जून से 15 जून तक नॉमिनेशन हुए और इसी के साथ बमबाजी, गोलीबारी, आगजनी, एक-दूसरे पर हमले भी शुरू हो गए। एक हफ्ते में 6 लोगों की हत्या हो चुकी।

कूचबिहार जिले के दिनहाटा में 17 जून की शाम बीजेपी कार्यकर्ता शंभू दास की हत्या कर दी गई। 28 साल के शंभू दास की डेडबॉडी घर के पास खेत में मिली। उनकी भाभी चुनाव लड़ रही हैं। आरोप है कि इसके बाद से ही उन्हें धमकियां मिल रही थीं। इससे पहले दिनहाटा में ही बीजेपी नेता प्रशांत रॉय बसुनिया की घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी।

हिंसा रुकेगी नहीं, ये बात कोलकाता हाईकोर्ट ने भी समझी। आदेश दिए कि सभी जिलों में सेंट्रल फोर्स तैनात करके ही चुनाव करवाए जाएं। हालांकि ममता सरकार और पश्चिम बंगाल का चुनाव आयोग इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चले गए हैं। इस पर 20 जून यानी आज सुनवाई हुई और सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को सही बताया।

ममता ने वर्कर्स से हिंसा न करने के लिए कहा

पश्चिम बंगाल में ग्राम पंचायत की 63,239, पंचायत समिति की 9,730 और जिला परिषद की 928 सीटों पर चुनाव होंगे। बंगाल में टीएमसी की सरकार है, लेकिन वो हिंसा रोकने में अब तक फेल ही रही है। सीएम ममता बनर्जी और उनके सांसद भतीजे टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने वर्कर्स से हिंसा न करने की अपील की, कई जगह नॉमिनेशन करने आए अपोजिशन लीडर्स को फूल दिए गए, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ।

पिछले चुनाव में भी हिंसा की वजह से अपोजिशन पार्टी के ज्यादातर कैंडिडेट्स नॉमिनेशन फाइल नहीं कर पाए थे। इससे टीएमसी 34% सीटें निर्विरोध जीत गई थी, यानी इन सीटों पर चुनाव ही नहीं हुए। हालांकि, इन जगहों पर हुई हिंसा का असर लोकसभा चुनाव में दिखा और बीजेपी ने 2019 में बंगाल में पहली बार 42 में से 18 सीटें जीती थीं।

पुलिस को पता था हथियार जमा हैं, पर एक्शन नहीं

मुर्शिदाबाद, साउथ 24 परगना, नॉर्थ 24 परगना और नॉर्थ दिनाजपुर जैसे जिलों में ज्यादा हिंसा हुई है। खास बात ये है कि इंटेलिजेंस रिपोर्ट में पहले ही बताया गया था कि इन जिलों में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जमा किया गया है। इसके बावजूद पुलिस ने एक्शन नहीं लिया। धारा- 144 लगी होने के बावजूद भीड़ जुटती रही और कहीं बमबाजी, तो कहीं फायरिंग हुई।

नॉमिनेशन के पहले दिन 9 जून को मुर्शिदाबाद के खारग्राम में टीएमसी समर्थक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भिड़ गए। इसमें कांग्रेस नेता फूलचंद शेख की मौत हो गई। तीन लोग घायल भी हो गए। दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में इंडियन सेक्युलर पार्टी यानी के कैंडिडेट महिउद्दीन मोल्ला पुलिस सिक्योरिटी में नॉमिनेशन फाइल करने जा रहे थे, तभी टीएमसी समर्थकों ने फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग होते ही पुलिसवाले भाग गए। महिउद्दीन मोल्ला की मौके पर ही मौत हो गई। चार लोग जख्मी हो गए। फायरिंग में टीएमसी के भी दो वर्कर राशिद मोल्ला और राजू सरदार मारे गए।

गुरुवार, 15 जून की शाम टीएमसी वर्कर हजबीबिडंगा गांव पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने कांग्रेस नेता आलम शेख को धमकाया। आलम पहले टीएमसी में थे। कुछ समय पहले उन्होंने कांग्रेस जॉइन कर ली थी। टीएमसी सपोर्टर गांव पहुंचे तो वहां भी कुछ लोग जमा हो गए। ये देख टीएमसी के लोग लौट आए। कुछ देर बाद वे ज्यादा तादाद में फिर गांव पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी।

कांग्रेस कैंडिडेट रामजन शेख के पिता मेहरूल्लाह के सिर पर गोली लगी। उनकी हालत अभी क्रिटिकल है। उन्हें गोली लगने की खबर इलाके में फैली, तो तनाव का माहौल हो गया। टीएमसी के जोनल प्रेसिडेंट मोजम्मेल शेख की भी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में 7 लोगों को अरेस्ट किया है।

15 जून की ही दोपहर हिंसा की एक और घटना हुई। यहां लेफ्ट-कांग्रेस अलायंस के दो वर्कर नॉर्थ दिनाजपुर में घायल हो गए। भांगड़, 24 परगना, डोमकल, रानीनगर, इस्लामपुर में फायरिंग हुई। 17 जून को मालदा में टीएमसी के उम्मीदवार मुस्तफा शेख की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। सुजापुर में रहने वाले मुस्तफा शेख पर घर लौटते वक्त हमला किया गया। शेख पहले भी प्रधान रह चुके थे। टीएमसी ने उनकी हत्या का आरोप कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगाया है।

बीजेपी नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी कहते हैं कि, 'अपोजिशन कैंडिडेट्स को नॉमिनेशन फाइल करने से रोका गया। कोर्ट ऑर्डर के बाद 82 कैंडिडेट्स पुलिस सुरक्षा में नॉमिनेशन करने गए, उन पर भी हमले हुए। पुलिस भाग खड़ी हुई। भांगड़ में आआएसएफ वर्कर्स पर हमला हुआ। नाजत, मिनाखन में बीजेपी और सीपीएम के नेताओं पर हमले हुए।'

बम रिकवर किए, लेकिन गिरफ्तार किसी को नहीं कर पाए

मुर्शिदाबाद में पुलिस ने 54 बम रिकवर किए, लेकिन किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई। वहीं डोमकल में पुलिस ने कांग्रेस-सीपीएम के 56 वर्कर्स पर एफआईआर दर्ज की है। टीएमसी के एक नेता को हथियारों के साथ अरेस्ट किया है। इसी बीच टीएमसी के नबाग्राम के ब्लॉक प्रेसिडेंट इनायतुल्ला शेख का वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वो मर्डर की धमकी दे रहे हैं।

बंगाल के चुनाव आयोग पर हमेशा से ही सवाल खड़े होते रहे हैं। आरोप लगते हैं कि आयोग सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर काम करता है। 7 जून को राज्य के चीफ सेक्रेटरी रहे राजीव सिन्हा को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया गया है। 7 जून को अपॉइंटमेंट के अगले ही दिन सिन्हा ने इलेक्शन का शेड्यूल जारी कर दिया था। हर बार की तरह ऑल पार्टी मीटिंग भी नहीं बुलाई गई। उनसे इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि ऑल पार्टी मीटिंग बुलना मेंडेटरी नहीं है। वहीं बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि, 'राज्य चुनाव आयोग का कंट्रोल सीएम के भतीजे अभिषेक बनर्जी के हाथ में है।' वहीं, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी का कहना है कि 'स्टेट इलेक्शन कमिश्नर मुख्यमंत्री के एजेंट हैं।' अधिकारी की पिटीशन पर ही कोलकाता हाईकोर्ट ने चुनाव में सेंट्रल फोर्स तैनात करने के आदेश दिए हैं।

बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव व्यवस्था है। सभी पार्टियां चुनाव जीतने के लिए ताकत लगा रही हैं, क्योंकि इसके जरिए रूरल पॉलिटिक्स पर कंट्रोल हो सकेगा। अगले साल लोकसभा चुनाव में भी फायदा मिलेगा। इसके अलावा एक पंचायत को एवरेज 2 करोड़ और जिला परिषद को 300 से 500 करोड़ रुपए तक का फंड सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट से अलग-अलग मदों में मिलता है। इस कारण भी पार्टियां पंचायतों में अपने लोग चाहती हैं।

सोर्सेज के मुताबिक, टीएमसी पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मालदा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम जैसे जिलों में टीएमसी के कई पार्टी वर्कर्स कांग्रेस-बीजेपी और लेफ्ट में शामिल हो रहे हैं। आईएसएफ नॉर्थ और साउथ 24 परगना में टीएमसी को चुनौती दे रही है। इससे टीएमसी को मुस्लिम वोट बंटने का खतरा है। उसके कई सीनियर लीडर पहले से जेल में हैं।

पंचायत चुनाव का शेड्यूल

वोटिंग
8 जुलाई

रिजल्ट
11 जुलाई

ग्राम पंचायत
63,239

पंचायत समिति
9,730

जिला परिषद
928

भूपेश बघेल बोले- पूरे देश में बैन हो आदिपुरुष

छत्तीसगढ़ में बैन से क्या होगा; बीजेवाईएम के प्रदर्शन पर कहा- युवाओं को कर रहें गुमराह

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आदिपुरुष फिल्म के विरोध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, केन्द्र सरकार को फिल्म देशभर में बैन करनी चाहिए। केवल छत्तीसगढ़ में बैन कराने से कुछ नहीं होगा। अब जब जनता फिल्म के खिलाफ खड़ी हो गई है। तब ये कहते हैं कि इस पर बैन लगाया जाए। भाजयुमो के प्रदर्शन पर कहा, चुनाव आ गया है, इसलिए युवाओं को गुमराह कर रहे हैं।

भूपेश बघेल ने आदिपुरुष के बहाने बीजेपी पर निशाना साधा है, उन्होंने कहा मर्यादा पुरुषोत्तम राम को धीरे-धीरे युद्धक राम बना दिया गया। हनुमान ज्ञान,शक्ति और भक्ति के प्रतीक हैं, उसको एंग्री बर्ड बना दिया गया। और तीसरा क्रोनोलॉजी यह है कि जो बजरंग दल के लोग बोलते हैं वो शब्द भगवन बजरंगबली से

बुलवा रहे। इनका असली चेहरा अब बेनकाब हो चुका है।

निर्माता-निर्देशकों पर भी उठाए सवाल

भूपेश बघेल ने कहा, जो फिल्म बनाने वाले हैं वे कौन है जिनके साथ उनकी फोटो है, उनके एसोसिएशन किनके साथ हैं, ये सब जान गए हैं। अगर कोई दूसरा डायरेक्टर या निर्देशक निर्माता होता तो अभी तक पूरे देश भर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद वाले सड़कों पर दिखाई पड़ते।

इनके अपने हैं इसलिए ये लोग छिपे हुए हैं। अगर आप राम के भक्त हैं, और हनुमान जी को मानने वाले हैं चाहे वह कोई भी हो उसके खिलाफ क्यों करवाई नहीं होनी चाहिए। इनकी राम पर, माता जानकी पर कोई आस्था नहीं है। ये केवल राजनीति करते हैं।

केन्द्र सरकार पूरे देश में फिल्म को बैन करे, मैं राजनीति नहीं करना चाहता

आदिपुरुष बैन को लेकर कहा, प्रदर्शन रोकना है तो केन्द्र सरकार पूरे भारत में बैन लगाए। मैं इसमें कोई राजनीति नहीं करना चाहता। लेकिन अगर केंद्रीय मंत्री कह रहे हैं, रमन सिंह कह रहे हैं तो भारत सरकार को फिल्म पर बैन लगा देना चाहिए। पूरे देशभर में बड़े राम के भक्त बनते हैं, उनकी सहमति से तो यह सब हुआ है और यही तो क्रोनोलॉजी है।

भाजयुमो के प्रदर्शन पर कहा - चुनाव सामने है इसलिए युवाओं को कर रहे गुमराह

रायपुर में भाजयुमो के प्रदर्शन पर भूपेश बघेल ने कहा, रिजल्ट के 18 दिन के बाद भी कोई आरोप नहीं लगा पाए। एक भी गड़बड़ी या कमी नहीं बता पाए। इन्हें यहां बताना चाहिए कि कहां पर गड़बड़ी हुई है। किसी नेता या फिर अधिकारी के बच्चे और रिश्तेदारों का सिलेक्शन हुआ है तो इसमें अपराध कौन सा हो गया। अगर कोई प्रक्रियात्मक त्रुटि है नंबर ज्यादा दे दिया या गलत ढंग से दे दिया गया। तो बताइए।हम पहले दिन से बोल रहे हैं कि हम जांच करने के लिए तैयार हैं।

भूपेश बघेल ने कहा, चुनाव सामने हैं इसलिए युवाओं को गुमराह करने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। किसी भी अभ्यर्थी ने अब तक कोई शिकायत नहीं की है। इससे पहले रमन सिंह के शासनकाल में जो परीक्षार्थी हैं, वे राज्यपाल के पास गए थे। EOW के पास गए थे लेकिन अभी तक 18 दिन बीतने के बाद भी कोई भी आवेदक या परीक्षार्थी शिकायत नहीं किया है।

छत्तीसगढ़ में शाह की सभा में 50 हजार से ज्यादा लोग जुटेंगे

सुरक्षा में 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी और अधिकारी रहेंगे तैनात, गाड़ियों की हो रही चेकिंग

भिलाई, 20 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री 22 जून को छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में आम सभा को संबोधित करने आ रहे हैं। इस दौरान वो भाजपा कार्यकर्ताओं से भी भेंट करेंगे। अमित शाह के कार्यक्रम के मद्देनजर दुर्ग पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट हो गई है। आईजी दुर्ग आनंद छाबड़ा ने एसपी सहित सभी पुलिस अधिकारियों की बैठक बुलाई और आवश्यक निर्देश दिए। केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के बड़े नेता की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आईजी आनंद छाबड़ा और एसपी शलभ सिन्हा ने खुद कमान संभाली है। उनके मुताबिक 500 से अधिक पुलिसकर्मी और अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही साथ अभी से सभी थाना क्षेत्रों में बाहर से आने वाली गाड़ियों की चेकिंग शुरू कर दी गई है।

22 जून को दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में उनका संभाग स्तरीय

सम्मेलन होना है। इसमें दुर्ग संभाग के 20 विधानसभा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल होंगे। दुर्ग जिले से भी बड़ी संख्या में लोगों के आने का अनुमान है। भाजपा की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 50 हजार लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। यही कारण है कि अमित शाह के दौरे और उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दुर्ग रेंज के आईजी आनंद छाबड़ा लगातार आला अधिकारियों की बैठक ले रहे हैं।

दुर्ग एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि दुर्ग पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी पूरी कर ली है। इसको लेकर आईजी के नेतृत्व में बैठक भी ली जा चुकी है। मंगलवार से कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रिहर्सल होगा। बल की कमी न हो इसके लिए बाहर से बल बुलाया जा रहा है। पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ठंग से निपटा लिया जाएगा। 500 बल की मांग की गई है और अधिक जरूरत पड़ी तो वो भी मंगाया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यक्रम से पहले पुलिस उनका रूट तय करेगी। एसपी दुर्ग के मुताबिक रूट तय होते ही उस पूरे इलाके को सेनेटाइज किया जाएगा। इसके बाद उसे सील कर दिया जाएगा। आम लोगों को कार्यक्रम स्थल तक जाने के लिए जो रूट डायवर्ट होगा उसकी जानकारी दो दिन पहले मीडिया के माध्यम से दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की रणनीति

यहां कोई सीएम फेस नहीं, लोकल मुद्दों पर फोकस होगा

रायपुर, 20 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत 5 राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने रणनीति तैयार कर ली है। इसमें दो बातें अहम हैं। पहली यह कि पांचों राज्यों में चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जाएगा। यानी किसी भी नेता को सीएम फेस के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किया जाएगा। दूसरी बात यह कि स्थानीय मुद्दों पर फोकस रहेगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि छग, राजस्थान और तेलंगाना में सीएम प्रोजेक्ट नहीं किया जाएगा। मप्र और मणिपुर में भाजपा की सरकार है, इसलिए वहां सीएम का चेहरा प्रोजेक्ट

करने की जरूरत नहीं है। क्या मप्र में शिवराज के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा? इस सवाल पर भाजपा के एक महासचिव ने कहा कि सामूहिक नेतृत्व में सीएम, पूर्व सीएम और सभी बड़े नेता आते हैं।

भाजपा मप्र में किन उपलब्धियों को आगे रखकर चुनाव में उतरेगी? इस सवाल पर एक वरिष्ठ ने कहा- 'पिछले 4 साल में राज्य सरकार ने क्या किया, यही मुद्दा नहीं है। शिवराज के पूरे शासनकाल में मप्र किस तरह 'बीमारू प्रदेश' का दाग मिटाने में कामयाब रहा, लोगों को यह बताएंगे। किस उपलब्धि को कैसे रखना है, अभी नहीं बता सकते।'

भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि राजस्थान में दलितों-पिछड़ों की दुर्दशा, महिलाओं का उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वादाखिलाफी प्रमुख मुद्दे हैं। हम इन्हें चरणबद्ध तरीके से उठाएंगे और बताएंगे कि सरकार बदलने के बाद हम इन मुद्दों पर कैसे काम करेंगे।

3 गाड़ियों में टक्कर के बाद लगी भीषण आग

2 ट्रक और एक पिकअप जलकर खाक, एक ड्राइवर बुरी तरह झुलसा

कांकेर, 20 जून (एजेंसियां)। कांकेर और केशकाल बॉर्डर पर सोमवार देर रात करीब ढाई बजे 3 वाहनों की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई। आग से 2 ट्रक और एक पिकअप पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। वहीं एक ड्राइवर बुरी तरह से झुलस गया है। मामला केशकाल थाना क्षेत्र का है।

बीच सड़क पर 3 गाड़ियों में लगी भीषण आग के कारण यातायात ठप पड़ गया। इससे नेशनल हाईवे- 30 पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। तीनों गाड़ियां आग की लपटों में बुरी तरह से घिरी हुई थीं।

जानकारी के मुताबिक, जगदलपुर की ओर से लौह अयस्क लेकर रायपुर की ओर एक ट्रक आ रहा था, जबकि दूसरा ट्रक कांकेर से जगदलपुर की तरफ जा रहा था, तभी एक पिकअप वाहन जो कांकेर से जगदलपुर जा रहा था, उसने अपने सामने चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान सामने से आ रहे खाली ट्रक से उसकी जबरदस्त टक्कर हो गई।

टक्कर के कारण ट्रक का डीजल टैंक फट गया। इससे ट्रक में आग लग गई। इधर ड्राइवर वाहन पर भी नियंत्रण नहीं रख सका और पिकअप और लौह अयस्क से भरे दूसरे ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। दूसरे ट्रक में लौह अयस्क भरा होने के कारण तेजी से आग फैली। हादसे में दोनों ट्रक और पिकअप समेत तीनों गाड़ियां धू-धूकर जल उठीं। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं।

इधर रास्ते में दूसरे वाहनों के ड्राइवर तेजी से नीचे उतरे और बड़ी ही मुश्किल से तीनों गाड़ियों के ड्राइवर को बाहर निकाला। इनमें से लौह अयस्क से भरे ट्रक का ड्राइवर गंभीर रूप से झुलस गया है, वहीं पिकअप और खाली ट्रक के ड्राइवर मामूली रूप से घायल हैं।

झारखंड पहुंचा मानसूनः आज भी कई जगहों पर होगी बारिश

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट, रहें सावधान

रांची, 20 जून (एजेंसियां)। झारखंड में , मानसून ने दस्तक दे दी है। कल शाम से काले बादलों ने रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में डेरा डाले रखा। रात होते- होते बारिश भी हुई। मौसम विभाग रांची ने कहा है कि अभी एक से दो दिनों में राज्य के दूसरे हिस्सों में भी मानसून पहुंचेगा। झारखंड में दक्षिणी पश्चिमी मॉनसून की एंट्री हुई है।

राज्य में सबसे ज्यादा तापमान पलामू में दर्ज किया गया जहां का तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस रहा, इसके बाद गुमला का तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्च किया गया। पलामू के तापमान में 0.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गयी वहीं सबसे ज्यादा पश्चिमी सिंहभूम के तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। यहां -5.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गयी। मानसून के आने से राज्य के दूसरे हिस्सों में भी राहत मिलेगी। अगले पांच दिनों तक बारिश का अलर्ट

अगले पांच दिनों में राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। संताल के इलाके जिसमें साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका में मानसून का असर देखा जा रहा है, जामताड़ा और देवघर के भी कई इलाकों में बारिश हुई है। अगले दो दिन में जमशेदपुर में भी मॉनसून प्रवेश करेगा।

झारखंड में मानसून के प्रवेश करते ही तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। राजधानी रांची समेत अन्य कई जिलों में बूंदा-बांदी से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। झारखंड के कई इलाकों में मानसून अब धीरे- धीरे पहुंचेगा। मौसम विभाग ने 21 और 22 जून को भारी बारिश की संभावना जाहिर की गयी है। मानसून ने भले ही राज्य में देर से प्रवेश किया है लेकिन इस वक्त की बारिश किसानों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती

तपती धरती को मिलेगी राहत

झारखंड में लंबे समय से मानसून का इंतजार हो रहा था। तपती धरती और लू ने लोगों को परेशान कर दिया था। घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा था। पलामू राज्य सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.5 डिग्री के आंकड़े को पार कर रहा था। इस बार का मानसून कैसा होगा इसे लेकर भी चिंता शुरू हो गयी है। अगर इस बार अच्छी बारिश नहीं हुई तो कई इलाकों में जल संकट और गहरा हो जायेगा।

तीस फीट गहरे गड्ढे में फंसे दो मजदूर

मनरेगा के तहत कुआं निर्माण के दौरान हुआ हादसा

जामतड़ा, 20 जून (एजेंसियां)। मनरेगा के तहत कुएं की चारदीवारी बनाते हुए बड़ा हादसा हुआ। दो मजदूर तीस फीट गहरे कुएं में दब गये। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। जामताड़ा के मिहिजाम थाना क्षेत्र के शाहरदाल के निकट कोल पाड़ा में मनरेगा के तहत कुएं में काम कर रहे दो मजदूरों मलबे में दबे हैं। घटना मंगलवार सुबह साढ़े 8 बजे की है। घटना के वक्त तीन मजदूर कुंए की चहारदीवारी निर्माण कार्य कर रहे थे। दो मजदूर कुंए के भीतर चारदीवारी निर्माण में लगे थे और एक मजदूर बाहर से मदद कर रहा था। बताया जा रहा है कि काम के दौरान अचानक बाहर की दिवार धंस गयी। अचानक दिवार धंस गयी और दोनों मजदूर 30 फिट गहरे कुंए में गिर गए। उनके ऊपर ईंट और मचान भी गिरा है। जिससे वे दब गए। घटना के बाद बाहर काम कर रहे मजदूर ने आसपास के लोगों को घटना की सूचना दी। इसके बाद से लगातार उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों को कहना है कि उनका बचना मुश्किल है। ऊपर से गिरी ईंट और इतने देर तक दबे होने की वजह से उनकी मौत होने की संभावना है। जो दो मजदूर दबे हैं उनमें अबुल हुसैन जिनकी उम्र 35 वर्ष की बताई जा रही है और दिनेश हेम्ब्रम जिनकी उम्र 25 वर्ष की बताई जा रही है।

संयुक्त सत्र के संबोधन में पीएम मोदी का स्वागत करेंगे ये सांसद

व्हाइट हाउस में डिनर के लिए भी आमंत्रण

वाशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा के लिए दिल्ली से रवाना हो चुके हैं। वे वहां 22 जून को अमेरिकी संसद के साझा सत्र को संबोधित करेंगे। इस दौरान, उनके साथ 'हिंदू कॉकस' बनाने की अपनी योजना का एलान करने के बाद चर्चा में आए भारतीय अमेरिकी सांसद श्री थानेदार भी रहेंगे। इसके अलावा, मिशिगन के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले पहली बार के डेमोक्रेटिक सांसद को पीएम मोदी के सम्मान में व्हाइट हाउस में होने वाले डिनर के लिए भी आमंत्रित किया गया है। खुद राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन्हें आमंत्रित किया है।

संयुक्त सत्र तक पीएम मोदी को लेकर जाएगें थानेदार

डेमोक्रेटिक सांसद थानेदार ने यह भी बताया कि अमेरिकी कांग्रेस नेतृत्व के अनुरोध के अनुसार उन्हें भारतीय प्रधानमंत्री को कांग्रेस में उनके संयुक्त संबोधन सत्र में ले जाने का विशेष कार्य सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि यह भूमिका उनके लिए विशेष महत्व रखती है। इस दौरान थानेदार ने संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंधों की वकालत करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

व्हाइट हाउस में होने वाले डिनर के लिए भी मिला है निमंत्रण

पीएम मोदी की यात्रा को लेकर भारतीय अमेरिकी सांसद ने कहा कि वह और उनकी पत्नी शशि प्रधानमंत्री मोदी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री के लिए एक ऐतिहासिक घटना है। मुझे आशा है कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका-भारत संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में भी कदम उठाएंगे। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस में होने वाले डिनर में सपरिवार आमंत्रित करने के लिए आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि वे इसे पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह निमंत्रण सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण के लिए एक प्रतीक के रूप में है।

यूएन मुख्यालय में करेंगे योग

विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने पीएम के अमेरिका-मिस्र दौरे की जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी 21-23 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। पीएम के आधिकारिक दौरे की शुरुआत 21 जून की सुबह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में योग दिवस समारोह से होगी। वह कई बड़े नेताओं से मुलाकात भी करेंगे।

राजकीय यात्रा से पूर्व अमेरिका में भारी उत्साह

पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा से पहले भारतीय-अमेरिकियों के एक बड़े हिस्से में खुशी और उत्साह का माहौल है। सैकड़ों भारतवंशी देश के प्रमुख स्थानों पर एकत्र हुए और मोदी के समर्थन में नारेबाजी की। वाशिंगटन डीसी व उसके आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी एकता का संदेश देने के लिए राष्ट्रीय स्मारक के पास जुटे व जुलूस निकाला।

मिस्र दौरा : अल-हकीम मस्जिद जाएंगे पीएम

अमेरिका के अपने दौरे के बाद पीएम 24-25 जून को मिस्र जाएंगे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर यात्रा कर रहे हैं। वे यहां 11वीं सदी की वोहरा समुदाय की अल-हाकिम मस्जिद जाएंगे। वह यहां प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मिस्र के लिए लड़ते हुए बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे। साथ ही कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी करेंगे।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाईवे पर हादसा

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी कार, चालक की मौत

अल्मोड़ा, 20 जून (एजेंसियां)। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाईवे पर मंगलवार को हादसा हो गया। फलसीमा के पास एक कार खाई में गिर गई। इस दौरान चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कार संख्या यूके 01 सी 4290 एनटीडी से अल्मोड़ा की तरफ आ रही थी। तभी कार अनियंत्रित होकर करीब 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। खाई में गिरते ही कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना के बाद पुलिस, फायर यूनिट, एसडीआरएफ की टीम और एसएसबी की टीम मौके पर पहुंची। घटना में कार सवार सुनील आर्या पुत्र प्रेम राम आर्या, निवासी उडयारी, हवालबाग गंभीर रूप से घायल हो गया। टीम ने घायल को खाई से निकालकर बेस अस्पताल पहुंचाया। लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कार में अन्य लोगों के सवार होने की आशंका के चलते टीम ने खाई में घंटों खोजबीन की। लेकिन कोई अन्य व्यक्ति नहीं मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

20 साल में पहली बार कॉम्बैट हेलिकॉप्टर से हमला

फिलिस्तीन में एक बच्चा समेत 5 की मौत

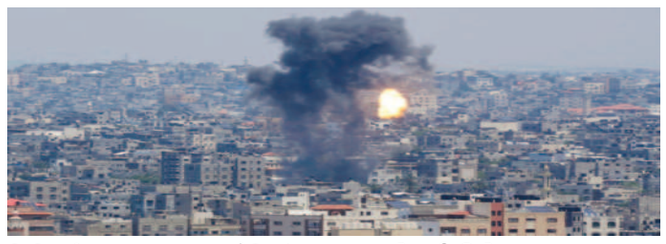

फिलिस्तीन, 20 जून (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने फिलिस्तीन में आम नागरिकों पर सैन्य हेलिकॉप्टर से हमला किया है. फिलिस्तीन कैंप पर गोला बारूद, जहरीली गैस और ग्रेनेड दागी गई, जिसमें एक बच्चा समेत पांच आम नागरिकों की मौत हो गई. दशकों में ऐसा पहली बार है, जब इजरायल ने इतनी अक्रामकता के साथ अटैक किया है. इस हमले में 91 लोग घायल हुए हैं, जिसमें 22 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घंटों अटैक के बाद इजरायली सेना वापस लौट गई. इजरायली कब्जे वाले वेस्ट बैंक में सैन्य हेलिकॉप्टर से सीमेट्री कैंप पर हमला किया गया. मृतकों की पहचान फिलिस्तीन स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15 वर्षीय अहमद सकर, 19 वर्षीय क़सम फैसल अबू सिरिया, 21 वर्षीय खालिद दरविश, 29 वर्षीय अहमद दारगमेह शामिल हैं. इजरायली सेना ने इस दौरान पत्रकारों पर भी हमले किए, जहां पिछले साल स्नाइपर ने एक पत्रकार की गोली मार हत्या कर दी थी.

जेल में बंद हमास नेता के बेटे को पकड़ने गई थी सेना

इजरायली सेना ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक रेड में चार एम्बुलेंस को भी निशाना बनाया. स्थानीय लोगों ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्होंने एम्बुलेंस पर सीधा हमला किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए. उन्हें बाद में अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. इजरायली सेना का कहना है कि दो संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए सेना ने रेड किया था, जहां भीषण गोलीबारी हुई. इनमें एक जेल में बंद हमास नेता का बेटा है.

20 साल में पहली बार वेस्ट बैंक में कॉम्बैट हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल

इजरायली सेना का दावा है कि गोलीबारी में उसके सात सैनिक घायल हुए हैं. इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, लेकिन स्थिर है. इजरायली सेना कब्जे वाले क्षेत्र में कैम्प खाली कराने और संदिग्धों को गिरफ्तार करने आई थी. यहां विस्फोटक से हमला भी किया, जिसमें वाहन समेत कुछ लोग घायल हो गए. जमीन पर सैनिकों की मदद के लिए हेलिकॉप्टर से मदद की गई.

पीसीबी अध्यक्ष की रेस से बाहर हुए नजम सेठी, ट्वीट कर बताई बड़ी वजह

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नजम सेठी बोर्ड अध्यक्ष की उम्मीदवारी की रेस से बाहर हो गए हैं। उन्होंने उम्मीदवारी वापस लेते हुए कहा कि वे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच विवाद की जड़ नहीं बनना चाहते हैं। नजम सेठी पीसीबी मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष हैं। पिछले साल रमीज राजा की जगह उन्हें अंतरिम तौर पर पीसीबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा था।

इस तरह के विवाद पीसीबी से लिए सही नहीं

नजम सेठी ने उम्मीदवारी वापस लेते हुए कहा कि इस तरह के विवादों से अस्थिरता और अनिश्चिता आती है जो कि पीसीबी के लिए सही नहीं है। उन्होंने ट्वीट कर अपने इस फैसले की जानकारी दी। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा-सभी को सलाम! मैं आसिफ जरदारी और शहबाज शरीफ के बीच विवाद का कारण नहीं बनना चाहता। इस तरह की अस्थिरता और अनिश्चितता पीसीबी के लिए अच्छी नहीं है। इन परिस्थितियों में मैं पीसीबी अध्यक्ष पद का उम्मीदवार नहीं हूं। सभी हितधारकों को शुभकामनाएं। इससे पहले शुक्रवार को लाहौर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने पीसीबी अध्यक्ष पद के लिए लगाए जा रहे कयासों के बारे में सुना है। मैं इस मामले में पड़ना नहीं चाहता क्योंकि इसका फैसला संरक्षकों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा- पीसीबी के संरक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और जरदारी साबह जो भी फैसला लेंगे वो मुझे मंजूर होगा।

पिछले दशक की तुलना में 65% तेजी से पिघल रहे हैं हिमालय के ग्लेशियर

अध्ययन में हुआ खुलासा

काठमांडू, 20 जून (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन के कारण लगभग दो अरब लोगों को महत्वपूर्ण पानी उपलब्ध कराने वाले हिमालयी ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। हिमालयी ग्लेशियर पिघलने के कारण समुदायों को अप्रत्याशित और महंगी आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक की तुलना में 2011 से 2020 तक ग्लेशियर 65 प्रतिशत तेजी से पिघल रहे हैं। प्रमुख लेखक फिलिपस वेस्टर ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि जिस गति से बर्फ पिघल रही है वह अप्रत्याशित और चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि हमें नहीं पता था कि यह इतनी तेजी से आगे बढ़ेगा।

हिमालय 165 करोड़ लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत

रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) क्षेत्र में ग्लेशियर पर्वतीय क्षेत्रों में लगभग 240 मिलियन लोगों के साथ-साथ नदी घाटियों में अन्य 1.65 बिलियन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत हैं। नेपाल स्थित आईसीआईएमओडी, एक अंतर-सरकारी संगठन, जिसमें सदस्य देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्यांमार और पाकिस्तान भी शामिल हैं, ने कहा कि वर्तमान उत्सर्जन प्रक्षेपवक्र के आधार पर, ग्लेशियर सदी के अंत तक अपनी वर्तमान मात्रा का 80 प्रतिशत तक खो सकते हैं। ग्लेशियर दुनिया की 10 सबसे महत्वपूर्ण नदी प्रणालियों की जल आपूर्ति करता है जिनमें गंगा, सिंधु, येलो, मेकांग और इरावदी शामिल हैं, और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अरबों लोगों को भोजन, ऊर्जा, स्वच्छ हवा और आय की आपूर्ति करते हैं।

न्यूजीलैंड के तीन चीनी रेस्टोरेंट में ग्राहकों पर कुल्हाड़ी से हमला, तीन घायल; आरोपी गिरफ्तार

ऑकलैं, 20 जून (एजेंसियां)। डन्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एक व्यक्ति एक के बाद एक तीन चीनी रेस्टोरेंट में कुल्हाड़ी लेकर घुस गया और वहां बैठे लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, एक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है तो वहीं बाकी तीन की हालत स्थिर बनी हुई है। स्थानीय मीडिया के हवाले से पता चला है कि आरोपी ने सोमवार रात नौ बजे के करीब तीन चाइनीज रेस्टोरेंट झांगलियांग मालातांग, यूस डंपलिंग किचन और माया हॉटपॉट में जाकर वहां मौजूद लोगों पर कुल्हाड़ी से हमला करने लगा। एक प्रत्यक्षदर्शी ने न्यूजीलैंड के स्थानीय समाचार संगठन के रेडियो स्टेशन को बताया कि वह अपने दोस्त के साथ माया हॉटपॉट में खाना खा रही थी, तभी एक व्यक्ति उसकी दोस्त के पास आया और हमला कर दिया। उसने बताया कि इस घटना को देखकर वहां मौजूद सभी लोग खड़े हो गए।

ब्रिटिश सांसदों ने 'पार्टीगेट' को लेकर पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन के खिलाफ रिपोर्ट का किया समर्थन

लंदन, 20 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन पर डाउनिंग स्ट्रीट में कोविड-19 संबंधी नियम तोड़कर आयोजित की गईं पार्टी को लेकर संसद को जान-बूझकर गुमराह करने का आरोप लगाने वाली 'हाउस ऑफ कॉमन्स' समिति की रिपोर्ट को ब्रिटिश सांसदों ने 7 के मुकाबले 354 मतों से समर्थन दिया। जॉनसन ने संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में कई बार इस बात से इनकार किया था कि ब्रिटिश पीएम के आधिकारिक हाउस और आफिस 10 डाउनिंग स्ट्रीट में कोविड-19 संबंधी नियम तोड़कर पार्टी आयोजित की गईं। जॉनसन द्वारा पार्लियामेंट को 'गुमराह' किए जाने संबंधी इस मामले को 'पार्टीगेट' नाम दिया गया है। 58 वर्षीय जॉनसन ने समिति के सदस्यों पर अपने पीछे पड़ जाने का आरोप लगाया और संसद सदस्यता से पहले ही इस्तीफा दे दिया है। 'कंजर्वेटिव पार्टी' के नेता जॉनसन ने संसद की विशेषाधिकार समिति (कॉमन्स प्रिविलेजेस कमेटी) की अंतिम रिपोर्ट के मसौदे को देखने के बाद संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और अब वह पूर्व सांसदों को मिलने वाली संसद तक विशेष पहुंच का अधिकार भी खो देंगे। रिपोर्ट के निष्कर्षों पर चर्चा करने के लिए उनके कई सहयोगी और विपक्षी सदस्य सोमवार को 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में इकट्ठा हुए। अधिकतर ने पूर्व पीएम बोरिस के कार्यों की निंदा की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और 'कंजर्वेटिव पार्टी' के कई अन्य सदस्य रिपोर्ट के निष्कर्षों पर बहस या टिप्पणी में शामिल नहीं हुए। इसकी विपक्षी लेबर पार्टी के कई सांसदों ने घंटों चले सत्र के दौरान निंदा की। लेबर पार्टी के जेस फिलिप्स ने कहा, 'यह शर्मनाक है कि इस देश के प्रधानमंत्री यह भी नहीं बता सकते कि यदि आज वह यहां आते तो किसके लिए वोट देते। मेरे विचार से यह कर्तव्य से विमुख होना है।'

टाइटैनिक का मलबा देखने गए ब्रिटिश अरबपति समेत इन लोगों के समुद्र में लापता होने की आशंका

इंटरनेशनल डेस्क:, 20 जून (एजेंसियां)। टाइटैनिक के मलबे को देखने के लिए लोगों को ले जाने वाली पनडुब्बी अटलांटिक महासागर में लापता हो गई है। बोस्टन कोस्टगार्ड ने बताया कि न्यूफ़ाउंडलैंड के तट पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। स्काई न्यूज के अनुसार ब्रिटिश अरबपति हामिश हार्डिंग, फ्रांसीसी सबमर्सिबल पायलट पॉल-हेनरी नार्गोलेट और ओशनगेट एक्सपेडिशंस के मुख्य कार्यकारी और संस्थापक, स्टॉकटन रश, सभी के लापता होने की आशंका है। यह स्पष्ट नहीं है कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे, लेकिन पनडुब्बी में पांच लोगों की क्षमता है। हार्डिंग एक्शन एविएशन के वर्तमान अध्यक्ष हैं। जिन्होंने हाल ही में एक ब्लू ओरिजिन शिल्प में अंतरिक्ष की यात्रा की थी, ने कहा कि चालक दल में अनुभवी फ्रांसीसी खोजकर्ता पीएच नर्गोलेट भी शामिल होने की उम्मीद है जो टाइटैनिक के एक पूर्व-प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं

शाही परिवार की बात को समझना लोगों के लिए मुश्किल प्रिंस हैरी से अनबन के बीच बड़े भाई विलियम का बयान

लंदन, 20 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन के राजपरिवार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम की अनबन जगजाहिर है। वहीं, ब्रिटेन में किंग चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक से पहले राजपरिवार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा था। इस बीच, प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम ने कहा है कि शाही परिवार की बात को समझना लोगों के लिए कभी-कभी कठिन होता है। एक इंटरव्यू में उन्होंने यह दावा किया। इसके अलावा इसमें उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में बेघर लोगों के लिए किए जा रहे अपने कामों के बारे में भी बताया। इंटरव्यू में प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम ने बेघर लोगों की समस्याओं को खत्म करने और उन्हें घर मुहैया कराने के लिए अपने पांच साल की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हम सभी बहुत काम कर रहे हैं। इस दौरान, ड्यूक ऑफ ससेक्स के साथ चल रही अनबन को लेकर कहा कि कभी कभी यह देखना मुश्किल होता है कि हमारा परिवार क्या करता है और हम क्या करते हैं। प्रिंस विलियम ने आगे कहा कि वह लोगों की मदद कर सकते हैं और वे ऐसा करना जारी रखेंगे।

आगे उन्होंने अपने सार्वजनिक आवास अभियान के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने प्रिंस जॉर्ज, प्रिंस लुइस और प्रिंसेस शार्लोट को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि तीनों बड़े होकर इस बारे में गहराई से जानें। उन्होंने बेघर लोगों के लिए जा रहे कामों के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि जब मैं इसे उनकी स्कूली शिक्षा के साथ संतुलित कर सकता हूं, तो वे निश्चित रूप से इसके संपर्क में आएंगे। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब हम लंदन में थे तो हम नियमित रूप से सुपरमार्केट के बाहर बैठे लोगों को देखते थे और हम इसके बारे में बात करते थे। तब बच्चों ने भी सड़क पर रहने वाले लोगों को लेकर उनसे सवाल किया था।

पूछा कि वे वहां क्यों रह रहे हैं। प्रिंस विलियम ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हमारे सभी हितों में है, यह करना सही काम है। उन्होंने कहा कि हममें से कुछ बहुत भाग्यशाली हैं, हममें से कुछ को थोड़ी मदद की जरूरत है। हममें से कुछ को थोड़ा और करने की जरूरत है जहां हम दूसरों की मदद कर सकें उनके जीवन में सुधार करें। गौरतलब है कि प्रिंस विलियम की यह टिप्पणी उनके भाई, ड्यूक ऑफ ससेक्स के साथ चल रही अनबन और पिछले महीने उनके पिता किंग चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक से पहले राजशाही का लोगों द्वारा विरोध किए जाने के बीच आई थी। किंग चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक के समय भी सामने आया था कि विलियम नहीं चाहते थे कि प्रिंस हैरी यानी उनके छोटे भाई को राजतिलक समारोह में आमंत्रित किया जाए।

रोड के किनारे नमाज पढने पर इस मुस्लिम देश का रवैया सख्त, ऐसा किया तो लगेगा जुर्माना

अमीरात, 20 जून (एजेंसियां)। युनाइटेड अरब अमीरात यानी यूएई के अबुधाबी में पुलिस ने रोड के किनारे नमाज पढ़ने वाले लोगों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का निर्णय लिया है। पुलिस का कहना है कि हाइवे पर कहीं भी गाड़ी रोककर नमाज पढ़ने पर जुर्माना लगाया जाएगा। यह जुर्माना 1000 दिरहम का होगा। वहीं पुलिस के अनुसार इस तरह से नमाज अदा करने पर न सिर्फ प्रार्थना करने वालों पर बल्कि यह रोड पर चलने वाले दूसरे लोगों की जान के लिए भी खतरनाक है।

यह आदेश सोमवार को आया है, जो तेजी से वायरल है। पुलिस ने यह आदेश जागरुकता अभियान के तहत जारी किया है। अबू धाबी पुलिस के महानिदेशक के इस आदेश का उद्देश्य रोड सेफ्टी को बढ़ाना है, जिससे कि कोई दुर्घटना न हो सके। बताया जाता है कि देश के कुछ बस चालक और बाइक चालक अपने वाहनों को रोड के किनारे अक्सर रोक देते हैं और इसके बाद वे नमाज पढ़ते हैं। ऐसी ही बस पार्किंग और दूसरे खतरों से बचाने के लिए इस आर्डर को अबुधाबी पुलिस की ओर से जारी किया गया है। अबू धाबी के ट्रैफिक नियम नंबर 178 के तहत सड़क के किनारे गाड़ी रोकना अब अपराध होगा। इसके लिए बाकायदा जुर्माना अदा करना पड़ेगा। चौराहों या मोड़ पर गाड़ी रोकने का जुर्माना 500 दिरहम है। गलत तरीके से गाड़ी रोकना या पार्किंग करना जो बाकी राहगीरों के लिए खतरनाक है उसके लिए 400 दिरहम और जो लोग अपने वाहनों के खराब होने की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा उपाय करने में विफल रहते हैं, उन पर 500 दिरहम का जुर्माना लगाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अबू धाबी ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के उप निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल सलाह अब्दुल्ला अल हमैरी ने मोटर चालकों से सड़कों के किनारे अपने वाहनों को रोकने के लिए मना किया है।

तो क्या पाकिस्तान में गिर जाएगी शहबाज शरीफ की सरकार? बिलावल भुट्टो ने अब जाकर तोड़ी मतभेद की खबरों पर चुप्पी

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन (पीएमएल-एन) के साथ अनबन खबरों को महज अफवाह बताया. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी और पीएमएल-एन के बीच कोई राजनीतिक मतभेद नहीं है. उम्मीद है कि दोनों पार्टियों की राजनीति चार्टर ऑफ डेमोक्रेसी के अनुसार आगे बढ़ेगी. स्वात में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए बिलावल भुट्टो ने अपनी ही सरकार पर पिछले साल की विनाशकारी बाढ़ का खामियाजा भुगतने वाले प्रांतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में पीपीपी का बहुत कम योगदान है. उन्होंने कहा कि अगर मुस्लिम लीग-एन (पीएमएल-एन) चाहती है कि पीपीपी इस बजट के लिए मतदान करे, तो उसे पहले बाढ़ पुनर्निर्माण के लिए धन आवंटित करना होगा.

सार्वजनिक रैलियों में मुद्दे नहीं सुलझेंगे

बिलावल भुट्टो के इस आरोपों के बाद पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता अहसान ने जोर देकर कहा कि गठबंधन के सहयोगियों को कैबिनेट बैठकों में सभी मुद्दों को सुलझाना चाहिए न कि सार्वजनिक रैलियों में. उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमेशा अपनी पार्टी के सदस्यों की तुलना में गठबंधन सहयोगियों को अधिक महत्व दिया है और हमेशा उनके मुद्दों को सुलझाया है. सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर आरोप लगाने से अस्थिरता का माहौल बनता है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता.

बिलावल ने मतभेद से किया इनकार

इस घटना क्रम के बाद कराची के मेयर और डिप्टी मेयर के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को कहा कि पीएमएल-एन के साथ कोई राजनीतिक मतभेद नहीं है. आगे बिलावल ने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि कराची में इतिहास में पहली बार पीपीपी के मेयर और डिप्टी मेयर चुने गए हैं. इस दौरान उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया .

पीटीआई ने गठबंधन टूटने का किया दावा

उधर इस पूरी मामले पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी ने सोमवार को कहा कि गठबंधन टूटने के कगार पर है, सिर्फ इस बात का आधिकारिक ऐलान होना बाकी है. उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने रविवार को जो स्वात में चिंता जताई थी, वह सच है. मीडिया में पिछले कुछ दिनों से पीडीएम में दो प्रमुख गठबंधन दलों - पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के बीच कई मुद्दों पर मतभेद की खबरें चल रहीं हैं.

धर्मशाला: बीड़-बिलिंग में अब बंजी जंपिंग शुरू करने की तैयारी, एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब ने दी मंजूरी

धर्मशाला, 20 जून (एजेंसियां)। कांगड़ा जिले के बीड़-बिलिंग में सैलानी जल्द ही बंजी जंपिंग का भी लुत्फ उठा सकेंगे। यहां बंजी जंपिंग शुरू करने के लिए एडवेंचर स्पोर्ट्स की तकनीकी टीम से हरी झंडी मिल चुकी है। अब पर्यटन निदेशालय इसको लेकर समीक्षा करेगा। बीड़-बिलिंग के सलावक में सस्पेंशन ब्रिज बंजी-जंपिंग शुरू करने के लिए हिमाचल एडवेंचर स्पोर्ट्स अधिनियम के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन किया गया था। आवेदन के बाद एडवेंचर स्पोर्ट्स की तकनीकी टीम ने सलावक का निरीक्षण कर इसे बंजी-जंपिंग के लिए उपयुक्त करार दिया और स्वीकृति दे दी। अब पर्यटन निदेशालय की ओर से चिह्नित स्थान की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद हवा में अठखेलियों के साथ ही हवा में गोताखोरी भी बीड़-बिलिंग में हो सकेगी।

बिपरजॉय तूफान पर सियासत

भाजपा ने कहा- गहलोत सरकार का आपदा प्रबंधन फेल, दावों की खुली पोल, सरकार विशेष आर्थिक पैकेज की करे घोषणा

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। बिपरजॉय तूफान का असर जहां अब कम हो रहा है तो वहीं दूसरी तरफ इस तूफान पर सियासत का पारा चढ़ने लगा है। तूफान को लेकर भाजपा ने गहलोत सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि बिपरजॉय तूफान से प्रदेश में भारी नुकसान हुआ है। तूफान को लेकर सभी सूचनाएं सरकार के पास पहले से थी। लेकिन उसके बाद भी सरकार का आपदा प्रबंधन फेल साबित हुआ। वहीं तूफान ने सरकार के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

सीपी जोशी ने कहा कि तूफान से 7 लोगों की जान चली जाने की सूचना हैं। सैंकड़ो लोग पानी में फंसे हुए हैं, कई घर ध्वस्त हो चुके हैं, अनेक लोग बेघर हो चुके हैं, कई गांव जलमग्न हो चुके हैं, लोगों के पास खाने पीने की वस्तुओं का अभाव है। कई लोगों के मवेशी मर चुके हैं और अस्पताल में पानी भरने से भर्ती मरीजों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सीएम गहलोत को गुजरात सरकार से सीखना चाहिए

सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को गुजरात सरकार के आपदा प्रबंधन से सीख लेनी चाहिए, वहां 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान आने के बाद भी किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई। गुजरात सरकार ने तूफान से प्रभावित लोगों को सहायता राशि प्रदान दी, जिससे लोगों को रोजमर्रा का रोजगार न होते हुए भी खाने पीने की वस्तुएं खरीदने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। बिजली के खंभे उखड़ने से बिजली की सप्लाई प्रभावित हुई उसे तुरंत सही कर दिया गया। वहीं प्रदेश में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान आने के बाद भी सैकड़ों गांव ऐसे हैं जहां पिछले दिनों से बिजली नहीं है। मुख्यमंत्री गहलोत आप सिर्फ झूठी घोषणाएं करने में व्यस्त चल रहे हैं और बाढ़ में फंसी जनता परेशान हो रही है।

सरकार विशेष आर्थिक पैकेज की करें घोषणा

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर प्रदेश में बिपरजॉय तूफान से हुई तबाही एवं नुकसान से पीड़ित लोगों के लिए विशेष आर्थिक पैकेज घोषित करने की मांग की है। राठौड़ ने कहा कि मृतकों को 10 लाख रुपए व घायलों को 5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। वहीं राठौड़ ने जल्द ही टास्क फोर्स का गठन करने की भी मांग की।

राठौड़ ने कहा कि मौसम विभाग ने प्रदेश में तूफान को लेकर पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि मौसम विभाग की पूर्व चेतावनी के बाद भी प्रशासनिक तौर पर किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की गई। जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाड़मेर, सिरोही, बांसवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद, पाली, अजमेर, कोटा सहित कई जिलों में तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया हैं।

राठौड़ ने कहा कि तूफान को लेकर राज्य सरकार ने आपदा से निपटने के लिए प्रभावी इंतजाम नहीं किए। सिर्फ कागजी एडवाइजरी के कारण तूफान से निपटने की सरकार की तैयारी धरी रह गई है। राज्य सरकार ने ना तो टास्क फोर्स का गठन किया है और ना ही निचले इलाकों में भारी बारिश का पानी जाने से रोकने व प्रभावितों को अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा पुर्नवास की कोई वैकल्पिक व्यवस्था की। राठौड़ ने कहा कि राज्य आपदा प्रबन्धन राहत (एस.डी.आर.एफ.) कोष में लगभग 2750 करोड़ रूपये की राशि जिसमें 50 प्रतिशत राशि केन्द्रांश व 50 प्रतिशत राशि राज्यांश की उपलब्ध होने के बावजूद भी प्रदेश में अभी तक राहत कार्य प्रारम्भ नहीं किये जा रहे हैं।

मंत्री खाचरियावास बोले- केजरीवाल झूठ के जनरेटर और नकलची

कहा- गहलोत सरकार की योजनाओं की नकल कर रहे हैं केजरीवाल

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर पलटवार करते हुए उन्हें झूठ का जनरेटर और नकलची तक कह दिया। खाचरियावास ने कहा- देश में तीन-चार झूठ के जनरेटर हैं, केजरीवाल उनमें से एक हैं। सबसे पहले उन्होंने लोकपाल के नाम पर लोगों को गुमराह किया। केजरीवाल हाथ उठाकर लोकपाल के नाम पर नारे लगाते थे। आज लोकपाल कहां गया, याद तक नहीं करते। केजरीवाल ने देश को गुमराह किया। खाचरियावास जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

केजरीवाल ने बंगले पर 50 करोड़ खर्च दिए, उसका जवाब क्यों नहीं देते

खाचरियावास ने कहा- केजरीवाल ने अन्ना हजारे जैसे समाज सेवक को घुमा दिया। इतने बड़ा समाज सेवक को लेकर आए, अब कहां गए वे मुद्दे, कहां गया लोकपाल। केजरीवाल पर लोग शुरू के दिनों में भरोसा कर रहे थे क यह आदमी देश में

क्रांति करेगा। क्रांति लाया लेकिन चोरी की। क्रांति की बातें करने वाले केजरीवाल ने 50 करोड़ का बंगला तैयार करवा लिया। जनता इसपर जवाब मांगेगी। केजरीवाल इका जवाब नहीं दे रहे हैं। बड़ी बड़ी बातें करना और दूसरों पर आरोप लगाने वाले जब खुद पर आरोप लगते हैं तो जवाब क्यों नहीं देते।

खाचरियावास ने कहा- जो नेता 50 साल से पॉलिटिक्स में है, तीसरी बार चीफ मिनिस्टर हैं उनके लिए केजरीवाल जिस तरह की भाषा बोलते हैं वह शोभा नहीं देती। केजरीवाल इस देश के और राजनीति के सगे नहीं हो सकते। वे कौन से मॉडल की बात कर रहे हैं। केजरीवाल ने अपनी सारी योजनाएं कांग्रेस सरकार की योजनाओं की नकल से बनाई है। वे जिस व्यक्ति के खिलाफ बोल रहे हैं उनका कद बहुत बड़ा है। गहलोत उस दौर में सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं लेकर आए थे जब केजरीवाल राजनीति में आए ही नहीं थे।

खाचरियावास का दावा, आम आदमी पार्टी राजस्थान में एक सीट नहीं जीतेगी

खाचरियावास ने कहा- राजस्थान योजनाओं के मामले में मॉडल स्टेट है। राजस्थान देश का पहला राज्य है जिसने राइट टू हेल्थ लागू किया। गहलोत सरकार की योजनाओं की पूरे देश में चर्चा है। हमारी सरकार धरातल पर योजनाओं को उतारती है। हमारी योजनाओं में कमी निकालते तो बात समझ में आती है लेकिन अरविंद केजरीवाल की भाषा में अहंकार झलकता है।

जनता किसी का अहंकार नहीं सहती, मौका आने पर जवाब देती है। राजस्थान की जनता बहुत समझदार है, यहां केजरीवाल चाहे कितने प्रयास कर लें, यहां आप की एक सीट नहीं आने वाली है। राजस्थान की जनता बहुत समझदार है और इस तरह के झांसों में नहीं आने वाली है। केजरीवाल को शायद राजस्थान की जनता की तासीर पता नहीं है, घमंड किसी का नहीं चलता है। यहां आम आदमी पार्टी का खाता नहीं खुलेगा।

पत्नी को भरण-पोषण के 55000 देने 7 कट्टे सिक्के लाया

पत्नी ने कहा- यह मानसिक प्रताड़ना, पति बोला- वैध मुद्रा; कोर्ट का निर्देश- गिनती करवाए

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। पत्नी को भरण-पोषण की राशि देने के लिए एक पति कोर्ट में 55 हजार रुपए के सिक्के लेकर पहुंच गया। सिक्के देखकर कोर्ट में मौजूद सभी लोग चौंक गए। पत्नी की ओर से इसका विरोध किया गया तो पति ने कहा कि यह वैध भारतीय मुद्रा है। इसे स्वीकार किया जाए। इस पर कोर्ट ने पति को आदेश दिया कि वह अगली तारीख को कोर्ट में सिक्कों की गिनती करवाकर एक-एक हजार की थैलियां बनाकर पत्नी को दे। कोर्ट ने मामले में अगली तारीख 26 जून दी है।

पति दशरथ कुमावत के वकील रमन गुप्ता ने बताया- यह पूरा मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा हुआ है। दशरथ

कुमावत की शादी करीब 10 साल पहले सीमा कुमावत से हुई थी। शादी के 3-4 साल बाद ही दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। इसके बाद पति ने कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी दायर कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान फैमिली कोर्ट ने पति को हर महीने पत्नी को भरण-पोषण के 5 हजार रुपए देने के निर्देश दिए।

पति पिछले 11 माह से यह राशि पत्नी को नहीं दे रहा था। इसके बाद कोर्ट ने पति के खिलाफ वसूली वारंट जारी कर दिया। इसके बाद भी राशि नहीं चुकाने पर यह गिरफ्तारी वारंट में तब्दील हो गया। हरमाड़ा थाना पुलिस ने पति को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया। राशि चुकाने पर कोर्ट ने पति को जमानत पर रिहा कर दिया।

सिक्कों का वजन 280 किलो

जयपुर के पारिवारिक न्यायालय-1 में यह मामला चल रहा है। कोर्ट की छुट्टियां होने की वजह से इस बार मामले की सुनवाई लिंक कोर्ट एडीजे-8 जयपुर महानगर प्रथम में की गई। पुलिस ने पति को 17 जून को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया। उसी दिन परिजन 7 कट्टों में एक व दो रुपए के सिक्के लेकर कोर्ट पहुंचे। इन कट्टों का वजन करीब 280 किलो के आस-पास था।

इस पर सीमा कुमावत के अधिवक्ता रामप्रकाश कुमावत ने कहा- यह मानवीयता नहीं है। पति 11 माह से भरण-पोषण की राशि नहीं चुका रहा है। अब पत्नी को प्रताड़ित करने के लिए 55 हजार रुपए के सिक्के लेकर आ गया है। इन्हें तो गिनने में ही 10 दिन लग जाएंगे। इस पर कोर्ट ने पति को निर्देश दिया कि वह कोर्ट में ही सिक्कों की गिनती करवाकर एक-एक हजार की थैलियां बनवाए।

अभी भी 75 हजार रुपए बकाया

एडवोकेट कुमावत ने बताया- पति पर 55 हजार रुपए भरण-पोषण देने के बाद भी 75 हजार रुपए भरण-पोषण भत्ता बकाया चल रहा है।

बिपरजॉय से राजस्थान के 5 जिलों में बाढ़

गहलोत बोले- चक्रवात से किसी की मौत नहीं हुई, नदी-नालों में डूबने से मरे लोग

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)।अजमेर में तेज बारिश मे बाद शहर के अंदरूनी हिस्सों में तेज बहाव देखने को मिला। यहां एक बाइक सवार बह गया। - Dainik Bhaskar

अजमेर में तेज बारिश मे बाद शहर के अंदरूनी हिस्सों में तेज बहाव देखने को मिला। यहां एक बाइक सवार बह गया।

राजस्थान में पहली बार मानसून से पहले बाढ़ जैसे हालात हैं। चार दिन में चक्रवात बिपरजॉय से कई इलाकों में इतना पानी बरसा कि मानसून सीजन का कोटा पूरा हो गया। बाड़मेर, पाली, राजसमंद, भीलवाड़ा, अजमेर के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। बीते 24 घंटे में पाली के मुठाना में 530 मिमी यानी 21.3 इंच बारिश हो चुकी है।

पाली में भी 12 इंच बारिश हुई। बूंदी, अजमेर, भीलवाड़ा के सैकड़ों गांवों में बिजली गुल है। अब तक राज्य में 8 लोगों की मौत हो चुकी है। अजमेर में बारिश का 100 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग ने कोटा, बारां-सवाई माधेपुर में मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, मंगलवार दोपहर बाद जयपुर में भी तेज बारिश का दौर शुरू हुआ।

सीएम ने किया हवाई सर्वेक्षण

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार को बिपरजॉय चक्रवात से हुए नुकसान का जायजा लेने चौहटन और सांचौर पहुंचे। सांचौर में गहलोत ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया, जिसके बाद डाक बंगले में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करके उनकी समस्याओं को सुना।

मुख्यमंत्री ने कहा तूफान और बाढ़ को देखते हुए हमने 25 टीमें एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की लगा रखी है। टीमों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बेहतर काम किया। सीएम ने कहा कि बाढ़ की वजह से कच्चे मकान बहुत ज्यादा टूटे हैं। कई मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। सर्वे करवाकर मुआवजा दिया जाएगा। गहलोत ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के नियम बने हुए हैं।

किरोड़ी ने लगाया 20 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप

कहा- मंत्री महेश जोशी-आईएएस सुबोध अग्रवाल भ्रष्ट; कार्रवाई नहीं हुई तो फिर आएगी ईडी

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। डीओआईटी घोटाले के बाद आज सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने जल जीवन मिशन में करीब 20 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया है। किरोड़ी ने पीएचईडी विभाग के एसीएस सुबोध अग्रवाल और अन्य अधिकारियों पर टेंडर में घोटाला करने का आरोप लगाया है।

वहीं पीएचईडी मंत्री महेश जोशी की भी इसमें मिलीभगत भी बताई है। इसे लेकर किरोड़ी कल केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) में ज्ञापन देंगे।

वे जयपुर स्थित भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वे सुबोध अग्रवाल व पीएचईडी के अन्य अधिकारियों के खिलाफ संबंधित

थाने में मामला भी दर्ज करवाएंगे। किरोड़ी ने कहा कि इस पर भी कार्रवाई नहीं हुई तो इस मामले की भी ईडी में शिकायत करेंगे।

शाहपुरा की चहेती फर्मों को मिला टेंडर

किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि पीएचईडी विभाग ने प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत शाहपुरा की अपनी चहेती दो फर्मों- गणपति ट्यूबवेल कंपनी और श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी को बीते दो सालों में फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर 1 हजार करोड़ से अधिक के टेंडर जारी किए।

फर्मों ने बनाए फर्जी सर्टिफिकेट

इन दोनों फर्मों ने भारत सरकार के उपक्रम इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फोरमेट की नकल करके उसी पर फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र तैयार करवाए। और इसी के आधार पर पीएचईडी विभाग से कार्य के आदेश प्राप्त कर लिए।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने 7 जून 2023 को अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल को भी पत्र लिखकर इस मामले की जानकारी दी। लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत के चलते इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

किरोडी लाल मीणा ने कहा कि इस पूरे घोटाले में आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल सहित पीएचईडी के अन्य अधिकारी शामिल हैं। ऐसे में यह मामला सीवीसी का बनता है।

महिला थानेदार को 2 करोड़ देने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

गैंगस्टर कैलाश मांजू ने लगाया था आरोप, जोधपुर की कॉलोनी में फायरिंग करने वाला भी पकड़ा गया

जोधपुर, 20 जून (एजेंसियां)। महिला थानेदार को 2 करोड़ देने वाले हिस्ट्रीशीटर दिनेश बंबानी और विक्रम नांदिया को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। दोनों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम है। विक्रम नांदियों ने जोधपुर शहर में 1 फरवरी को वितराग सिटी में फायरिंग की थी।

विक्रम नांदिया को जोधपुर के भोपालगढ़ से पकड़ा गया है। झंवर थाने की महिला थानेदार परमेश्वरी से हिस्ट्रीशीटर दिनेश बंबानी के साथ मिलीभगत का आरोप है। उसे भी जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस टीम ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि ये दोनों आरोपी जोधपुर के टॉप 10 बदमाशों में शामिल हैं।

गैंगस्टर कैलाश मांजू ने एक ऑडियो और वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया था कि झंवर थानाधिकारी परमेश्वरी ने उसके दुश्मन दिनेश बंबानी से 2 करोड़ रुपए लिए। अब बंबानी उसका मर्डर करवाना चाहता है।

करीब दो वर्ष पहले डाली बाई चौराहे पर ही राकेश मांजू ने विक्रम सिंह नांदिया पर फायरिंग की थी। उसका बदला लेने के लिए विक्रम सिंह नांदिया ने अपने साथियों के साथ मिलकर 1 फरवरी को राकेश मांजू पर फायरिंग कर दी थी। दिनदहाड़े हुई इस गैंगवार के बाद पुलिस भी हरकत में आ गई थी। इस घटना के बाद से विक्रम सिंह नांदिया फरार चल रहा था। इसके बाद पुलिस ने 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

इस दुश्मनी की जड़ें 18 साल पुरानी हैं। 2005 में राकेश का भाई दिनेश मांजू और उसका दोस्त दिनेश बंबानी सट्टे का कारोबार चलाते थे। दोनों ने जोधपुर में करोड़ों का सट्टा कारोबार खड़ा कर दिया था।

31 दिसंबर 2010 को दिनेश मांजू अपने साथियों के साथ नए साल का जश्न मनाने बाड़मेर गया था। इसी बीच आधी रात को होटल से रवाना होने के बाद श्रवण बाबल और स्वरूप सिंह सोढ़ा नाम के हिस्ट्रीशीटर ने दिनेश मांजू की हत्या कर दी। दिनेश बंबानी उसका बिजनेस पार्टनर था। ऐसे में एक बार मांजू के परिवार का शक बंबानी पर भी गया।

दिनेश की मौत के बाद उसके छोटे भाई राकेश मांजू और चाचा कैलाश मांजू ने दिनेश बंबानी से सट्टे के कारोबार का हिसाब मांगा। यहीं से इनके बीच दुश्मनी शुरू हो गई। बंबानी ने मांजू के भाई और चाचा को साफ मना कर दिया था कि वे सट्टे के कारोबार का एक भी रुपया नहीं देने वाला है। रंजिश बढ़ी और इनके बीच तीन बार फायरिंग भी हुई।

मेयर पर एसटी-एससी का मुकदमा करने की तैयारी

अतिरिक्त आयुक्त ने जाति सूचक शब्द से अपमानित करने का लगाया आरोप

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम हेरिटेज की मेयर मुनेश गुर्जर, उनके पति समेत 10 से ज्यादा पार्षदों के खिलाफ एससी-एससटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाने की तैयारी चल रही है। अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा की शिकायत के बाद कमिश्नर नगर निगम हेरिटेज ने सरकार को पत्र लिखकर मुकदमा दर्ज करवाने की अनुमति मांगी है। वर्मा ने इस पूरे घटनाक्रम में इन लोगों के अलावा कुछ बाहरी प्राइवेट व्यक्तियों पर भी जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने, गाली-गलौच करने और धमकाने के आरोप लगाए है।

दरअसल से पूरा घटनाक्रम 16 जून का है जब मेयर मुनेश गुर्जर, उनके पति सुशील गुर्जर के साथ करीब 10-15 पार्षद और उनके

परिचित और कुछ बाहरी लोगों ने अतिरिक्त आयुक्त को मेयर के ही चैम्बर में बंधक बनाकर रखा था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से मेयर और उनके समर्थित 10-15 पार्षद लगातार धरने पर बैठे है।

अतिरिक्त आयुक्त वर्मा ने जो लेटर लिखा है उसमें पार्षदों और मेयर पर बंधक बनाने का आरोप लगाया है। वर्मा ने बताया कि 16 जून को हेरिटेज मुख्यालय मैं राजकीय कार्य कर रहा था, तभी दोपहर 3 बजे मेयर के यहां से मैसेज आया कि मेयर ने चैम्बर में बुलाया है। मैंने 10 मिनट में पहुंचने का मैसेज करवाया। लेकिन 5 मिनट बाद ही कुछ पार्षद और बाहरी प्राइवेट लोग आए और टेंडर की फाइल पर साइन नहीं करने की बात कहते हुए मेरे पर जोर-जोर से चिल्लाने लगे।

गहलोत के तंज पर गोयल का पलटवार

कहा- अपने विधायकों को 'बिकाऊ' कहते हैं सीएम; राज्यवर्धन बोले- दाएं हाथ से 'जादू' बाएं से घोटाला

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार बीजेपी पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगाते आए हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- गहलोत अपने विधायकों को बार-बार हॉर्स ट्रेडिंग (बिका हुआ) बताते हैं। अगर मैं उनका विधायक होता तो अन्य विधायकों के साथ उनके घर धरना दे देता।

आप पहले विधायकों को बिका हुआ बताते हो, उसके बाद उन्हीं विधायकों को मंत्री बनाकर राजस्थान की जनता के साथ विश्वासघात करते हो। आप खुद ही आरोप लगाते हो कि विधायक भ्रष्ट हैं, इन्होंने पैसा खा लिया है।

सीएम गहलोत सेल्फ गोल कर रहे हैं। राहुल गांधी के बाद देश की राजनीति में नया व्यक्तित्व उभर रहा है, जो अपने हाथ से अपने ही पांव पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है।

एकता के लिए महाश्रमणजी ने काफी श्रम किया : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मारडपल्ली सिकंदराबाद स्थित श्री देवेन्द्र नाहटा एवं श्री गौतमचंद गुगलिया के निवास स्थान पर श्रमण संघ के आचार्य श्री शिवमुनिजी के प्रबुद्ध शिष्य युवाचार्य श्री महेंद्रऋषिजी एवं तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्यश्री महाश्रमणजी की प्रबुद्ध शिष्या साध्वीश्री मंगलप्रज्ञाजी का आध्यात्मिक मिलन हुआ। आचार्यश्री महेंद्रऋषिजी एवं साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञाजी के मध्य विविध विषयों पर वार्ता हुई। वार्तालाप के दौरान युवाचार्यश्री महेंद्रऋषिजी ने कहा कि हमारा तेरापंथ संघ के साथ आत्मीय भाव जुड़ा हुआ है। श्रमण संघ एवं तेरापंथ के आचार्यों ने आने वाले समय के लिए माइलस्टोन तैयार कर दिया है। दोनों परंपराओं में कहीं कोई आग्रह नहीं है। यह संपूर्ण जगत के लिए प्रेरणा है। साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञाजी ने कहा कि अपनी परंपराओं को छोड़ना मुश्किल है, अपना अपना विजन है, पर चिंतन पूर्वक उदारता के साथ आचार्य श्री महाश्रमणजी ने जैन एकता की दृष्टि से जैनों का मुख्य पर्व संवत्सरी सबसे एक ही दिन मनाने का प्रस्ताव रखा था। यह उनकी उदारता है। एकता के लिए महाश्रमणजी ने काफी श्रम किया है। आचार्यश्री महाश्रमणजी और श्रमण संघाचार्य श्री शिवमुनि जी ने आदर्श प्रस्तुत किया है। आज का यह आध्यात्मिक मिलन भी सकारात्मक, परिचायक,वात्सल्य भाव दर्शा रहा है। युवाचार्य श्री महेंद्रऋषिजी ने कहा हम महावीर को केंद्र में रखकर सारे कार्य कर रहे हैं। साध्वी श्री मंगलप्रज्ञा ने जैन समाज में बढ़ रही तलाक की समस्या, अल्प संख्यता, शराब आदि के संदर्भ में चिंता व्यक्त करते हुए कहा आज आवश्यकता है संपूर्ण जैन समाज विरासत में मिले सद संस्कारों को भूले नहीं, अपनी भावी पीढ़ी को गुमराह होने से बचाएं। तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के मंत्री श्री सुशील संचेती, पैदल विहार यात्रा टीम के सदस्य प्रेम बेंगानी, आसकरण सेठिया, प्रमोद भंडारी, सुदीप नोलखा, महावीर जैन, राकेश सुराणा,विमल भंडारी के साथ युवक परिषद और महिला मंडल की सदस्य भी उपस्थित रहे। श्रमण संघ हैदराबाद के अध्यक्ष श्री गौतम गुगालिया ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा आज मारड़पल्ली में यह मिलन जिन शासन की गरिमा बढ़ाने वाला है। साध्वी सुदर्शनप्रभा, साध्वी सिद्धियशा, साध्वी राजुलप्रभा, साध्वी चैतन्यप्रभा, साध्वी शौर्यप्रभाजी ने सामूहिक संगान कर प्रसन्नता व्यक्त की। यह आध्यात्मिक मिलन उपस्थित हर मन को प्रेरणा प्रदान करने वाला है। उन्होंने कहा साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञाजी ने अनेक यात्राएं की है। लंबे समय तक समन श्रेणी में रहकर और जैन विश्व भारती यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर पद पर कार्य कर जिन शासन की महान सेवा की है।

श्री बालाजी राजस्थानी मण्डल की कार्यकारिणी बैठक

श्री बालाजी राजस्थानी मंडल 2023-24 की कार्यकारिणी की बैठक के दौरान नये सदस्यों का सम्मान महेश बैंक के चेयरमैन एवं तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के रमेश कुमार बंग द्वारा किया गया।

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बालाजी राजस्थानी मंडल 2023-24 कार्यकारिणी की प्रथम बैठक, श्री बालाजी राजस्थानी भवन मे सम्पन्न हुई। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मण्डल के सचिव आदित्य मानधना द्वारा दी गई। सर्वप्रथम वर्तमान कार्यकरिणी में 4 सदस्यों की अध्यक्ष आनंद सोनी के प्रस्तावन पर विनोद बंग, शैलेंद्र जैन, राजेश बजाज एवं अभिषेक भक्कड़ को नियुक्त किया गया। संरक्षण समिति के चेयरमेन के रूप में श्रीकान्त भक्कड़ को नियुक्त किया गया।

बैठक में सावन की सैर एवं आगामी सत्र के कार्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया जिसमे महेंदर सिंह राजपुरोहित को सावन की सैर का मुख्य संयोजक नियुक्त किया गया। हाल ही में जो मोबाइल एप लाँच हुआ उस पर विचार विमर्श किया गया एवं मोबाइल एप कमेटी नियुक्त की गई जिसके सदस्य आनंदराम सारडा, आदित्य मानधना एवं यश डागा र ह ग । सदस्यों ने अप्रैल से मई माह के आय व्यय की स्वीकृति दी। सभी कार्यकारिणी से इस वर्ष के कार्यकाल के लिए 1-2 सुझाव भी लिये गये। अवसर पर महेश बैंक के चेयरमैन एवं तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के रमेश कुमार बंग ने नवनिर्वाचित कमेटी का सम्मान किया। साथ में पुरुषोत्तमदास मानधना, रामनारायण काबरा, गोपी उपाध्याय एवं ओम दरक भी उपस्थित थे ।

24 जनवरी से भक्तों के लिए खुलेगा राम मंदिर

नृपेंद्र मिश्र बोले, 10 दिन चलेगा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम, पीएम मोदी करेंगे विराजित

अयोध्या, 20 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि परिसर में निर्माणाधीन राम मंदिर जनवरी, 2024 में खुल जाएगा। 24 जनवरी से भव्य गर्भगृह में भक्तों को रामलला के दर्शन मिलने लगेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मकर संक्रांति से शुरू होगा। भव्य गर्भगृह में रामलला को विराजित करने पीएम नरेंद्र मोदी अयोध्या आएंगे।

यह बात राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि दिसंबर, 2023 तक राममंदिर भक्तों के दर्शन लायक बन जाएगा। तीन मंजिला राम मंदिर के भूतल का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों के मुताबिक रामलला की प्राण प्रतिष्ठा मकर संक्रांति के बाद होनी चाहिए।

ऐसे में 14-15 जनवरी, 2024 से 24 जनवरी के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का 10 दिवसीय अनुष्ठान पूरा कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए ट्रस्ट ने देश के टॉप के ज्योतिषियों से शुभ मुहूर्त निकलवाए हैं। ज्योतिषियों ने शुभ मुहूर्त में 21, 22, 24 और 25 जनवरी की तारीख बताई है। ट्रस्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो सकती है, क्योंकि यह सबसे उत्तम तारीख बताई जा रही है।

एनटीआर स्टेडियम के पास आयोजित श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में भाग लेती हुईं समाज सेविका श्रीमती पूजा गुप्ता, इस्कॉन अबिड्स के प्रभु जी भार्गव, किशोर, नीतीश, हेमावती, विजयलक्ष्मी, कुसुमा, रानी, सत्यभामा व अन्य।

अग्रणी महिला मंच ने इंदिरा पार्क के पास भगवान जगन्नाथ की पूजा के पश्चात रथयात्रा की सेवा की। इसमें भाग लेते हुईं मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, पवन भुवानिया, बबिता गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, रितु गोयल, रितु गर्ग, मीनाक्षी अग्रवाल व अन्य।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 9 साल की सेवा और सुशासन के तहत आयोजित गरीब कल्याण महा जनसंपर्क अभियान के तहत एक बैठक कैप्टन वीरा राजा रेड्डी मेमोरियल पार्क में आयोजित की गई। इसमें भाग लेते हुए प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर, पार्षद श्रीमती चेतना बंडारू श्रीवानी, विधानसभा संयोजक बालचंदर सहित जिले के नेता, शक्ति केंद्र के गणमान्य व्यक्ति।

आगामी विधानसभा चुनाव में 80 प्रतिशत सीटें महिलाओं को आंवटित की जाएगी : वीजीआर नरगोनी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्याधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोटा वेंकन्ना ने कहा कि पार्टियों में महिलाओं को उचित दृष्टि से देखा जाता है। किसी दूसरे पार्टी में महिलाओं को उचित प्राथमिकता नहीं दी जाती है और कोई भी पार्टी महिलाओं के लिए कम से कम 50 प्रतिशत सीटें आवंटित नहीं कर रही है।राजनीति में भी वे राजनीति में भी आगे क्यों न हों, उन्होंने कहा, मौजूदा समय में देखा जाए तो जो महिलाएं सॉफ्टवेयर क्षेत्र में आगे हैं, लेकिन सरकारी क्षेत्र में, लेकिन हर चीज में महिलाएं ही क्यों पीछे हैं राज्याधिकार पार्टी हमेशा महिलाओं को स्वेच्छा से जागृत करने के लिए राज्याधिकार पार्टी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेगी और महिलाएं राजनीति में सबसे आगे रहेंगी।यहां तक कि आगामी आम विधानसभा चुनावों में भी 80 प्रतिशत सीटें महिलाओं को आवंटित की जाएंगी और एक और अच्छी खबर क्या है कि मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार भी एक महिला होनी चाहिए। राज्याधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कोटा वेंकन्ना ने कहा कि अगर तेलंगाना राज्य में राज्याधिकार पार्टी सत्ता में आती है, तो वे एक महिला को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में घोषित करेंगे। यह सरकार और विभिन्न दल महिलाओं को हेय दृष्टि से देखते हैं। इसके अलावा, शासन करना भी संभव है। उदाहरण के लिए, यदि हम घर पर मां की देखभाल करेंगे, तो हम सभी को समान रूप से खिलाएंगे और प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र का विकास भी करेंगे। एक महिला राष्ट्रपति बनेगी लेकिन हमारे राज्य तेलंगाना में दुर्भाग्य की बात यह है कि राज्य में महिलाओं को उचित प्राथमिकता नहीं दी जाती है और वे मुख्यमंत्री नहीं बन रही हैं, इसलिए अगले चुनाव में महिलाएं स्वेच्छा से राज्याधिकार पार्टी में शामिल होंगी और महिलाओं को चाहिए उम्मीदवार भी एक महिला बताई गई थी, इसलिए इस अवसर पर सभी महिलाओं को स्वेच्छा से सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने और राजनीति में प्रतिस्पर्धा करने के लिए बुलाया जा रहा है।

मृगशिरा के अवसर पर बत्तिनी गॉड परिवार द्वारा दमा रोगियों में निःशुल्क मछली प्रसाद वितरण के दौरान सहयोग देने के लिए मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव का सम्मान करते बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के संयोजक रतन गुप्ता, कैलाश केडिया, गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 65वें जन्मदिवस समारोह के अवसर पर गौलीगुडा राममंदिर रोड पर जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने जरूरतमंदों के साथ मिठाइयां बांटी। उपस्थित हैं राजू यादव, रामकृष्ण, नायक, कल्पना, रवि व अन्य।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता बडेर में आषाढ सुदी बीज महोत्सव पर पूजा-अर्चना, महाप्रसादी व महिला मंडल द्वारा भजन कार्यक्रम में पधारे मध्य प्रदेश भाजपा प्रभारी मुरलीधर राव का सम्मान कर उपस्थित अध्यक्ष कालुराम काग, उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, सचिव डायाराम लचेटा, सहसचिव राजाराम गेहलोत, प्रकाश खंडाला, अर्जुन राठौड़, ताराराम भायल, चेलाराम पंवार, रताराम सोलंकी, हुक्माराम सेपटा, रमेश हाम्बड़, सलाहकार पुनाराम हाम्बड़ व समाज बन्धु।

गोलकोण्डा गवर्नमेंट महिला डिग्री कॉलेज में मना तेलंगाना शिक्षा दिवस

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोल्कोण्डा गवर्नमेंट महिला डिग्री कॉलेज में तेलंगाना शिक्षा दिवस मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. श्रीनिवास राजु ने झण्डा फहराया और अपने संबोधन में कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में हो रही प्रगति पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस पर डॉ. बाल श्रीनिवास, एनएस रजनीश व सदानंद ने सारगर्भित संदेश दिया। तेलंगाना के प्रमुख त्यौहार और लोक-कलाओं पर डॉ. तुलसी, डॉ. रजनी, डॉ. जयश्री ने व्याख्यान दिया। गोलकोंडा की खासियत और महिलाओं में शिक्षा की आवश्यकता व प्रधानता पर डॉ. मंजूर हुसैन और डॉ मोहम्मद अनवरुद्दीन ने प्रकाश डाला। इस उपलक्ष्य में महाविद्यालय में कार्यरत जे. गंगाधर को पीएचडी की उपाधि मिलने पर सम्मानित किया गया। विशेष कर वरिष्ठ लेखाकार अजय कुमार, सह-कर्मचारी गण मोहम्मद फारुख, चिन्नम्मा, अलफांज रेड्डी, अजहर, सैफुद्दीन, अब्दुल गफार, राजकुमार तिवारी एवं ओम् प्रकाश ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

मदनूर के एससी (माला) कम्युनिटी हॉल में ग्रंथालय का शुभारंभ के दौरान उपस्थित सरपंच विट्ठल गुरुजी, मेनुर माला संघ के अध्यक्ष किशन व अन्य।

विद्या प्रकाश कुरील को मिला अमर शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्मृति सम्मान

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भूटान (थिम्फू पारो) में आयोजित 21वें अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विद्या प्रकाश कुरील को अमर शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। इसमें भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों-नगरों से अं.हिं.स. के श्रृंखलाबद्ध समारोहों में सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों के सक्रिय तथा लब्ध प्रतिष्ठित व्यक्तित्व सहभागियों के रुप में शामिल समस्त 103 सहभागीगणों सहित स्थानीय साहित्य-कला प्रेमियों की गौरवशाली उपस्थिति रही। विभिन्न विधाओं को समाहित करते हुए भिन्न-भिन्न सत्रों में मंच को गौरवान्वित करने केन्द्र सरकार के पूर्व सचिव डॉ. हरि सुमन विष्ट, उत्तराखंड सरकार सांस्कृतिक निदेशक डॉ. सविता मोहन, डॉ. वंदना गुप्ता, उ.प्र. फरुखाबाद पदस्थ न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार सिंह, के.वि.वि. आइजोल के प्रो. संजय कुमार, छ.ग. सरकार में चिकित्सा विभाग के उच्च पदस्थ डॉ. रमेश सुखदेवे, उड़ीसा से डॉ. गोवर्धन साहू, केरल से शिशुपालन रविन्द्रन, डॉ. नम्रता चड्ढा, अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के डा. जय प्रकाश मानस, डॉ. रामकृष्ण राजपूत, डॉ. रत्ना सिंह आदि अन्य पदाधिकारियों सहित आसीन हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बंगाल पंचायत चुनाव ...

तैनाती बूथों पर की जानी है, लेकिन यह पूरे जिले के लिए नहीं हो सकती।

जस्टिस नागरत्ना : बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा के इतिहास को देखते हुए हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया है। यह चुनाव आयोग की मदद के लिए है। आप इससे परेशान क्यों हो रहे।

चुनाव आयोग की दूसरी वकील : हाईकोर्ट के आदेश में चुनाव आयोग को लेकर सख्ती की गई है।

जस्टिस नागरत्ना : दूसरे पक्ष को सुनने के बाद हम उन टिप्पणियों को हटाने के लिए आदेश दे सकते हैं।

सिद्धार्थ अग्रवाल : राज्य सरकार के पास पर्याप्त सुरक्षा बल है। अगर जरूरत पड़ी तो अन्य राज्यों से फोर्स मंगाएंगे। पिछली बार सीआरपीएफ अधिकारियों ने गोलियां चलाई थीं और लोग मारे गए थे। हाईकोर्ट ने बूथ ही नहीं पूरे जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है।

जस्टिस नागरत्ना : यह केवल चुनाव कराने के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : राज्य एक ही दिन में स्थानीय निकायों के लिए चुनाव करा रहा है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जरूरी हैं। हाईकोर्ट के आदेश में किसी तरह के दखल की जरूरत नहीं है। याचिका खारिज की जाती है।

15 जून को हाईकोर्ट ने जारी किया था आदेश : कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शिवगणमन और जस्टिस उदय कुमार की बेंच ने 15 जून को सेंट्रल फोर्सेज की तैनाती को लेकर आदेश जारी किया था। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने 9 जून को एक याचिका दायर की थी। उन्होंने चुनाव के नॉमिनेशन के दौरान हुई हिंसा को लेकर कोर्ट का रुख किया था।

बिहार में दुनिया...

210 टन वजन का होगा शिवलिंग :

आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि विराट रामायण मंदिर तीन मंजिला होगा। एंट्री के बाद प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान गणेश के दर्शन होंगे। वहां से बढ़ते ही काले ग्रेनाइट की चट्टान से बने विशाल शिवलिंग के दर्शन होंगे।

महाबलिपुरम में 250 टन वजन के ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराश कर मुख्य शिवलिंग के साथ सहस्रलिंगम शिवलिंग भी बनाया जा रहा है। 8वीं शताब्दी के बाद सहस्रलिंगम का निर्माण भारत में नहीं हुआ है। शिवलिंग का वजन 210 टन, ऊंचाई 33 फीट और गोलाई 33 फीट होगी।

भव्यतम होगा विराट रामायण मंदिर :

मंदिर का क्षेत्रफल 3.67 लाख वर्गफुट होगा। सबसे ऊंचा शिखर 270 फीट का होगा। 198 फीट का एक शिखर होगा। जबकि 180 फीट के चार शिखर रहेंगे। 135 फीट का एक शिखर और 108 फीट ऊंचाई के 5 शिखर होंगे। विराट रामायण मंदिर की लंबाई 1080 फीट और चौड़ाई 540 फीट है। आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि अयोध्या में बन रहे रामलला मंदिर की लंबाई 360 फीट और चौड़ाई 235 फीट है। जबकि सबसे ऊंचा शिखर 135 फीट का है।

विराट रामायण मन्दिर में शैव और वैष्णव देवी-देवताओं के कुल 22 मंदिर होंगे। इसे जानकी नगर के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां कई आश्रम, गुरुकुल, धर्मशाला आदि होंगे।

नकली दवाओं पर...

इसके साथ ही अमेरिका में लगभग 40 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की और ब्रिटेन में लगभग 25 प्रतिशत दवाओं की आपूर्ति करता है।

मंडाविया ने कहा, जब भी भारतीय दवाओं को लेकर कुछ सवाल उठते हैं तो हमें तथ्यों की तह तक जाने की जरूरत होती है। उदाहरण के लिए गाम्बिया में यह कहा गया था कि 49 बच्चों की मौत हो गई है। डब्ल्यूएचओ में किसी ने यह कहा था और हमने उन्हें पत्र लिखकर पूछा कि वास्तविकता क्या है। तथ्यों को लेकर कोई भी हमारे पास वापस नहीं आया। उन्होंने कहा, हमने एक कंपनी के सैंपल चेक किए। हमने मौत की वजह जानने की कोशिश की और पाया कि बच्चे को डायरिया था। अगर किसी बच्चे को डायरिया हुआ तो उसके लिए कफ सिरप की सलाह किसने दी?

मंत्री ने आगे कहा कि कुल 24 नमूने लिए गए, जिनमें से चार विफल रहे। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि क्या सिर्फ निर्यात के लिए एक खेप बनाया गया था और अगर वह विफल रहता है, तो सभी नमूने विफल हो जाएंगे। यह संभव नहीं है कि 20 सैंपल पास हो जाएं और चार सैंपल फेल हो जाएं। फिर भी हम सतर्क हैं। हम अपने देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए जोखिम आधारित विश्लेषण जारी रखे हुए हैं।

क्या रोहित शर्मा आखिरी बार वर्ल्ड कप खेलेंगे

वनडे और टी20 में उम्र बढ़ा रहीं मुश्किलें, टेस्ट में टीम को दमदार बनाए रखने का चैलेंज

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। अपनी हिटिंग के दम पर प्रतिद्वंद्वी टीम को घुटनों पर लाने की क्षमता रखने वाले हिटमैन रोहित शर्मा के लिए अक्टूबर-नवंबर में होने वाला वर्ल्ड कप करियर का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। मुमकिन है कि इसके बाद वे किसी आईसीसी टूर्नामेंट को जीतने का दावा पेश न कर पाएं। न सिर्फ बतौर कप्तान बल्कि बतौर खिलाड़ी भी 2023 वनडे वर्ल्ड कप रोहित का आखिरी ग्लोबल टूर्नामेंट हो सकता है।

तीन इंडिकेटर्स रोहित शर्मा के खिलाफ जाते दिख रहे हैं। उनके बचपन के कोच दिनेश लाड को भी ऐसा ही लगता है कि रोहित इस साल आखिरी बार वर्ल्ड कप में उतरने वाले हैं। क्या कहना है रोहित के कोच का और वे इंडिकेटर्स कौन-कौन से हैं यह हम स्टोरी में आगे जानते हैं।

इंडिकेटर-1: ज्यादा उम्र

2007 में आयरलैंड के खिलाफ वनडे मैच के जरिए इंटरनेशनल करियर का आगाज करने वाले रोहित 36 साल, 51 दिन के हो चुके हैं। अगले वनडे वर्ल्ड कप के समय उनकी उम्र 40 साल से ऊपर की होगी। इस उम्र तक महेंद्र सिंह धोनी भी टीम इंडिया के लिए नहीं खेल पाए। इसलिए तब तक रोहित का वनडे सेटअप में बने रहने की उम्मीद काफी कम है। लगभग न के बराबर। इसलिए इस फॉर्मेट के अगले वर्ल्ड कप (2027) मे रोहित नजर नहीं आते। वनडे में रोहित ने पिछले 5 सालों में बतौर बल्लेबाज कैसा परफॉर्म किया है यह अगली तस्वीर में देखा जा सकता है।

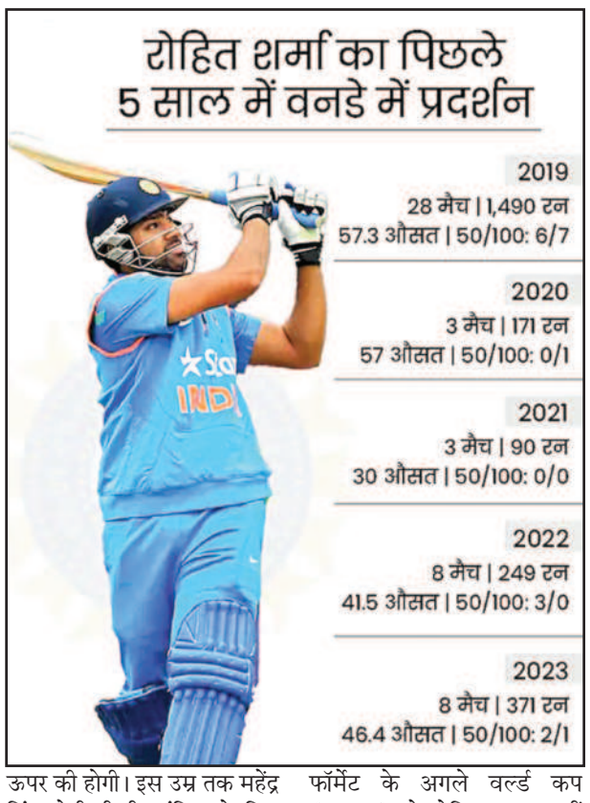

इंडिकेटर-2: टी-20 सेटअप से हो रहे/किए जा रहे बाहर

टीम इंडिया पिछले साल 10 नवंबर को टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हारी थी। हार इतनी करारी थी कि इसे कोई भारतीय फैन भूल नहीं पा रहा। याद रखने लायक एक बात यह भी है कि वह मुकाबला रोहित शर्मा का आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच था। तब से वे भारत की टी-20 टीम से बाहर रहे हैं। इसके बाद से भारतीय टीम इस फॉर्मेट में 8 मैच खेल चुकी है। सिलेक्टर्स की ओर से कहा जा रहा है कि अगले साल टी-20 वर्ल्ड कप है और उसकी टीम तैयार की जा रही है।

इंडिकेटर -3: टेस्ट में फाइनल तक पहुंचना होगा मुश्किल

टेस्ट क्रिकेट ऐसा फॉर्मेट है जिसमें रोहित का करियर दो-तीन साल और चल सकता है। यानी रोहित को डब्ल्यूटीसी ट्रॉफी के लिए एक और मौका मिल सकता है। हालांकि, इसके लिए टीम को पहले फाइनल में पहुंचना होगा। भारतीय टेस्ट टीम में बदलाव का दौर शुरू होने वाला है लिहाजा अगले कुछ महीने प्रदर्शन डांवाडोल हो सकता है।

इसके अलावा भारत घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए गड्ढा पिचें बनवाना बंद भी कर सकता है। बीसीसीआई अधिकारियों और पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों में एक बड़ा तबका यह मानता है कि ऐसी पिचों से भारतीय क्रिकेट की छवि खराब हो रही है और हमारे खिलाड़ी बैटिंग करना भूल रहे हैं। अगर गड्ढा पिचें बनना बंद हो गई तो भारतीय टीम के लिए आसान पॉइंट्स का मिलना भी बंद हो जाएगा। इससे फाइनल की राह मुश्किल हो जाएगी। अगर फाइनल में नहीं पहुंचे तो वर्ल्ड कप जैसी कोई बात ही नहीं रहेगी।

टेस्ट फॉर्मेट में वर्ल्ड कप खेलने का मतलब कोई टूर्नामेंट खेलना नहीं होता। वहां इसका मतलब वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलना होता है। कहने के लिए सभी टेस्ट सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होती हैं, लेकिन फाइनल ही अपने आप में पूरा टूर्नामेंट होता है। अगर डब्ल्यूटीसी में शामिल किसी सीरीज में खेल लेना ही वर्ल्ड कप खेलना होता तब तो पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम या इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी यह टूर्नामेंट खेल चुके होते।

जावेद मियांदाद ने फिर उगला भारत विरोधी बयान

कहा- पाकिस्तान वर्ल्ड कप खेलने भारत न जाए, पहले भारतीय टीम पाकिस्तान आए

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने एशिया कप को लेकर बीसीसीआई पर हमला किया। मियांदाद ने कहा - अगर भारत एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं आ सकता तो पाकिस्तान को भी वर्ल्ड कप खेलने के लिए नहीं जाना चाहिए। अगर भारत चाहता है कि पाकिस्तान वर्ल्ड कप के लिए आए, तो उसे पहले पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए। इसी आधार पर पाकिस्तान को वर्ल्ड कप खेलने पर निर्णय लेना चाहिए।

भारत का रवैया पाकिस्तान की तरह नहीं

मियांदाद ने आगे कहा - पाकिस्तान 2012 और 2016 में भारत आया था, लेकिन भारत 2008 के बाद से पाकिस्तान नहीं आया। अगर मुझे फैसला करना होता तो मैं कभी भी कोई मैच खेलने भारत नहीं जाता, यहां तक कि वर्ल्ड कप में भी नहीं।

मियांदाद ने कहा - पाकिस्तान क्रिकेट टॉप लेवल के खिलाड़ी तैयार करता है। अगर हम भारत का दौरा नहीं करें तो इससे हमे

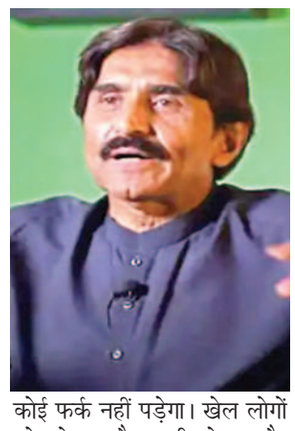

कोई फर्क नहीं पड़ेगा। खेल लोगों को जोड़ता है ना ही तोड़ता है। इसलिए बेहतर है की हम खेल के बीच में राजनीति नहीं लाएं। हमें एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए।

हाइब्रिड मॉडल में होगा एशिया कप

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 के मैच पाकिस्तान और श्रीलंका में हाइब्रिड मॉडल में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में टूर्नामेंट के सिर्फ 4 मैच होंगे। बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। शुरुआती ग्रुप स्टेज के चार मैच पाकिस्तान में होंगे। इनमें एक ग्रुप से पाकिस्तान बनाम नेपाल मैच और दूसरे ग्रुप से अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश, अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका और बांग्लादेश Vs श्रीलंका मैच शामिल हैं। यानी पाकिस्तान में भारत का एक भी मैच नहीं होगा। फाइनल भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा।

एशिया कप को लेकर विवाद क्यों?

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि टीम इंडिया खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना। हालांकि, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया था। हाइब्रिड मॉडल के मुताबिक, भारत के मैच पाकिस्तान के अलावा किसी और देश में करा दिए जाएंगे। टूर्नामेंट के बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे। भारत अगर फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी पाकिस्तान के बाहर होगा।

अर्शिन ने लगाई एमपीएल की सबसे तेज सेंचुरी

46 गेंदों पर पूरा किया शतक; अपनी पारी में जड़े 13 छक्के

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2023 का 7वां मुकाबला ईगल नासिक टाइटंस और पुणेरी बप्पा के बीच खेला गया। इस मैच में ईगल नासिक टाइटंस के ऑलराउंडर अर्शिन कुलकर्णी ने 46 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो एमपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक है।

अर्शिन ने 54 गेंदों में 117 रन बनाए

पुणेरी बप्पा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। अर्शिन के शतक के दम पर पहले बल्लेबाजी करते हुए ईगल नासिक टाइटंस ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 203 रन बनाए। ओपनिंग करने उतरे अर्शिन ने 216.7 के स्ट्राइक रेट से 54 गेंदों में 117 रन बनाए।

इस दौरान उन्होंने 3 चौके और 13 छक्के लगाए। इस तरह उन्होंने सिर्फ छक्कों (13 गेंदों में) से ही 78 रन बना डाले। इस धमाकेदार पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक केवल 46 गेंदों पर पूरा किया। इस तरह वो महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। अर्शिन ने गेंदबाजी करते हुए चार ओवरों में 21 रन देकर चार विकेट भी झटके।

ईगल नासिक टाइटंस ने पुणेरी बप्पा को 1 रन से हराया

ईगल नासिक टाइटंस से मिले 204 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुणेरी बप्पा ने 204 रन के लक्ष्य को पाने की कोशिश की लेकिन वो एक रन दूर रह गए। पुणेरी बप्पा की ओर से उसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सबसे ज्यादा रन बनाया। उन्होंने 23 गेंदों में 50 रन की पारी खेली।

एमपीएल का पहला शतक अंकित बावने ने लगाया

एमपीएल का यह दूसरा शतक है। एमपीएल का पहला शतक 17 जून को कोल्हापुर तस्कर्स के अंकित बावने ने लगाया था। उन्होंने रत्नागिरी जेट्स 60 गेंदों में 105 रन की पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 59 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था।

पीसीबी अध्यक्ष की रेस से सेठी बाहर

बोले- आसिफ और शहबाज के बीच विवाद का वजह नहीं बनना चाहता; अशरफ हो सकते हैं नए अध्यक्ष

इस्लामाबाद, 20 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि वे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच विवाद की वजह नहीं बनना चाहते हैं।

सेठी को पिछले साल रमीज राजा की जगह पर पीसीबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है।

सेठी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में अपनी उम्मीदवारी को वापस लेते हुए लिखा - सभी को सलाम! मैं आसिफ जरदारी और शहबाज शरीफ के बीच विवाद का कारण नहीं बनना चाहता। इस तरह की अस्थिरता और अनिश्चितता पीसीबी के लिए अच्छी नहीं है। इन परिस्थितियों में मैं पीसीबी अध्यक्ष पद का उम्मीदवार नहीं हूं। सभी हितधारकों को शुभकामनाएं।

जका अशरफ होंगे पीसीबी के अध्यक्ष

नजम सेठी के अध्यक्ष पद से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के बाद जका अशरफ पीसीबी के नए अध्यक्ष हो सकते हैं। शहबाज शरीफ सरकार में मंत्री एहसान उर रहमान मजारी के अनुसार जका अशरफ पीसीबी के अध्यक्ष पद संभालेंगे।

उनके अनुसार सेठी को बतौर पीसीबी के संरक्षक के तौर पर अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। ताकि फिर से 2014 के संविधान को बहाल कर सके और पीसीबी का चुनाव करा सकें। चूंकि उनका कार्यकाल पहले ही 4 हफ्ते बढ़ाया जा चुका है। अब उनका कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाएगा।

तेजिंदर पाल तूर ने विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

गोला फेंक में अपना एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा

भुवनेश्वर, 20 जून (एजेंसियां)। पंजाब का प्रतिनिधित्व कर रहे तूर का एशियाई रिकॉर्ड 21.49 मीटर का था जो उन्होंने 2021 में पटियाला में बनाया था। इस 28 साल के एथलीट ने कलिंग स्टेडियम में तीसरे थ्रो में 21.77 मीटर दूर गोला फेंका जो इस सत्र में विश्व में नौवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भारत के शीर्ष गोला फेंक एथलीट तेजिंदरपाल सिंह तूर ने सोमवार को भुवनेश्वर में इतिहास रच दिया। उन्होंने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप के अंतिम दिन 21.77 मीटर का थ्रो फेंका। इसके साथ ही तूर ने अपना एशियाई रिकॉर्ड तोड़ दिया। साथ ही उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया।

पंजाब का प्रतिनिधित्व कर रहे तूर का एशियाई रिकॉर्ड 21.49 मीटर का था जो उन्होंने 2021 में पटियाला में बनाया था। इस 28 साल के एथलीट ने कलिंग स्टेडियम में तीसरे थ्रो में 21.77 मीटर दूर गोला फेंका जो इस सत्र में विश्व में नौवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। विश्व चैम्पियनशिप का क्वालीफाइंग मानक 21.40 मीटर का है। वह एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर चुके हैं जिसका क्वालीफाइंग मानक 19 मीटर का है।

वनडे वर्ल्डकप क्वालिफायर में ओमान ने किया उलटफेर

आयरलैंड को 5 विकेट से हराया; श्रीलंका ने यूएई को 175 रन से मात दी

ओमान, 20 जून (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफायर में ओमान ने उलट फेर करते हुए आयरलैंड को 5 विकेट से हराया। आयरलैंड पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों को हरा चुकी है। वहीं एक अन्य मुकाबले में श्रीलंका ने यूएई को 175 रन से हराया।

वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में भारत में खेला जाना है। इसमें 10 टीमें भाग लेंगी। आठ टीमों का फैसला रैंकिंग के आधार पर हो चुका है। दो अन्य टीमों का फैसला क्वालिफायर मुकाबले से हो रहे हैं। क्वालिफायर मुकाबले में वेस्टइंडीज और श्रीलंका सहित 10 टीमें भाग ले रही हैं।

जिम्बाब्वे में खेले जा रहे क्वालिफायर टूर्नामेंट में टॉप दो पर रहने वाली टीमें वर्ल्ड कप में भाग लेंगी। सोमवार को खेले गए

मैच में ओमान ने आयरलैंड को हराकर लीग का अपना पहला मैच जीत लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की टीम ने 7 विकेट पर 281 रन का स्कोर खड़ा किया था। जिसे ओमान की टीम ने 48.1 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल ने नाबाद 91 रन की पारी खेली

आयरलैंड की ओर से जॉर्ज डॉकरेल ने नाबाद 91 रन की पारी खेली, जबकि हैरी टेक्टर ने 52 रन बनाए। इन दोनों के अलावा आयरलैंड का और कोई बल्लेबाज ज्यादा कुछ नहीं कर पाया। वहीं ओमान की तरफ से बिलाल खान और फैयाद बट ने 2-2 विकेट लिए।

ओमान के लिए कश्यप प्रजापति और अकिब इल्यास के लिए बीच अर्धशतकीय साझेदारी

282 रन का टारगेट का पीछा करने उतरी ओमान की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। पर बैटर कश्यप प्रजापति और अकिब इल्यास ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 92 रन की साझेदारी हुई। प्रजापति ने 72 रन और इल्यास ने 52 रन बनाए। वहीं टीम के कप्तान जिशान मसूद ने 59 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इनके आलवा मोहम्मद नदीम ने 46 रन की नाबाद पारी खेली।

श्रीलंका ने यूएई को 175 रन से हराया

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 6 विकेट के नुकसान पर 355 रन बनाए। कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 78 रन बनाए। सदीरा समरविक्रमा श्रीलंकर के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 64 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली। इनके अलावा पथुम निसंका ने 76 गेंदों पर 57 और दिमुथ करुणारत्ने ने 54 गेंदों पर 52 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई ने 180 रन ही बना सकी। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने 8 ओवर में 24 रन देकर 6 विकेट लिए।

सात्विक-चिराग करियर की बेस्ट तीसरी वर्ल्ड रैंकिंग पर पहुंचे

सिंधु को एक स्थान का फायदा, मेंस सिंग्लस में प्रणय 9वें नंबर पर बरकरार

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने मंगलवार को जारी BWF की ताजा रैंकिंग में अपने करियर की बेस्ट वर्ल्ड रैंकिंग हासिल कर ली। सात्विक-चिराग अपनी पिछली रैंकिंग से एक स्थान ऊपर बढ़कर पुरुष युगल की विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

पिछले साल कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल, फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब और मौजूदा सीजन में इंडोनेशिया ओपन और स्विस ओपन 300 खिताब जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी के अब 15 टूर्नामेंट में 82331 अंक हैं।

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीता

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज की भारतीय जोड़ी ने रविवार (18 जून 2023) को इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीता था। चिराग-सात्विक की जोड़ी ने टूर्नामेंट की दूसरी सीड हारून चिया और वूई यिक सोह की मलेशियाई जोड़ी को सीधे गेम में 21-17 और 21-18 के अंतर से हराया था। चिराग-सात्विक की जोड़ी BWF वर्ल्ड टूर सुपर-1000 का टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इतना ही नहीं, यह इकलौती भारतीय जोड़ी है, जिसने BWF वर्ल्ड टूर में सुपर-100, सुपर-300,सुपर-500, सुपर-750 और सुपर-1000 चारों टाइटल जीते हैं।

सिंधु 12वें स्थान पर पहुंची

महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 12वें स्थान पर पहुंच गई हैं। सिंधु सात साल में पहली बार मार्च में शीर्ष 10 की रैंकिंग से बाहर हो गई थीं। महिला युगल में त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी 16वें स्थान पर बनी हुई है।

प्रणय 9वें स्थान पर बरकरार

मेंस सिंग्लस में एचएस प्रणय 9वें स्थान पर बरकरार हैं। लक्ष्य सेन को रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है। वो अब 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं। किदांबी श्रीकांत भी तीन स्थान के फायदे से 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सर्जरी के बावजूद मोटो जीपी रेसर मार्क की वापसी

मैड्रिड, 19 जून (एजेंसियां)। स्पेन के मार्क मारक्वेज मोटो जीपी खिलाड़ी हैं। करियर में कुल 59 रेस जीतने के बाद केवल 28 साल की उम्र में संन्यास लेना चाहते थे। आंखों में आंसू के साथ वो बताते हैं कि संन्यास के बारे में निर्णय लेते वक्त वे लगातार सोच रहे थे कि क्या ये सब जरूरी है? क्या इतना दर्द सहना जरूरी है।

दरअसल, मारक्वेज अपनी सर्जरी के लिए अमेरिका जा रहे थे। मोटो जीपी में क्रैश के कारण उन्हें दाएं हाथ में चौथी सर्जरी करवानी पड़ी थी। अगर ये सर्जरी सफल नहीं होती तो उन्हें करियर को अलविदा कहना पड़ता। पिछले साल उनके

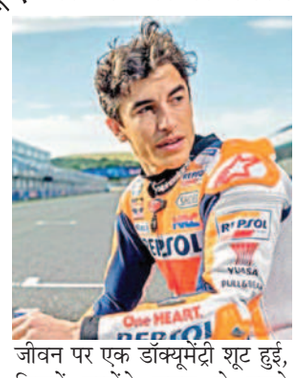

जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री शूट हुई, जिसमें उन्होंने समय से पहले संन्यास लेने की बात सामने रखी थी।

वो उस समय के बारे में बात करते हुए बताते हैं, 'मैं करियर में बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि हमेशा जीतने के बारे में बात की है। इसलिए अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए डर लगता है। लोग हमें हीरो की तरह देखते हैं, लेकिन हम भी इंसान है और खराब दिन से गुजरते हैं।' करियर की शुरुआत से ही लगातार उनके दाएं हाथ पर क्रैश का असर पड़ता रहा है।

वे बताते हैं, "मैंने अपने हाथ पर कभी टांके नहीं गिने। हालांकि मेरे हाथ पर शायद 40 टांके हैं। साथ ही, मेरे हाथ में 2 मेटल प्लेट्स और 35 स्क्रू (पेंच) लगे हुए हैं।' उन्होंने इसके बाद इस सीजन में वापसी की। हालांकि उनका सीजन कुछ खास नहीं गया।

सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करें : अरुण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने सुरक्षा संगोष्ठी को संबोधित किया

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेल क्लब, गुंतकल में आयोजित सुरक्षा संगोष्ठी के दौरान दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने ट्रेन संचालन में सुरक्षा और समय की पाबंदी सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा सावधानियों के सख्त पालन पर जोर दिया। के वेंकटरमण रेड्डी, मंडल रेल प्रबंधक, गुंतकल संगोष्ठी में मंडल, रेलवे के अधिकारी, शाखा अधिकारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारी शामिल हुए। फ्रंटलाइन कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों की सभा को संबोधित करते हुए, महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन और रखरखाव में शामिल कर्मचारियों से किसी भी शॉर्ट कट तरीकों से बचने और सभी सुरक्षा आवश्यकताओं और प्रक्रियाओं का पालन करने की अपील की। महाप्रबंधक ने कहा कि सुरक्षा के साथ परिवहन के रेलवे के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए फील्ड स्तर के कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों के बीच उचित समन्वय और समझ बेहद आवश्यक है। उन्होंने कर्मचारियों को सकारात्मक मानसिकता रखने और अपने कर्तव्यों का पालन करते समय हमेशा ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने सौंपे गए कार्यों के गहन और संपूर्ण ज्ञान को सुनिश्चित करने के लिए सभी फील्ड स्तर के कर्मचारियों को व्यावहारिक, ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण पर भी जोर दिया।

संरक्षा संरक्षा संगोष्ठी में मंडलीय अधिकारियों ने महाप्रबंधक के समक्ष ट्रेन संचालन की संरक्षा बढ़ाने के लिए किए जा रहे विभागवार उपायों की विस्तृत प्रस्तुति दी. प्रभाग ने संचालन, सिग्नल और दूरसंचार, इलेक्ट्रिकल, इंजीनियरिंग और मैकेनिकल जैसी विभिन्न शाखाओं के सुरक्षा पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था जिसमें महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधक द्वारा फ्रंटलाइन कर्मचारियों के विचारों, प्रश्नों और चिंताओं को सुलझाया गया है।

बाद में अरुण कुमार जैन ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में सेक्शन कंट्रोलर के साथ बैठक की. उन्होंने कर्मचारियों को मंडलों में अनुसूचित रखरखाव और सुरक्षा कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी। बैठक के दौरान, महाप्रबंधक ने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, गार्ड, ट्रैक मेंटेनर आदि सहित रनिंग स्टाफ के काम के घंटों में सुधार करने पर भी जोर दिया और अधिकारियों को सलाह दी कि वे महत्वपूर्ण ट्रेन संचालन में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को उचित आराम और राहत की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

राज्य को कर्ज में डूबो रहे है सीएम : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा शुरू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रम सीएम केसीआर के लिए एक आधार थे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जगत्याल शहर को अविभाजित आंध्रप्रदेश राज्य में मान्यता मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने 5 लाख करोड़ रुपये का ऋण लेकर एक राजस्व अधिशेष राज्य को कर्ज में डूबे हुए राज्य में बदल दिया और कहा कि तेलंगाना राज्य में अभी तक पैदा होने वाले प्रत्येक बच्चे के सिर पर 1.25 लाख रुपये का कर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार 2022-23 वित्तीय वर्ष के दौरान राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 1500 दलित बंधु लाभार्थियों को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है।

न्यूड कॉल कर पैसे ऐंठने वाले साइबर जालसाज गिरफ्तार

सिद्दीपेट, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट पुलिस ने मंगलवार को दो साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने शेयर चैट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सैकड़ों लोगों को महिलाओं के फर्जी अकाउंट का झांसा देकर ठगा था।

आरोपी पुरुषों को लुभाने के लिए महिलाओं की नग्न तस्वीरें भेजता था। सिद्दीपेट में बेगमपेट पुलिस स्टेशन के तहत एक व्यक्ति की शिकायत के बाद, सिद्दीपेट पुलिस ने जगतियाल शहर के अरेपल्ली अभिषेक (24) और करीमनगर जिले के हुजूराबाद मंडल के पेड्डयापल्ली गांव के बशवेना अविनाश (21) को गिरफ्तार किया। अभिशेख और अविनाश पीड़ितों के साथ स्क्रीनशॉट लेते थे जब वे नग्न कॉल पर होते थे और तस्वीरों का उपयोग करके जबरन वसूली करते थे। पुलिस आयुक्त एन श्वेता ने कहा कि आरोपियों ने पैसे के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तस्वीरें पोस्ट कर पीड़ितों को धमकी दी। यह कहते हुए कि पुलिस ऐसे साइबर जालसाजों द्वारा ठगे गए लोगों को पीड़ितों के रूप में मानेगी, ऐसे पीड़ितों पर श्वेता ऐसे जालसाजों के शिकार होने से बचने के लिए तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

अभिषेक और अविनाश ने 10 मोबाइल फोन और 21 सिम कार्ड का इस्तेमाल किया और अपनी गतिविधि को पूरा करने के लिए 18,000 कॉल किए। रंगदारी की राशि जमा कराने के लिए वे अलग-अलग बैंक खातों का भी इस्तेमाल करते थे।

स्ट्रीट डॉग से बचकर छठवीं कक्षा का छात्र ट्रैक्टर के नीचे आ गिरा

हनमकोंडा, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कमलापुर मंडल के मरीपल्लीगुडेम गांव में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना में, कक्षा 6 के एक छात्र की ट्रैक्टर से कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई, जिससे तेलंगाना शिक्षा दिवस का उत्सव का माहौल बिखर गया। जयपाल का 10 वर्षीय पुत्र इनुगला धनुष अपने साथी छात्रों के साथ शिक्षा दिवस समारोह के तहत आयोजित एक रैली में टहल रहा था, तभी अचानक एक कुत्ता सड़क के किनारे से निकला और धनुष पर हमला करने की कोशिश की। अप्रत्याशित घटना से चौंका लड़के ने कुत्ते से बचने का प्रयास किया लेकिन एक गुजरते ट्रैक्टर के पहिये के नीचे आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एमएलसी पाडी कौशिक रेड्डी ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

सीएम केसीआर की वजह से रामप्पा मंदिर को मिला यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज टैग : श्रीनिवास गौड

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड ने कहा कि मुलुगु जिले के ऐतिहासिक रामप्पा मंदिर को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के प्रयासों के कारण यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिला है।

मंगलवार को मंत्री श्रीनिवास गौड की उपस्थिति में, नारायणपेट जिले के मुदुमुल गांव में स्थित ऐतिहासिक संरचना के संबंध में दस्तावेजों की आवश्यक प्रस्तुति तैयार करने के लिए राज्य विरासत विभाग ने डेक्कन हेरिटेज अकादमी के साथ एक समझौता किया। समझौते के हिस्से के रूप में, डेक्कन हेरिटेज अकादमी मुदुमुल विरासत संरचना को विश्व विरासत स्थल टैग की मान्यता के लिए यूनेस्को के साथ प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार करती है।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीनिवास गौड ने कहा कि तेलंगाना में कई विरासत परिसर और स्मारक हैं और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव इन संरचनाओं के संरक्षण के लिए कई कदम उठा रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से मुलुगु जिले के ऐतिहासिक रामप्पा मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला है। डेक्कन हेरिटेज अकादमी के अध्यक्ष वेदकुमार, तेलंगाना हेरिटेज विभाग के उप निदेशक रामुलु नायक और अन्य उपस्थित थे।

महिला ने मासूम बेटियों की हत्या के बाद दे दी जान

मेदक, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक 28 वर्षीय महिला कोक्कू लक्ष्मी ने कथित तौर पर अपनी दो बेटियों को कोंटुरु टैंक में फेंक दिया और बाद में खुद को भी समाप्त करने के लिए कूद गई। मेदक पुलिस के अनुसार, रामायमपेटमंडल के अक्कन्नापेट की रहने वाली लक्ष्मी और उनकी बेटियां शरण्या (4) और श्रव्या (2) मंगलवार की सुबह कथित तौर पर अपने पति येल्लम के साथ बहस के बाद घर से निकल गई थीं। कुछ घंटे बाद तीनों के शव कोंटुरु टैंक में मिले। पुलिस का मानना है कि महिला ने खुद कूदने से पहले बच्चों को पानी में फेंका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल में भेज दिया।

ओबीसी अधिकारों के लिए लड़ने का समय आ गया : कृष्णमोहन

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ओबीसी समुदायों की उपेक्षा कर रही है, राज्य बीसी आयोग के अध्यक्ष वी. कृष्ण मोहन राव ने बीसी समुदायों से अपने वैध अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया।

मंगलवार को अखिल भारतीय ओबीसी कर्मचारी राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए राव ने कहा कि ओबीसी समुदायों से संबंधित विभिन्न विकास और कल्याणकारी मुद्दों पर निर्णय लेने में देरी के कारण केंद्र इन समुदायों को सभी क्षेत्रों में पीछे धकेल रहा है। केंद्र न तो जाति जनगणना कर रहा था और न ही बैकलॉग सिस्टम लागू कर रहा था।

उन्होंने कहा कि वह ओबीसी के लिए भी एक अलग मंत्रालय नहीं बना रही है, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गैर-क्रीमी लेयर श्रेणियों की आय सीमा भी नहीं बढ़ा रही है, जिससे ओबीसी युवाओं में बहुत अशांति है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी कर्मचारी अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए एकजुट होकर संघर्ष करें।

पर्यटकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना केंद्र की प्राथमिकता : किशन रेड्डी

जी20 के तहत चौथी पर्यटन कार्य समूह की बैठक शुरू

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जी20 के तहत पर्यटन कार्य समूह की चौथी बैठक के उद्घाटन सत्र की मेजबानी पर्यटन मंत्रालय ने आज सुबह गोवा में की। उद्घाटन सत्र को केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट, पर्यटन राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत। गोवा में पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे मौजूद थे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में जी20 पर्यटन कार्य समूह की बैठकें भारत की अध्यक्षता में आयोजित की गईं और इसमें कच्छ के रण, गुजरात में पहली बैठक, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में दूसरी, श्रीनगर में तीसरी बैठक शामिल है। जम्मू और कश्मीर और दुनिया भर के विशेषज्ञों, नवोन्मेषकों और नेताओं के साथ विभिन्न प्रकार के पर्यटन उत्पादों पर कुछ व्यावहारिक, विचारोत्तेजक और सकारात्मक चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी आध्यात्मिक शक्ति और देश के विभिन्न स्थानों की विविधता की सुंदरता, महानता और समृद्धि का अनुभव किए बिना भारत की यात्रा अधूरी होगी।

उन्होंने कहा, "हम 50 से अधिक शक्तिपीठों का घर हैं, जहां महिलाओं की दिव्यता की पूजा की जाती है। भारत सिख धर्म का जन्म स्थान है और हमारे पास अमृतसर में सिख स्वर्ण मंदिर है, जो भाईचारे और समानता का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा भारत बौद्ध धर्म और जैन धर्म का जन्म स्थान है और यहां लगभग 80% हिंदू आबादी है। भारत भर में 200 बड़े बौद्ध मठ हमें अहिंसा के बौद्ध सिद्धांतों और प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने के जैन दर्शन की याद दिलाते हैं, जो सरकार के मिशन लाइफ-लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट का आधार है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि समृद्ध विरासत और सभ्यतागत ताकत को उचित पहचान दिलाने के लिए, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार 2014 से पर्यटन को बढ़ावा दे रही है और वह वैश्विक स्तर पर भारतीय पर्यटन की शुरुआत करने वाले हमारे अपने पर्यटन राजदूत हैं।

किशन रेड्डी ने भारत में 'अतिथि देवो भव' के हमारे प्राचीन दर्शन की भावना में कहा कि जहां अतिथि को दैवीय माना जाता है, वहीं कोविड-19 के बाद हमारे विदेशी पर्यटकों का आगमन फिर से बढ़ा है और जनवरी से अप्रैल 2023 की अवधि के दौरान विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ है। 2022 में पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान पंजीकृत आगमन की तुलना में 166% अधिक है। भारत को 2023 में पूर्व-महामारी के स्तर पर अपनी आवक यात्रा को पुनर्प्राप्त करने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि वर्तमान में हमारी भारत सरकार की दो प्राथमिकताएँ हैं। ये हैं पर्यटकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए सतत बुनियादी ढाँचे का निर्माण और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को अपनाने के लिए पर्यटकों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

गौ रक्षकों पर हमला, 1 की मौत, 5 घायल

निर्मल/भैंसा, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिला किनवट तालुका शिवनी में 1 गौ रक्षक की हत्या की गई। निर्मल जिला कुंटाला मंडल के सीमा प्रांत महाराष्ट्र में सोमवार रात यह घटना घटी। प्राप्त जानकारी अनुसार शिवनी से शेखर रापेल्ली और उसके साथी तेलंगाना राज्य अपने रिश्तेदार के यहाँ निजी कार्यक्रम सम्मिलित होने पहुंचे। वापसी में धनंजय तृप्तेवर की एर्टिगा वाहन से शेखर रापेल्ली, महेश कोडलवार (जिला गौ रक्षक प्रमुख किनवट), ज्ञानेश्वर कार्लेवाड, विट्ठल लक्ष्मण अनंतवार, बालाजी राहुलवाड, सभी शिवनी गांव के लिए रवाना हो गए और सोमवार की रात 10:30 बजे से 11 बजे के बीच तेलंगाना के मलक जाम मार्ग से अप्पारावपेट करीब 3 किलोमीटर दूर चिकली गांव करीब बोलेरो पिकअप ने उनका रास्ता रोका और 10 से 15 हमलावरों ने वाहन रोककर तेज धार हथियारों से हमला किया, जिससे शेखर रापेल्ली की मौके पर मौत हो गई। शेखर के सीने में वार किया गया। अन्य चारों को नांदेड़ हस्पताल ले जाया गया, जहां चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। ये सब आईसीयू में भर्ती बताए जा रहे है। सूचना पाकर गांववासी सभी आरोपियों को फांसी देने के नारे लगाते रास्ते पर उतर आए। महाराष्ट्र पुलिस ने जल्द आरोपियों को गिरफ्त में लेने का आश्वासन दिया और तहकीकात में जुटी फोन लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश में पुलिस ने पाया कि तेलंगाना के निर्मल जिले अडेली क्षेत्र, नेरीडगोंडा, मुधोल तालुका पाया गया। आगे पुलिस छानबीन कर रही है। पुलिस समूह तेलंगाना में पहुँच कर आरोपियों को तलाश रही है। सोपानपेंटावर ने इस्लापुरथाना में केश दर्ज करवाया है। यह खबर सुबह तक आग की तरह फ़ैल गई। हिन्दू संघ कार्यकर्ता व व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर रास्ते पर विरोध प्रदर्शन किया। आरोपियों को जल्द हिरासत में लेकर सजा देने की मांग की। पुलिस ने स्थिति को काबू में किया है। यहां तैनात का माहौल बरकरार है। मौके पर पुलिस महानिरीक्षक शशिकांत मावळकर, जिला पुलिस अधीक्षक श्रीकृष्ण कोकाटे, सहायक पुलिस अधीक्षक गौहर हसन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. धरने सहित एसआई व तहसीलदार अन्य टीम सदस्य शामिल थे। उधर, हिन्दू संघ कार्यकर्ता व व्यापारियों ने कल बुधवार को पूरे नांदेड़ में बंद का आह्वान किया है।

मणिकोंडा में स्कूल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मणिकोंडा के जॉली किड्स प्ले स्कूल की एक कक्षा में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने के समय कक्षा में करीब 20 बच्चे थे। बच्चों के माता-पिता ने कहा कि जब आग लगी तो रोते हुए छोटे बच्चे आग की लपटों को देखकर इधर-उधर भागने लगे। बताया जा रहा है कि क्लास रूम के एयर कंडीशनर में शार्ट सर्किट से आग लगी थी. सतर्क स्कूल कर्मचारियों ने तुरंत बच्चों को दूसरे स्कूल में शिफ्ट कर दिया। सूचना मिलने पर दमकल व डीआरएफ के जवान स्कूल पहुंचे और आग पर काबू पाया। बच्चों के अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन इस घटना पर खामोश है। हालांकि किसी के हताहत नहीं होने से सभी संबंधितों ने राहत की सांस ली।

जीएचएमसी वार्ड कार्यालय में बढी आम जनता की भीड़

हैदराबाद, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिकों की शिकायत निवारण प्रणाली को कुशल बनाने के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा स्थापित वार्ड कार्यालय आम जनता के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गए हैं। बड़ी संख्या में लोग वार्ड कार्यालयों में इस उम्मीद में आ रहे हैं कि उनके अनुरोधों का सम्मान किया जाएगा और उन्हें तुरंत सुलझाया जाएगा।

वार्ड कार्यालयों के अधिकांश आगंतुक नागरिक चार्टर को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के अभिसरण मॉडल और अभ्यास की प्रशंसा कर रहे हैं, जिसने विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए स्पष्ट समयसीमा स्थापित की है। कुछ लोगों ने इन कार्यालयों में कर्मचारियों के नागरिक-अनुकूल दृष्टिकोण की भी सराहना की है।

एक तकनीकी विशेषज्ञ कहते हैं कि मेरी शिकायत को जल्दी से हल करने के अलावा, कुक्कटपल्ली के वार्ड कार्यालय के कर्मचारियों ने भी मुझसे फोन पर संपर्क किया और फीडबैक लिया। अभिसरण की अवधारणा से आगंतुक भी काफी प्रभावित हुए जिसमें विभिन्न नगरपालिका विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। अपनी सेवाओं की सीमा को और व्यापक बनाने के लिए, जीएचएमसी वार्ड कार्यालयों में पुलिस कर्मियों को तैनात करने की भी योजना बना रहा है। इस तरह की प्रथा ने संबंधित विभाग के बावजूद सभी प्रकार की शिकायतों को हल करने के लिए वार्ड कार्यालयों को वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बना दिया है।

भारी बारिश के दौरान ये वार्ड कार्यालय बहुत उपयोगी होंगे, क्योंकि बिजली कटौती, जल जमाव, सीवेज आदि सहित बारिश से संबंधित सभी शिकायतों को एक शिकायत के माध्यम से हल किया जाएगा और लोगों को अब विभिन्न विभागों से संपर्क नहीं करना पड़ेगा। जीएचएमसी ने यह भी निर्णय लिया है कि यदि कोई व्यक्ति गलत वार्ड कार्यालय से संपर्क करता है, तो शिकायत को संबंधित कर्मचारियों तक पहुँचाने का दायित्व जीएचएमसी का है न कि शिकायतकर्ता का।

हमने निर्धारित समय के भीतर और जितनी जल्दी हो सके पीने के पानी की स्वच्छता और सीवेज ओवरफ्लो से संबंधित शिकायतों का समाधान किया है। जुबली हिल्स में वार्ड प्रशासनिक अधिकारी (डब्ल्यूएओ) संजय सिंह कहते हैं, एक पार्क में सांप देखे जाने की शिकायत भी हुई थी और इस मुद्दे को वन विभाग को भेज दिया गया है। कंचनबाग में डब्ल्यूएओ, जहीरुद्दीन सिद्दीकी और बंजारा हिल्स डब्ल्यूएओ, साई श्रीनिवास ने कहा कि वे उल्लिखित समय सीमा के अनुसार शिकायतों को दूर करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

केटीआर आज करेंगे करीमनगर केबल ब्रिज का शुभारंभ

करीमनगर, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर शहर के बाहरी इलाके में लोअर मनैर बांध के डाउनस्ट्रीम में मनायर नदी पर बनाए गए बहुप्रतीक्षित केबल स्टे ब्रिज के उद्घाटन के लिए मंच तैयार है।

नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव बुधवार शाम पुल का उद्घाटन करेंगे। हालांकि मुख्य पुल कुछ समय पहले पूरा हो गया था, लेकिन संपर्क सड़कों पर काम में उम्मीद से अधिक समय लगने के कारण पुल के खुलने में देरी हुई। 19 फरवरी, 2018 को 183 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली परियोजना से केबल ब्रिज का काम शुरू हुआ। लागत बढ़कर 224 करोड़ रुपये हो गई। तुर्की की एक कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स और ग्लूमार्क ने पुल का निर्माण किया था। 500 मीटर केबल पुल के अलावा, कमान से पुल तक 300 मीटर चार लेन की सड़क और सदाशिवपल्ली से पुल तक 500 मीटर की सड़क बिछाई गई। 3.4 किलोमीटर भूमि का अधिग्रहण करके संपर्क सड़कों को पूरा किया गया।

डायनेमिक लाइटिंग सिस्टम के अलावा छह करोड़ रुपये खर्च कर दो बड़े स्क्रीन की भी व्यवस्था की गई है। जून 2021 में पुल के मुख्य स्पैन पर 950 टन रखकर लोड टेस्ट किया गया है।

एपी स्कूलों में अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम शुरू करेगा

विजयवाड़ा, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्रम और परीक्षा प्रणाली को शुरू करने पर विचार कर रही है, मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने मंगलवार को यहां घोषणा की। दसवीं और इंटरमीडिएट के मेधावी छात्रों को जगन्नाथ अनिमुत्यालु राज्य प्रतिभा पुरस्कार -2023 की प्रस्तुति के संबंध में एक बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में पहले से ही कई सुधार लागू किए गए थे और यह उनका उद्देश्य था कि राज्य के छात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करें। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही स्कूलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर का पाठ्यक्रम और एक अंतरराष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली शुरू करेगी।

जगन ने कहा कि सभी सुविधाएं प्रदान करने वाले निजी स्कूलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए सरकारी स्कूलों को नया रूप दिया गया था और गरीबी शिक्षा के लिए बाधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने महसूस किया कि प्रत्येक छात्र को कम से कम स्नातक होना चाहिए।

छींकने पर मजदूर के खिलाफ बुलाई पंचायत, कर दी पिटाई

खम्मम, 20 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चिंटकनी के पांडिलपल्ली गांव के पप्पुला वीरभद्रम ने सिर्फ छींक दिया तो उसके पडोसी ने उसकी पिटाई कर दी। गौरतलब है कि दिहाड़ी मजदूर को इस बात का अहसास नहीं था कि उसका संपन्न पड़ोसी, बोंडेला सत्यनारायण, अपने परिवार के साथ एक कार से गुजर रहा है और उसकी छींक सत्यनारायण के लिए परेशानी का सबब बन जाएगी। सत्यनारायण और उनके परिवार के सदस्य, जो वीरभद्रम की कार्रवाई से परेशान और क्रोधित थे, उन्होंने उनका अपमान किया क्योंकि वे एक शुभ कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे और वीरभद्रम के छींकने को एक अपशकुन माना। हालाँकि, वे अपने रास्ते चले गए, लेकिन बाद में गाँव के बुजुर्गों से इस घटना की शिकायत की, जो 13 जून को हुई थी। बुजुर्गों ने 15 जून को पंचायत बुलाई। जैसे ही पंचायती चल रही थी, सत्यनारायण और उसका परिवार अचानक उग्र हो गया और कथित तौर पर वीरभद्रम की पिटाई कर दी, जिसने सोमवार को सत्यनारायण और उसके परिवार के खिलाफ चिंताकनी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। स्थानीय एसआई वेंकन्ना ने सत्यनारायण, उनकी पत्नी लक्ष्मी और उनके बेटों श्रीकांत और श्रीनाथ के खिलाफ मामला दर्ज किया और घटना के संबंध में जांच शुरू की।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.